बिहार में जीरो टॉलरेंस का झूठा नारा भाजपा के लिए घातक

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि बिहार में जीरो टॉलरेंस का नारा भाजपा और जदयू ने मिलकर उछाल रखा है। जीरो टालरेंस का अर्थ है कि बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार नहीं है। भाजपाईयों के नजरों में शायद आम नागरिक मूर्खों की जमात तथा जीरो टॉलरेंस का अर्थ नहीं समझेगा? बिहार के भाजपायों ने प्रधानमंत्री के सामने भी जीरो ट्रॉलरेंस का नारा परोस रही है किंतु बिहार के एक भी भाजपाईयों ने माननीय प्रधानमंत्री को नहीं बताया कि बिहार अपराध की नगरी और भ्रष्टाचार का साम्राज्य बन गया है। यदि बिहार की सच्चाई से मोदी जी को अवगत करा दिया जाए, तो अवश्य कोई न कोई कदम अवश्य उठाते। अपराध भ्रष्टाचार सरकार रोकना नहीं चाहेगी? क्योंकि अपराधी और भ्रष्टाचारी भी तो मतदाता है। चुनाव में एक वोट का भी महत्व है तो इसे रोकने के लिए चार-पांच आदेश काफी है। पहला पुलिस एक भी निर्दोष व्यक्ति को जेल नहीं भेजें, निर्दोष को जेल भेजने वाले तथा सुपरविजन करने वाले जेल जाएंगे। एक आदेश से निर्दोष जेल जाना लगभग बंद हो जाएगा। दूसरा अपराध में इस्तेमाल होने वाले हथियार अनुसंधानकर्ता को बरामद करना अनिवार्य कर दिया जाए तथा हथियार निर्माण स्थल को भी उद्वेदन करना अनिवार्य के साथ अपराध में इस्तेमाल होने वाले करतूत कौन उपलब्ध करा रहा है उसका उद्वेदन करना अति आवश्यक कर दी जाए। यह आदेश होते ही 90% अपराध में कमी आ जाएगी। नीतीश कुमार की इच्छा शक्ति होती तो अपराध पर नियंत्रण आवश्यक हो जाता लेकिन इस पर बात है कि यदि अपराधियों पर कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए वैज्ञानिक द्वारा नारकोटिक्स, मशीन का आविष्कार किया है। यह मशीन का इस्तेमाल करना चाहिए। विकास और प्रशासन से जुड़े सभी विभागों में साल में एक नार्को टैक्स करने का फरमान जारी कर दिया जाए। परमान जारी होते ही आधा से ज्यादा नौकरी से त्याग पत्र देकर भागगें। इस त्याग पत्र से नौकरी के लिए आधा सीट खाली हो जायेगी। इस फरमान से अधिकांश ईमानदार लोग ही नौकरी में जाएगें।●

पूरे बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार से कोहराम

अपराध और भ्रष्टाचार पर सरकार द्वारा चुप्पी साधने के पीछे गहरा राज है। बताया जाता है कि अपराधी और भ्रष्टाचारी भी वोटर है। चुनाव में एक वोट का महत्व है। जनता को दिगभ्रमित करने के लिए चुनाव से पहले भारी संख्या में अधिकारियों की बदली कर दी जाती है। बदली कर देने से क्या अपराध रुक सकता है। सरकार अपराध रोकना चाहे तो पुलिस की बदली की जरूरत नहीं है। सबसे पहला काम है कि सरकार सख्त आदेश दे कि एक भी निर्दोष व्यक्ति जेल नहीं जाए, निर्दोष को जेल भेजने वाले को जेल भेजेंगे। दूसरा अपराध में इस्तेमाल होने वाले हथियार को बरामद करना ही होगा साथ ही हथियार निर्माण स्थल का भी उद्‌भेदन करना होगा। तीसरा आदेश कारतूस उपलब्ध कराने वाले को भी उद्वेदन करना होगा? यह आदेश जारी होते ही 90 प्रतिशत अपराध में कमी आ जाएगी।

वैज्ञानिकों ने अपराध रोकने के लिए नार्को टिक्स मशीन बनाया, वैज्ञानिकों द्वारा निर्माण किया गया मशीन से सभी कार्य सरकार लेती है। उसी प्रकार यह मशीन से भी काम लेना चाहिए। भ्रष्टाचार से जुड़े विभाग थाना, प्रखण्ड, अंचल, आगंनबाड़ी, शिक्षा विभाग आदि को सरकार आदेश जारी कर दे कि साल में एक बार नार्को टिक्स करवाना होगा। यह आदेश जारी होते ही भ्रष्ट अधिकारी 50 प्रतिशत से ज्यादा लोग नौकरी से त्याग पत्र देकर भागेगा। नार्को टिक्स मशीन लागू होने से सिर्फ इमानदार व्यक्ति ही नौकरी में जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता यादव जी का मानना है कि यदि ऐसे कदम बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उठाते हैं तो उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगी।

होम्योपैथी में है हार्निया का कारगर दवा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ नगर मंडल उपाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा। मुख्य अतिथि डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल। संचालन शोभा पटेल। मुख्य अतिथि ने कहा कि हर्निया होने के मुख्य दो कारण होते हैं। सहज कारण और जन्मोत्तर कारण । इसका परिचय इस प्रकार है। सहज कारणों में अन्ड ग्रंथि का उदर गुहा से वृषण में देर से उतरता है। उदर में वृषण तक के मार्ग का पूर्णता अवरुद्ध न होना। उदर प्राचीन मांसपेशी का कमजोर होना।

डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि हर्निया की परिभाषा करते हुए लिखा है कि कोई भी अंग असामान्य रूप से अपने स्थान से हटकर अपनी दीवार के किसी कमजोर स्थान को तोड़कर बाहर निकल कर अन्य स्थान पर चला जाए तो उसे हार्निया कहेंगे। इस प्रकार शरीर में अन्य स्थानों पर कई प्रकार की हानियां होते हैं लेकिन सबसे ज्यादा आंत की हार्निया होता है।

❖ **होमियोपैथी चिकित्सा :-**

☞ जो व्यक्ति मोटे शरीर के रोगी होते हैं उनके लिए कैल्केरिया कार्ब 30 सबसे उत्तम दवा है। एक बूंद तीन बार रोज लेना है।

☞ यदि दाहिने तरफ के अंडकोष में आंत उत्तरी हो और दाहिनी जाघं में चुभन होती हो तो लाइकोपोडियम 30 सबसे उत्तम दवा है। एक बूंद तीन बार रोज।

☞ बाएं तरफ के हर्निया के लिए उपयोगी है। सुबह उठने पर पेट की परत जहां से छोटी आंत अंडकोष में उतर सकती है वहां बांई जाघ के पास कमजोरी का अनुभव हो तो नक्स बोमिका सुबह-शाम लेना चाहिए।

☞ यदि अत्यधिक कब्ज के कारण हर्निया हो तो प्लमबम मेटालिकम सबसे उत्तम दवा है। एक बूंद तीन बार रोज लेना चाहिए।

☞ बच्चों में बायी ओर का हार्निया हो उल्टी तथा खट्टा दुर्गंध आती हो ,शरीर से भी खट्टा दुर्गंध आती हो दांत खट्टे हो तो सल्फ्यूरिक एसिड की 30 शक्ति की सुबह शाम लेना चाहिए।

☞ नाविक एवं जल सेना के जवानों में हुए हर्निया के जवानों के लिए सबसे बेहतर दवा का काकुलस इंडिका 30 एक बूंद तीन बार रोज लेना चाहिए।

☞ यह हर्निया साइकिल और घुड़सवारी करने वालों को अधिकतर होता है। इन लोगों को होने वाले हर्निया रोग के लिए सर्वोत्तम दवा है हिपर सल्फर 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ पेट फूलना और नाभी के चारों ओर काटने की तरह दर्द में बेलाडोना 30 सबसे बेहतर दवा है।

☞ भारी चीज उठाने या जोर लगाने से हर्निया होने के कारण में सबसे बेहतर दवा रस टॉक्स 30/200 है।

☞ वृद्ध व्यक्तियों की हर्निया में सबसे बेहतर दवा है पियुट्टरी 30/200/1 00 0 । कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से इस्तेमाल करें। इस अवसर पर रेखा शर्मा सीमा कुमारी पूजा कुमारी अंकुश कुमार, अनीश कुमार ,ममता पटेल, अनामिका पटेल, शीला पटेल, मिल्ली पटेल आदि शामिल हुए।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

शर्बत विक्रेता हत्याकाण्ड का खुलासा

पति को रास्ते से हटाने के लिए पत्नी ने रची साजिश

● श्रीकान्त कुमार श्रीवास्तव

बीते जून में मसौढ़ी थाना के श्रीराम जानकी ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में शर्बत ठेला लगाने वाले दुकानदार राजेश चौधरी की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। इस सनसनीखेज वारदात के महज दो दिनों के भीतर ही मसौढ़ी पुलिस ने मामले का उद्‌भेदन कर सभी आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की जांच में लगी पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर एक ऐसी प्रेम कहानी को उजागर किया जिसमें पत्नी प्रेम में अंधी होकर इतना क्रूर बन गयी कि प्रेमी संग मिलकर अपने ही पति की हत्या की साजिश रच दी थी। सिटी एसपी पूर्वी ने एस.डी.पी.ओ. कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उक्त घटना की पूरी जानकारी दी। पुलिस टीम की जांच में सामने आया कि

☞ शर्बत विक्रेता कांड का पुलिस में किया खुलासा, 5 गिरफ्तार।
☞ संपत्ति बेचकर ससुराल जाना बना हत्या का कारण।
☞ 20 हजार में तय हुई सुपारी।

चौधरी की पत्नी ममता देवी का प्रेम संबंध मसौढ़ी थाना क्षेत्र के कैलूचक निवासी मो० सुगन के पुत्र 20 वर्षीय लकी कुमार से था। दोनों के बीच करीब एक साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। पति राजेश को रास्ते से हटाने के लिए ममता और लकी ने मिलकर हत्या की साजिश रची। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मसौढ़ी डी.एस.पी. (1) नम वैभव के नेतृत्व में बनी पुलिस टीम ने मात्र दो दिनों में इस हत्याकांड का खुलासा किया। इस टीम में मसौढ़ी थानाध्यक्ष अनिल कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक उत्तम झा, आलोक कुमार और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि यह हत्या पूर्व नियोजित थी और इसमें पत्नी की सक्रिय भूमिका रही और उसने ही पति को मौत के अंजाम तक पहुँचाया। पुलिस अब

मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में ले जाकर स्पीडी ट्रायल के तहत जल्द सजा दिलाने की तैयारी में है।

बताते चले कि लकी कुमार अपनी प्रेमिका ममता देवी से मिलने उसके घर पर गया। पुलिस पहले से ही बाज की तरह नजर रखी हुयी थी। जैसे ही लकी कुमार अपनी प्रेमिका ममता देवी से मिलने उसके घर पहुँचा। बिना देर किए जल्दी से पुलिस ने छापा मारकर ममता और लकी दोनों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में दोनों संलिप्तों ने साजिश की पूरी कहानी पुलिस को बता दी। जाँच के दौरान जब पुलिस ने ममता देवी से मोबाइल नंबर पूछा तो उसने कहा कि उसके पास मोबाइल नंबर नहीं है? लेकिन जब पुलिस ने उसके 11 वर्षीय बेटे से पूछा तो उसने बताया कि मोबाइल पापा के नाम पर है, लेकिन मां ही इस्तेमाल करती हैं। बच्चों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने नंबर निकाला और सीडीआर खंगाला, जिसमें प्रेमी लकी से बाद अनेकों बार बातचीत, लोकेशन और कॉल डिटेल्स में साजिश के साक्ष्य मिल गए।●

राम अवतार मार्केट में नया चिकित्सा केन्द्र शुरू

● श्रीकान्त कुमार श्रीवास्तव

हनुमान नगर स्थित राम अवतार मार्केट में रविवार को मेडिमातृत्व एवं सर्जरी क्लीनिक की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें जेनरल एवं कैंसर सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. पी. कुमार और स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वेता सिन्हा ने साध्य एवं असाध्य रोगों को लेकर विस्तार से जानकारी दी। दोनों डॉक्टरों ने बताया कि बढ़ती बीमारियों के बीच समय पर जांच और सही इलाज से जटिल रोगों पर काबू पाया जा सकता है।

डॉ. पी. कुमार ने कहा कि लोगों को अपनी दिनचर्या और खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां भी शुरुआती चरण में पकड़ में आ जाएं तो इलाज संभव है। वहीं, डॉ. स्वेता सिन्हा ने महिलाओं में बढ़ती बच्चेदानी से जुड़ी बीमारियों, डिलेवरी और सिजेरियन ऑपरेशन से संबंधित समस्याओं पर चर्चा करते हुए बताया कि ग्रामीण इलाकों में अब भी सही जानकारी की कमी से कई बार स्थिति गंभीर हो जाती है। ऐसे में समय पर परामर्श जरूरी है। क्लीनिक के व्यवस्थापक श्रीकांत श्रीवास्तव ने बताया कि मसौढ़ी जैसे अर्ध-शहरी इलाके में कम खर्च में विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवा शुरू की गई है, जिससे आसपास के गांवों के लोग भी लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि यहां डिलेवरी, सिजेरियन, हर्निया, हाइड्रोसील, पथरी, बवासीर, भगंदर व गांठ की सर्जरी जैसी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही मरीजों को इलाज के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।●

समय पर जांच और जागरूकता से कैंसर जैसे रोगों पर काबू पाया जा सकता है।
-: डॉ. पी. कुमार, कैंसर सर्जरी विशेषज्ञ

महिलाओं की बीमारियों को लेकर अब भी झिझक है, जागरूकता से बेहतर समाधान संभव है।
-: डॉ. स्वेता सिन्हा, स्त्री रोग विशेषज्ञ

काको बी.डी.ओ. का बी.एल.ओ. पर शोषण

● त्रिलोकी नाथ प्रसाद

सुशासन बाबू के सरकार में राम राज आ चुका है। ऐसा सरकार के तरफ से दावा किया जा रहा है लेकिन विपक्ष इस राज को महाजंगलराज की उपाधि दे रहा है क्योंकि हाल ही में पारस अस्पताल में जिस तरह खुलेआम पाँच अपराधियों द्वारा पिस्टल लेकर अस्पताल में घुसकर निर्मम हत्या कर दी जाती है। वह खुलेआम प्रशासन एवं पुलिस व्यवस्था के लिए आम चुनौती है। अधिवक्ता जिन्हें न्याय का मसीहा कहा जाता है, उनकी भी निर्मम हत्या खुलेआम पटना शहर में किया जाता है। यह कैसी चुस्त और दुरुस्त कानून व्यवस्था है, जहाँ अपराधियों का इतना मनोबल बढ़ा हुआ है कि उन्हें कानून का तनिक भी डर नहीं है। सुशासन बाबू के सरकार में अफसरशाही चरम सीमा पर है। आखिर काको के पूर्व बी.डी.ओ. संजीव कुमार एवं डी.सी.एल.आर. पर कौन लगाम लगायेगा, जिन्होंने अपने पद का काफी दुरुपयोग किया एवं बी.एल.ओ. को इतना प्रताड़ित किया कि बात पाली थाना तक पहुँच गया। बी.एल.ओ. द्वारा बॉन्ड भरवाकर जबरन अपने अफसरशाही का डंका बजवाया। संजीव कुमार बी.डी.ओ. की सांठगांठ स्थानीय नेताओ से इतना बढ़ा हुआ था कि बी.एल.ओ. द्वारा तीन बार डी.एम. जहानाबाद के पास आवेदन देने के बावजूद एवं अनेको बार खुद बी.डी.ओ. संजीव कुमार को आवेदन देने पर उनको बी.एल.ओ. कार्यभार से मुक्त नहीं किया गया, लेकिन जब पैसा बी.डी.ओ. संजीव कुमार, डी.एस.एल.आर. के टेबुल पर पहुंचा तब तुरंत उस बी.एल.ओ. को कार्यभार से मुक्त कर दिया जाता है। आखिर एक शिक्षक को जबरन पैसा देने पर मजबूर इस अफसरशाही ने बनाया। यह सत्य है कि घूस देना एवं लेना कानूनी अपराध है लेकिन यह किसी से छिपा नहीं है कि अरविंद देव (शिक्षक) जो काको प्रखंड में कार्यरत थे, उन्होंने पैसा लेकर बी.एल.ओ. शिक्षक का मानसिक, शारीरिक, आर्थिक शोषण किया। हाल ही में पटना हाईकोर्ट के जज माननीय जस्टिस राज रॉय स्पष्ट कहा था कि बी.डी.ओ. स्थानीय नेताओं से मिलकर अपने पद का काफी दुरुपयोग करते हैं। शिक्षक का कार्य बच्चों को पढ़ाना है ना कि गैर शैक्षणिक कार्य करना। लेकिन एक बी.एल.ओ. को इतना बाध्य कर दिया जाता है कि उसे पुलिस थाना पहुँचा दिया जाता है। वह भी इसलिए कि वह बी.एल.ओ. कार्य कर पाने में असमर्थता जता रहा था। लेकिन ब्लॉक स्टॉफ अरविंद देव को 10,000 रुपया देने पर बी.डी.ओ. संजीव कुमार एवं तत्कालीन डी.सी.एल.आर. द्वारा उनके जगह दूसरे बी.एल.ओ. को नियुक्त किया जाता है। वह बी.एल.ओ. इतना मानसिक प्रताड़ना का शिकार हो जाता है कि उसे डॉ० गोपाल कुमार सिन्हा (न्यूरो) के द्वारा मानसिक अवसाद का दवा कई महीनो तक खाना पड़ता है। आखिर यह राम राज है, जहाँ एक गरीब, कमजोर शिक्षक का कोई सुनने वाला नहीं है बल्कि उसको जान मारने का भरसक प्रयास किया जाता है। इस व्यवस्था को कौन बदलेगा? इसका उत्तर शायद नहीं है इस सुशासन बाबू नीतिश सरकार के पास! बी.डी.ओ. संजीव कुमार पदाधिकारी बनने से पहले शिक्षक ही थे, लेकिन अब पदाधिकारी बनने के बाद शिक्षक की मर्यादा एवं सम्मान को ताड़ताड़ करने में लगे हैं। ऐसे संवेदनहीन पदाधिकारी से हम क्या आशा कर सकते हैं कि सरकार द्वारा योजनाओं को ईमानदारीपूर्वक जनता तक पहुँचाते होगे। बी.एल.ओ. में बहाल ज्यादातर शिक्षक राजनीतिक एजेंटों के रूप में ही काम कर रहे हैं। हाईकोर्ट भी इस मामले में साफ साफ कह चुका है कि जबरन शिक्षक से बी.एल.ओ. का कार्य न करवाया जाए। शिक्षको को गैर शैक्षणिक कार्य में न लगाया जाए। फिर भी पदाधिकारियों द्वारा जबरन एवं मनमाने ढंग से शिक्षकों से ही बी.एल.ओ. कार्य करवाया जा रहा है। शिक्षक का कार्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। उन्हें अपना समय पढ़ने और पढ़ाने में देना है ना कि मुखिया और पदाधिकारियों के दलाल के रूप में कार्य करके अपने शिक्षक की गरिमा को धूमिल करना है।●

विश्व में शान्ति स्थापित करने की क्षमता सिर्फ सनातन धर्म में

● प्रो० रामजीवन साहु

सनातन धर्म विशुद्ध रूप से विज्ञान पर आधारित है.यही कारण है कि प्रत्येक उत्सव और त्योहार प्रतिवर्ष ठीक उसी वातावरण और मौसम में मनाया जाता है, जिस वातावरण में गत वर्ष मनाया गया था. इस धर्म का सभी त्योहार और अन्य क्रियाकलाप पृथ्वी के गति पर निर्भर है. पृथ्वी की दो गति है.पृथ्वी लगभग 24 घंटे में अपने अक्षर पर एक बार घूम जाती है, तो इसे दैनिक गति कहते हैं. दैनिक गति के कारण दिन और रात होती है.पृथ्वी अपनी अक्ष पर घूमती हुई लगभग 365 दिन में सूर्य के चारों ओर एक बार घूम जाती है, तो इसे वार्षिक गति कहते हैं. वार्षिक गति के कारण ऋतु परिवर्तन होती है। इसलिए इसके सभी त्योहार और उत्सव सही समय पर होते हैं. इसी आधार पर गर्व से कहा जा सकता है कि विश्व में शांति स्थापित करने की क्षमता सिर्फ सनातन धर्म में है.

सनातन धर्म का चिंतन है कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' अर्थात् इस पृथ्वी पर रहने वाले सभी

मेरा परिवार है.हम इस पृथ्वी को धरती माता भी मानते हैं. जब हम सभी एक ही माता का शंतान हैं , तो विवाद किस बात का. इसका एक अच्छा उदाहरण यह है. 1893 में 11सितम्बर से 27 सितम्बर तक अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन हुआ. उस सम्मेलन में जब सनातनी ध्वज -वाहक युवा संयासी स्वामी विवेकानंद सनातन धर्म के सम्बोधन के लिए खड़े हुए, तो उनके मुखारविंद से पहला वाक्य निकाला 'अमेरिकन सिस्टर एण्ड ब्रदर्स' अर्थात् अमेरिकन बहनों और भाईयों! यह वाक्य सुनते ही सभा कक्ष में खचाखच भरे श्रोताओं ने बहुत देर तक तालियां बजाते रह गये, क्योंकि आज तक अमेरिकन वासी इस तरह का हृदय को छूने वाला शब्द नहीं सुने थे.सभी आश्चर्यचकित थे कि इस युवा संत से हमारा दूर -दूर तक कोई रिश्ता नहीं है,फिर भी मुझे वह अपनी बहन और भाई मानते। अत: सनातनी गर्व के साथ कहता है कि विश्व में शांति स्थापित करने की क्षमता सिर्फ और सिर्फ सनातन धर्म में है।●

जयकांत मिश्रा

जयकांत मिश्रा के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक सिंगापुर और मलेशिया भ्रमण के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी

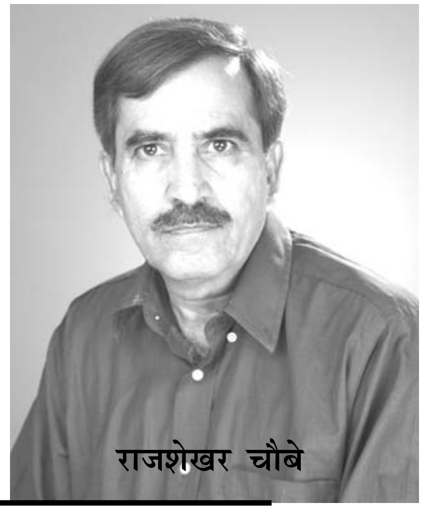
राजशेखर चौबे

● बिन्देश्वरी गुप्ता

भाषा सहोदरी हिंदी न्यास, पंजीकृत न्यास होने का दावा करती है, ने भारत के साहित्यकारों से ठगी कर करोडों रुपए कमा लिए हैं। इस संस्था के मुख्य संयोजक और लाभार्थी जयकांत मिश्रा, नई दिल्ली हैं, जो मूलतया बिहार निवासी हैं।

संस्था द्वारा एक विज्ञप्ति 2024 में निकाली गई, जिसमें मलेशिया सिंगापुर 7 रात व 8 दिन घूमाने का वादा किया गया। एक ऐसी संस्था जो कहीं भी अपना पंजीयन क्रमांक नहीं लिखती है और न ही अपनी संस्था के आय व्यय का ब्यौरा देती है, उसने पहले पंजीयन शुल्क के नाम पर देश के निरीह और कुछ कर गुजरने को बेचैन साहित्यकारों से 5000 रूपये माँगे। स्वाभाविक रूप से यह राशि नाम रिफंडेबल थी।

एक फरवरी 2025 को पंजीकृत सदस्यों को सूचना दी गई कि 4 रात और 5 दिन मलेशिया और 3 रात और 4 दिन सिंगापुर भ्रमण करवाया जाएगा। इसके लिए कुछ लोगों से प्रति व्यक्ति 131500 रूपये और किसी से 134500/- माँगे गए। इसमें होटल, घूमना, ट्रांसपोर्ट, भोजन, फ्लाइट एयर टिकट, वीजा शामिल था। सभी लोगों को अपने खर्च से ही दिल्ली पहुँचना था और वापसी भी दिल्ली से होनी थी। यह राशि जमा करवाने की अंतिम तिथि 10 फरवरी 2025 घोषित की गई। वीजा के लिए ऑरिजिनल पासपोर्ट और 6 माह का बैंक स्टेटमेंट भी माँगा गया।

बैंक जिसमें राशि जमा करनी थी, उसका डिटेल है :-

संस्था	:- भाषा सहोदरी हिंदी
बैंक	:- केनरा बैंक
पता	:- मयूर विहार-1, नई दिल्ली।
खाता क्रमांक	:- 280110 1009560
IFSC कोड नम्बर	:- CNRB0002801

जयकांत मिश्रा जी को मुख्य संयोजक बताया गया। 'भाषा सहोदरी सिंगापुर मलेशिया ग्रुप 2025' के नाम से एक नया व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया।

24 फरवरी 2025 को इस व्हाट्सएप ग्रुप पर सूचना डाली गई कि मलिंडो एयरलाइन से 2 जून को रात 10 बजे दिल्ली से कुलालांपुर जाएंगे और 10 जून को शाम 6:00 बजे कुलालांपुर से दिल्ली वापसी करेंगे। मलेशिया से सिंगापुर बस से यात्रा होगी। यह भी बताया गया कि सबकी सीट फ्रीज कर दी गई है। पहले पैसा जमा करने की अंतिम तिथि 10 फरवरी थी, परंतु अब भी (3 मार्च 2025) तक नए सदस्यों को बुलाया जा रहा था।

15 मार्च को सिंगापुर वीजा के लिए आवश्यक दस्तावेज माँगे गए, जो कि अंतिम तिथि 25 मार्च 2025 तक भेजने थे। 30 मार्च को सूचना डाली गई कि 70 लोगों के दस्तावेज पहुँच गए हैं, किन्तु 15 लोगों के नहीं मिले; यानी 85 लोगों से उन्हें 136500×85 = 11602500 (एक करोड़ सोलह लाख दो हजार पाँच सौ) रुपए मिल चुके थे। जयकांत मिश्रा अपनी बेटी की शादी में 25 अप्रैल 2025 को बक्सर, बिहार जाने वाले थे। अत: धमकाकर दस्तावेज जल्दी माँगे गए। बाद में उन्होंने अवधेश टूर एंड ट्रेवल्स का नंबर साझा किया, जिन्हें मलेशिया सिंगापुर का सारा प्रबंध करना था। जिन लोगों ने दस्तावेज पहले नहीं भेजी थी, उनके लिए 15 मई को सूचना डाली गई कि वीजा के लिए अलग से फोटो भेजें। इसके लिए अंतिम तिथि दी गई 16 मई 2025 ।

17 मई को सूचना डाली गई कि वीजा के लिए केवल 26 लोगों ने ही फॉर्म भरा है। जयकांत मिश्रा जी की बड़ी बेटी अनामिका की शादी 25 अप्रैल 2025 को संपन्न हुई।

अब, 18 मई 2025 को उनकी छोटी बेटी वर्तिका मिश्रा, भाषा सहोदरी सिंगापुर मलेशिया ग्रुप-2025 व्हाट्सएप समूह में टूर एंड ट्रैवल कंपनी वाले अवधेश जी को जोड़ती है। वह भी एडमिन बनाकर।

19 मई को जयकांत मिश्रा को कोविड की याद आती है और वे समूह में सिंगापुर में कोविड के असर का समाचार साझा करते हैं। हम सब उनकी साजिश को समझ पाते, तब तक देर हो चुकी थी। 21 मई 2025 को अवधेश ने एक सूचना नहीं, आदेश डाला; जो कि सबके ऊपर बाध्यकारी था कि कोविड की वजह से सिंगापुर ट्रिप रद्द किया जा रहा है और अब आपको 3 से 10 जून तक केवल मलेशिया में ही रहना होगा। हम सभी सदस्य ठगे जाने पर हताश और निराश थे, लेकिन हम कर भी क्या सकते थे? हमारा पासपोर्ट उनके कब्जे में था। जयकांत मिश्रा ने कुछ लोगों से 136500 रूपये तथा कई लोगों से 139500 रूपये जमा करवा चुके थे। उनके अनुसार यह पैसा भी नॉन रिफंडेबल था। उनके व्हाट्सएप ग्रुप में केवल एडमिन ही संदेश डाल सकते थे। इस समूह में एडमिन थे- जयकांत मिश्रा, उनकी बेटी वर्तिका मिश्रा और उनके टूर एजेंट अवधेश। हम वहाँ भी विरोध दर्ज नहीं कर सकते थे। किसी भी सदस्य से कोई सलाह नहीं ली गई और उन्होंने जो भी सलाह उन्हें फोन या पर्सनल व्हाट्सएप पर दी, वह नहीं मानी गई। उन्होंने एक तरफा निर्णय हम लोगों पर थोप दिया था।

✯ सभी सदस्यों के सलाह निम्नलिखित थे, जो कि आसानी से अमल में लाए जा सकते थे :-

☞ यदि सिंगापुर में कोरोना है तो इस टूर का समय आगे बढ़ा दिया जाए या इस टूर को रद्द कर कुछ खर्चा काटकर रिफंड दे दिया जाए।

☞ केवल मलेशिया की 4 दिन की यात्रा रखी जाए और बाकी पैसा रिफंड दे दिया जाए।

इस समूह का एक भी सदस्य इस यात्रा के लिए सहमत नहीं था, परंतु उनकी

मजबूरी थी। क्योंकि संस्था ने घोषित कर दिया था कि नहीं जाने पर एक भी पैसा रिफंड नहीं दिया जाएगा। सबसे बड़ी ठगी का यह प्रमाण था कि हर एक सदस्य को फोन पर यही बताया गया कि बाकी सभी सदस्य तैयार हैं, केवल आप ही तैयार नहीं हो रहे हैं, जबकि कोई भी तैयार नहीं था।

इस टूर में दूसरी अनेक अनियमिताएं भी पाई गई :-

☞ सात लोग जिन्होंने 136500 जमा कर दिए थे, परंतु किसी कारणवश नहीं जा सके, उन्हें कुछ भी रिफंड नहीं किया गया।

☞ दो-तीन वर्ष के बच्चों के भी पूरे पैसे वसूले गए।

☞ एक ही परिवार के तीन लोगों को एक ही कमरा दिया गया।

☞ मुंबई से भी कुलालांपुर की रेगुलर फ्लाइट है और किराया भी दिल्ली फ्लाइट जितना ही है, फिर भी मुंबई और महाराष्ट्र के लोगों को दिल्ली बुलाया गया और वहीं पर छोड़ा गया। इन सभी को 10000 से 15000 रूपये अलग से लगे जबकि इसी टूर में कुछ लोगों की फ्लाइट टिकट मुंबई से कुआलालंपुर बुक की गई थी।

☞ टूर ऑपरेटर / मैनेजर अवधेश भी चार दिन बाद भाग खड़ा हुआ।

☞ वहाँ हमारी समस्या सुनने वाला कोई नहीं था।

☞ अंतिम दिन, कुछ लोगों को होटल में ही छोड़ दिया गया। उन्हें अपने खर्चे, 20 रिंगिट यानी लगभग 2100 रूपये खर्च कर खाना खाने वाले होटल तक आना पड़ा।

यह सर्वविदित है, साहित्य समाज का दर्पण होता है। यह बात आज भी सही है। समाज में जितनी ठगी है, उतनी ही साहित्य में भी है। भाषा सहोदरी हिंदी ने जितने पैसे लिए और जैसा टूर करवाया उससे प्रति व्यक्ति उनकी आय 70000 रूपये से कम नहीं हुई होगी। साथ ही जो सात लोग नहीं गए उनका लगभग पूरा पैसा बच गया। इस तरह इस साहित्यिक समूह भाषा सहोदरी संस्था के संस्थापक व अध्यक्ष जयकांत मिश्रा ने हिन्दी के उन्नयन और विकास के नाम पर हिन्दी साहित्यकारों को धोखा देकर 50 लाख से करोड़ों रुपए तक अधिक ठग लिए। साथ ही यह यथार्थ से परिपूर्ण संदेश भी पूरे देश में एक साथ फैल गया कि सिंगापुर के नाम पर ब्राह्मण कॉलोनी एवं वीजा देने के नाम पर सभी लोगों से साहित्य का मुखौटा लगाकर ठगने वाले इन भाषा सहोदरी हिंदी जैसे संस्थानों और जयकांत मिश्रा जैसे ठगों से हम सबको सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा हम समाज और देश का मार्ग कैसे प्रशस्त कर सकेंगे?

उल्लेखनीय है, इस संबंध में रायपुर, छत्तीसगढ़ थाने में डॉक्टर जय नाथ मिश्रा के द्वारा की गई धोखाधड़ी के विरुद्ध डॉक्टर शरदेंदु झा के द्वारा एफ.आई.आर. भी दर्ज किया गया है, जिसकी प्रतिलिपि संलग्न की गई है। अन्य सभी पीड़ित सदस्यों में भी कड़ा रोष व्याप्त है, जिसमें

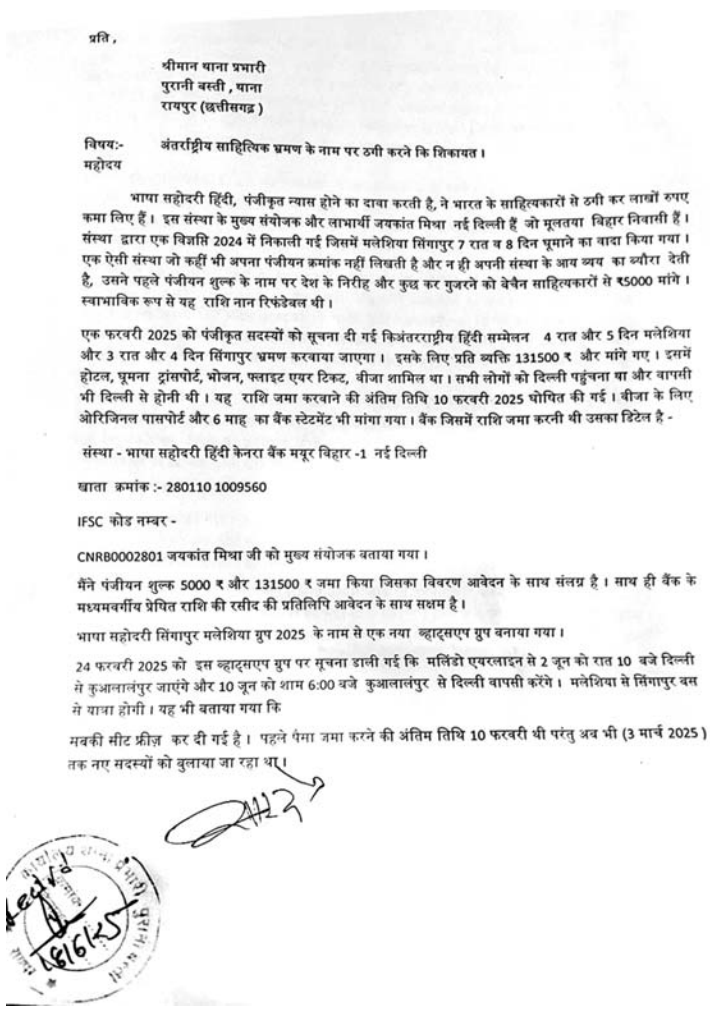

प्रति,

श्रीमान थाना प्रभारी
पुरानी बस्ती, थाना
रायपुर (छत्तीसगढ़)

विषय:- अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक भ्रमण के नाम पर ठगी करने कि शिकायत।

महोदय

भाषा सहोदरी हिंदी, पंजीकृत न्यास होने का दावा करती है, ने भारत के साहित्यकारों से ठगी कर लाखों रुपए कमा लिए हैं। इस संस्था के मुख्य संयोजक और लाभार्थी जयकांत मिश्रा नई दिल्ली हैं जो मूलतया बिहार निवासी हैं। संस्था द्वारा एक विज्ञप्ति 2024 में निकाली गई जिसमें मलेशिया सिंगापुर 7 रात व 8 दिन घूमाने का वादा किया गया। एक ऐसी संस्था जो कहीं भी अपना पंजीयन क्रमांक नहीं लिखती है और न ही अपनी संस्था के आय व्यय का ब्यौरा देती है, उसने पहले पंजीयन शुल्क के नाम पर देश के निरीह और कुछ कर गुजरने को बेचैन साहित्यकारों से ₹5000 मांगे। स्वाभाविक रूप से यह राशि नान रिफंडेबल थी।

एक फरवरी 2025 को पंजीकृत सदस्यों को सूचना दी गई किअंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 4 रात और 5 दिन मलेशिया और 3 रात और 4 दिन सिंगापुर भ्रमण करवाया जाएगा। इसके लिए प्रति व्यक्ति 131500 ₹ और मांगे गए। इसमें होटल, घूमना ट्रांसपोर्ट, भोजन, फ्लाइट एयर टिकट, वीजा शामिल था। सभी लोगों को दिल्ली पहुंचना था और वापसी भी दिल्ली से होनी थी। यह राशि जमा करवाने की अंतिम तिथि 10 फरवरी 2025 घोषित की गई। वीजा के लिए ओरिजिनल पासपोर्ट और 6 माह का बैंक स्टेटमेंट भी मांगा गया। बैंक जिसमें राशि जमा करनी थी उसका डिटेल है -

संस्था - भाषा सहोदरी हिंदी केनरा बैंक मयूर विहार -1 नई दिल्ली

खाता क्रमांक :- 280110 1009560

IFSC कोड नम्बर -

CNRB0002801 जयकांत मिश्रा जी को मुख्य संयोजक बताया गया।

मैंने पंजीयन शुल्क 5000 ₹ और 131500 ₹ जमा किया जिसका विवरण आवेदन के साथ संलग्न है। साथ ही बैंक के मध्यमवर्गीय प्रेषित राशि की रसीद की प्रतिलिपि आवेदन के साथ सक्षम है।

भाषा सहोदरी सिंगापुर मलेशिया ग्रुप 2025 के नाम से एक नया व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया।

24 फरवरी 2025 को इस व्हाट्सएप ग्रुप पर सूचना डाली गई कि मलिंडो एयरलाइन से 2 जून को रात 10 बजे दिल्ली से कुआलालंपुर जाएंगे और 10 जून को शाम 6:00 बजे कुआलालंपुर से दिल्ली वापसी करेंगे। मलेशिया से सिंगापुर बस से यात्रा होगी। यह भी बताया गया कि

सबकी सीट फ्रीज़ कर दी गई है। पहले पैसा जमा करने की अंतिम तिथि 10 फरवरी थी परंतु अब भी (3 मार्च 2025) तक नए सदस्यों को बुलाया जा रहा था।

प्रमुख हैं-कृष्ण मोहन दास, आशा चौधरी, सुजाता शशिकांत मोरे, डॉ० मुदनर दत्ता सर्जेवराव कलपुर्जे, नांदेड़, (महाराष्ट्र), डॉ. बालकृष्ण चोपड़े, अप्पा साहेब सांगली (महाराष्ट्र), डॉ० पाटील, डॉ० अप्पा सारे, नुकाराम पाटील, प्रभात कुमार, डॉक्टर भीत कुमार, अरुण कुमार शास्त्री, नई दिल्ली, डॉ० महेंद्र ठाकुर, डॉक्टर अनीता झा, शरदेंदु झा, राजशेखर चौबे, सभी रायपुर (छत्तीसगढ़), नरेश कुमार शर्मा, वीणा शर्मा, डॉ० अशोक पंड्या, खोडन (महाराष्ट्र), डॉ० बिन्देश्वर प्रसाद गुप्ता, गीता गुप्ता, मोहिनी प्रिया, डॉ० मीना कुमारी परिहार, अरुण कुमार दत्त, सभी पटना, (बिहार), रमेश कुमार सिंह, अनुज कुमार पाठक, मेदनी नगर, (पलामू) झारखंड, प्रमिला सिंह, मोहन लाफ जाकड़, डॉ० मोहन राव देशमुख, पुणे(महाराष्ट्र), प्रो० (डॉ०) श्रद्धा सिंह, वाराणसी (उत्तर प्रदेश), आशा जाकड़, डॉ० अंजुल कंसल कनुप्रिया, इंजीनियर कृष्ण अवतार कंसल, सभी इंदौर, (मध्य प्रदेश), डॉ० कुमकुम कपूर, अलवर (राजस्थान), डॉ० सिंधु मिरचंदानी, डॉ० विनोद श्री राम, अंबड, जिला-जालना (महाराष्ट्र), गीता चौबे गूँज, बेंगलुरु (कर्नाटक) प्रोफेसर जयंत कर शर्मा, करा पृथ्वी, विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) डॉक्टर कुमकुम कपूर, अलवर (राजस्थान), मीना चौधरी गुरुग्राम (हरियाणा), रामकेश मीत, निशा शर्मा, नरेश कुमार शर्मा 'जीव', द्वारका (गुजरात), राजुल अशोक, रानी गुप्ता, अहमदाबाद (राजस्थान), डॉ. राखी सावलानी ,मुम्बई (महाराष्ट्र) , डा. लीलावती गोपी रेड्डी, सिद्दीपेट, (तेलंगाना), गजाधर जैन, प्रो. मनीला रोहतगी, हापुड़ (उत्तर प्रदेश), नारद कुमार, ई. आर. मठवाले, पूर्णा (महाराष्ट्र), डॉक्टर सदुमा तोमर, सुनीता जैन 'रूपम' अजमेर (राजस्थान), बालकृष्ण देवीदास, डॉ. सुरभि दत्ता, हैदराबाद (तेलांगना), डॉ. नाहीद खान, (दुबई), प्रो. रेणू बाला सिंह, डॉ.रजनी रणपिसे, पुणे (महाराष्ट्र), डॉ. वाई. वेंकटलक्ष्मी, विशाखापट्टनम, (आंध्रप्रदेश), डॉ.बलगा सुभा, विजयनगरम, (आन्ध्रप्रदेश), ज्योत्सना कलकल, गुरूग्राम (हरियाणा), डॉ. लीलावती गोलीबारी, प्रदीप कुमार दत्त, हैदराबाद, (तेलंगाना), सुचित्रा चंद्र, नल्लाकूंठा, हैदराबाद, (तेलांगना), डॉ. उषा सिन्हा, सहरसा (बिहार), रेणुबाला सिंह, विजयी राम, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश), डॉ. सरोज मीना, अलवर (राजस्थान), कुसुम जैन, कांकेर (छत्तीसगढ़), मीनाक्षी यादव, नई दिल्ली, यामिनी जोशी, अजमेर (राजस्थान) आदि।● **लेखक व आरोपीकर्ता :- वरिष्ठ साहित्यकार राजशेखर चौबे, रायपुर (छत्तीसगढ़)।**

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से कोई समझौता नहीं : डी.ई.ओ.

● अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह

मगध की धरती डायट सभागार में तीन क्म्व् के एक साथ मिलन वडा सौभाग्य की बात है। गुणवतापूर्ण शिक्ष्घ से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। कार्यक्रम की शुरूआत द्वीप प्रज्जवलीत कर विदाई सह सम्मान समारोह का विधिवत उदघाटन किया गया DEO दीपक कुमार ने कहा की पूर्व DEO दिनेश चौधरी के अधुरे काम को पुरा करेगे इसमे नई ऊजों के साथ सभी कर्मी टीम भावना से कार्य करेंगे और जिले के बच्चो को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने की अपील की ताकी हमारा गरीब दलित वंचित बच्चे समाज को मुख्य धारा में जुड़कर देश के विकास में अपना योगदान दें। और अम्बेदकर के सपनो का भारत बन सके।

बिना स्वार्थ भावना से अच्छी एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुचाने के लिए टीम के साथ मिलकर काम करने की बात नहीं उक्त बाते नये जिला शिक्षा पदाधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने वाले दीपक कुमार ने आयोजित विदाई सह सम्मान समारोह में कही 03.07.2025 गुरूवार को डायट परिसर में जिले से ट्रासफर हुये निवर्तमान जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार चौधरी स्थापना डी0पी0ओ0 तनवीर आलम को शेखपुरा डी0ई0ओ0 प्रोनन्ती दी गई लेखा योजना की पीओ आरती रानी का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जबकि नये जिला शिक्षा पदाधिकारी दीपक कुमार के सम्मान में सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षक संगठन के अधिकारी शिक्षक व कार्यालय के कर्मी अधिकारी मौजूद रहे है। नई जिम्मेदारी को वेहतर तरीके से निभायेगा। इनके अधुरे कार्य को पुरा करेंगे। डीपीओ स्थापना डॉ0 तनवीर आलम को शेखपुरा जिले का जिला शिक्षा पदाधिकारी वनाया गया। उन्होंने कहा कि नवादा जिले में 3 वर्षो से अधिक समय तक काम करने का अवसर मिला। इस दौरान दो डीपीओ के साथ काम किये। पिछले दो सालो का कार्यकाल काफी चुनौतिपूर्ण रहा। इस दौरान तीन चरणों में BPSC के द्वारा शिक्षकों की वहाली प्रक्रिया स्कूलो का इन्फ्रस्टक्चर को मजबूती देने नियोजित शिक्षको को विशिष्ट शिक्षक बनाने के लिए आयोजित सक्षमता परीक्षा का संचालन कराना। शिक्षको को नियमित वेतन भुगतान, प्रमोशन का सही लाभ और शिक्षको की समस्याओं को दूर करने का पूरा प्रयास किया गया। डा0 तनवीर आलम ने विदाई समारोह में भावुक होते हुये कहा कि उनकी पूरी ट्रेनिंग नवादा में हुई। इसका पूरे जीवन गर्व रहेगा उन्होंने नये प्रबंधन को कहा कि वे फिक्सेशन न0 50 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। जबकि शेष काम वाकी है। यह आने वाले अधिकारी के लिए चुनौती पूर्ण रहेगी।

चुनौती पूर्ण समय में ए0सी0एस0 के पाठक ने जिस तरह से टाईम वॉड में वांधकर काम को करने के लिए टास्क देते थे। उसी समय

में पूरे जिले की टीम एक साथ टीम बनाकर काम किया। इसी का नतीजा है कि हमलोगो ने स्टेट में वेहतर परिणाम हमेशा दिखाया। निवर्तमान जिला जिला पदाधिकारी को जन शिक्षा में दिनेश कुमार चौधरी को उप निर्देशक वनाया गया उन्होंने कहा कि हम शिक्षक एवं कर्मी को डाट फटकार लगाते ताकि जिस तरह पत्थर में छेनी हथौड़ी से मुर्ती में आकार देता है ठीक उसी प्रकार शिक्षा में सुधार लाने के लिए हमने यह कदम उठाया था। उन्होंने कहा कि लोगों का सहयोग और साथ मिला। इस दौरान डी0पी0ओ0 मजहर हुसैन ने कहा कि हमलोग सभी मिलकर टिम भावना से कार्य करने बिहार में नवादा अच्छा और भी वेहतर कर सकते है शिक्षक अगर समर्पण भाव से बच्चो को पढ़ायेगा तो मेरा नवादा बिहार में अव्वल आयेगा। डी0पी0ओ0 प्रियंका कुमारी ने सभी शिक्षको को सहयोग की अपील की और टीम भावना से स्कूल में कार्य करने की सलाह दी। डी0पी0ओ0 वर्षा रानी ने भी अपनी विचार रखते हुये सम्मानित अतिथि का साल, वुके व अन्य समाग्री से गुलदस्ते देकर सम्मानित एवं विदाई दी गई।

जिले से जाने वाले सभी अधिकारीयों को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये विदाई दी। नये जिला शिक्षा पदाधिकारी के नेतृत्व में जिला को एक नए मुकान पाले जाने की बात कही कार्यालय में विभिन्न शिक्षा संघ की अधिकारी अशोक सिंह रामजी प्रसाद संजीव कुमार प्रभारी प्रधानाध्यापक अमित कुमार जनार्धन प्रसाद, शिशुपाल कुमार, सुधीर कुमार, प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज कुमार, सतीस कुमार, त्रिशुल कुमार, राजेश कुमार, सहीत सैकड़ो शिक्षक कर्मी और आदि मौजूद थे।●

मशाल से बच्चों का खेल के क्षेत्र में उज्जवल भविष्य संभव : बी.ई.ओ.

● **अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह**

नवादा जिले के अकबरपुर प्रखण्ड में गवर्नमेंट इंटर विद्यालय अकबरपुर मैदान मे दो दिवसीय सी आर सी स्तरीय मसाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन वी ई ओ विदयानंद के नेतृत्व में कार्यक्रम का आगाज द्वीप प्रज्जवललित कर विधिवत फीता काट सुभारम्भ किया गया जिसमें विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार डेरमा प्रभारी प्रधानाध्यापक अमित कुमार नीलमणी, एवं अन्य गणमान्य एवं वृद्धिजीवी लोगो ने संयुक्त रूप से कार्य का सुभारम्भ जन गन राष्ट्रगान के साथ किया गया। क्षेत्र के दर्जनों स्कूल में भाग लिया जिससे डेरमा के लौकांत कुमार में लम्बी कुछ में अब्बल आकर स्कूल प्रखण्ड का नाम जिला में रौशन किया वही लड़की सायकलिंग में द्वितीय स्थान प्राप्त पुनम कुमारी शिक्षको का नाम रौशन किया मशाल बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी खेल प्रतियोगिता मे इसका उदेश्य प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन करना है। उन्होंने कहा कि खेल से तन और मन को स्वस्थ रखता है। पहले लोग कहते थे कि पढोगे लिखोगे तो बनोगे नवाव लेकिन अब जमाना बदल गया खेल कुद में सरकार ने ऐलान किया मेडल लाओं नौकरी पाओ। खेल में भी आप ध्यानचंद, सचीन और विराट कोहली बनकर पूरी दुनिया मे सोहरत कमा सकते है। सरकार खेल कूद मंत्रालय बनाकर सफल बच्चों को नौकरी देने का काम कर रही है। खेल में प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त कर विभिन्न प्रकार के खेलो में सफल वालक वालिकाओं वर्ग में खेल समापन के वाद विजेताओं का मेडल, सटिफिकेट, टीम को ट्रॉफी लेकर सम्मानित किया गया।

कुल 19 सकूल के विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। खेल में वॉलीवाल, फूटवॉल, सायकलिंग, लम्बी कुद कव्वडी में अपना धमखम दिखाया सभी सफल प्रतिभागी पुरस्कार पाकर गद-गद हो गया। खेल 60 मी, 100 मी, 200 मी, 400 का 800 मी दौड़ हुआ क्म्व् दीपक कुमार ने इस कार्यक्रम द्वारा विद्यालयों में खेलकुद को बढ़ावा देने में इस प्रयास की सराहना की और बच्चो को खेल भावना के साथ प्रति र्स्पधा करने के लिए प्रेरित किया गया । इस खेल कव्वडी में कुहिला वनाम डेरमा में 20 और 21 अंक में छल से जीता कुहिला की टीम खेल में U-14 मोनिका कुमारी म0 वि0 डेरमा साइकलिंग, क्रिकेट वोल थ्रो- शिवानी कुमारी इंटर प्राजेक्ट अकबरपुर 100 मी शिवम कुमार U-12 धनराज कुमार U-16 वालिका साइकलिंग प्रथम- सोनम कुमार, प्रोजेक्ट अकबरपुर द्वितीय- पुनम कुमारी उ0 मा0 वि0 डेरमा U-16 सायकिलिंग में आयूष कुमार पचरूखी, द्वितीय- प्रवीण कुमार- पसिया 60- मीटर मुस्कान कुहिला दौड़, 60- न.14 - पवन पासवान नेमदारगंज, द्वितीय सुभव कुमार अकबरपुर, मौके पर - राजधर्म, नागममी, आशिष कुमार धोस, अजीत कुमार, नीरज कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित है।●

मूल अतिपिछड़ा के राजनीतिक हिस्सेदारी को लेकर विधानसभा का घेराव

● अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह

जिले के रजौली अनुमंडल में आजादी के 78 साल वीत जाने के वाद मूल अतिपिछड़ो का राजनीतिक हिस्सेदारी 40 से 45 फिसदी आवादी रहते हुए नही मिल पाई कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका में भागीदारी लगभग शून्य है। 2015 से नीतिश कुमार ने तीन जाति को मूल अतिपिछड़ा में शामिल कर 3 मेयर 8 जिला परिषद अध्यक्ष सर्मत शिक्षका सिपाही दरोगा ठच्ब् एव अन्य प्रतियोगिता परीक्षा में आरक्षण लगभग शून्य हो गया। मूल 110 जाति 24 जूलाई को लाखो की संख्या में पहुचकर इस महा आन्दोलन को सफल बनाने की अपील डा0 रामवली सिंह चन्द्रवंशी ने किया। नीतीश और लालू को सवक सिखाने का समय अपने वोट की चोट से जवाव देगी। 3 प्रतिशत महिला आरक्षण पर उन्होंने कहा कि यह आरक्षण पहले दलित को उसके बाद अतिपिछड़ा को उसके बाद पिछड़ो को मिलना चाहिए लेकिन यह आरक्षण का खेल नीतीश और लालू 1990 से 2025 तक खेलते आ रही है। इतनी बड़ी लगभग 6 करोड़ की आवादी वाला वोटर हाथ पर हाथ देकर बैठा है। जागो अतिपिछड़ो जागो कर्पूरी जी के सपनो का बिहार बनाओ। तेली, तमोली और दांगी को मूल अतिपिछड़ा बर्न से अलग करने सहित पांच सूत्री मांगो के लिए 24 जुलाई गुरूवार को विधानसभा का घेराव की तैयारी को लेकर रविवार को पार साध स्थित

मिनी सिटी में अतिपिछिड़ा समाज को बैठक हुई।

अतिपिछिड़ा संघर्ष मोर्चा के जिला संयोजक प्रमोद चन्द्रवशी ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मूल अतिपिछिड़ा संघर्ष मोर्चा, बिहार के अध्यक्ष हस पूर्व एमएलसी प्रो रामवसी चंद्रवंशी उन्होंने बताया कि अब फैसलों की घड़ी आ गई है। अतिपिछिड़ा के दुश्मनों ने चारो ओर से अतिपिछड़ा वर्ग पर हमला शुरू कर दिया है। अति पिछड़ों के मसीहा भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर को कपटी काकुर करने वाले लालू प्रसाद यादव और 111 मूल अतिपिछड़ो जातियो का हक-अधिकार छीनकर तेली तमोली और दांगी को देने वाले मुख्यमंत्री के खिलाफ अति पिछड़ा आरक्षण बचाओ संधर्ष मोर्चा ने आर पार की लड़ाई की तारीख 24 जुलाई 2025 तय कर ली हे। 5 सूत्री मांगो में हमारी मांगे हे कि तेली, चौरसिया, और दांगी को मूल अतिपिछड़ा जाति की श्रेणी से अगल करो, अतिपिछड़ा पर हो रहे हत्या और बलात्कार को रोकने के लिए एससी/एसटी को तर्ज पर अतिपिछड़ा अत्याचार निवारज कानून बनाओ, पंचागत में 33 प्रतिशत आरक्षण आदि है। मंच संचालन इंटर विद्यालय खनपुरा के सेवानिवृत प्राचार्य अनिल कुमार ने किया। मैके पर दिनेश चंद्रवंशी, हुमायू अंसारी, महफूज आलम, शिवपूजन ठाकुर, भरत चंद्रवंशी शंकर चंद्रवंशी, प्रमोद कुमार के साथ सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

नवादा विधानसभा में चढ़ा सियासी तापमान 2025 में चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने के आसार

● **मिथिलेश कुमार**

2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर नवादा विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियाँ तेज हो गई हैं। मौजूदा विधायक और राजद नेत्री विभा देवी जहां अपनी राजनीतिक स्थिति बचाने में जुटी हैं, वहीं क्षेत्र में कई नए और पुराने दावेदार चुनावी समर में ताल ठोकने को तैयार हैं। अंदरूनी कलह, पार्टी बदलते नेता और जातीय समीकरणों के चलते मुकाबला बहुकोणीय और दिलचस्प बनता दिख रहा है। राजद के पूर्व विधायक राजबल्लभ यादव, जो नाबालिग से दुष्कर्म मामले में सजा काट चुके हैं, उनकी राजनीतिक विरासत अब उनकी पत्नी विभा देवी आगे बढ़ा रही हैं। हालांकि हाल के दिनों में विभा देवी द्वारा पार्टी नेतृत्व पर लगे आरोपों ने राजद को असहज स्थिति में डाल दिया है। उन्होंने तेजस्वी यादव के करीबी नेताओं पर टिकटों और फैसलों में पैसे के लेन-देन का आरोप लगाया था, जिससे पार्टी में अंदरूनी असंतोष खुलकर सामने आया। उधर, जदयू के कद्दावर नेता और पूर्व विधायक कौशल यादव के राजद में शामिल होने से समीकरण और उलझ गए हैं। कौशल यादव की छवि क्षेत्र में मजबूत रही है और वे अपने समर्थकों के साथ राजद में आए हैं। इससे राजद को लाभ भी हो सकता है, मगर पार्टी में गुटबाजी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इस बीच भाजपा और जदयू गठबंधन (NDA) भी इस सीट पर अपना मजबूत प्रत्याशी उतारने की तैयारी में है। पिछले लोकसभा चुनाव में नवादा सीट पर एनडीए का अच्छा प्रदर्शन रहा, और यह देखना रोचक होगा कि विधानसभा स्तर पर वे किसे मैदान में उतारते हैं।

राजनीतिक सरगर्मियों के बीच कांग्रेस के डॉ. के पी सिंह ने भी अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। अति-पिछड़ा वर्ग के समर्थन का दावा करते हुए वे नवादा समेत कई सीटों पर कांग्रेस की उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि गठबंधन में उपेक्षा हुई, तो वे स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेंगे। इसी कड़ी में मॉडर्न शैक्षणिक समूह के निदेशक डॉ. अनुज कुमार ने भी नवादा से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। शिक्षा और विकास को केंद्र में रखकर वे एक वैकल्पिक राजनीति की बात कर रहे हैं। युवाओं और शहरी मध्यवर्ग में उनकी अच्छी पकड़ बताई जा रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में स्वतन्त्र प्रत्याशी सह वर्तमान में राजद के प्रदेश सचिव एवं राजद के टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले श्रवण कुशवाहा को भी कमतर नही आँका जा सकता हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में इन्होंने विभा देवी को कड़ा

विभा देवी

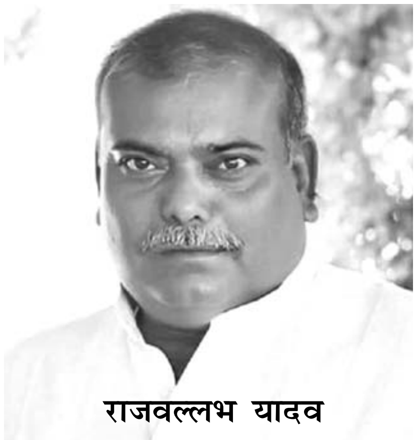
राजवल्लभ यादव

कौशल यादव

टक्कर दिया था। चुनावी समीकरण में श्रवण कुशवाहा नवादा की राजनीति में मजबूत कड़ी के रूपये में मौजूद हैं। राजद के जिलाध्यक्ष उदय यादव भी श्रवण कुशवाहा के करीबी हैं।

जातीय समीकरणों की बात करें तो नवादा में यादव, भूमिहार,कुशवाहा,अति-पिछड़ा और दलित वर्ग की संख्या निर्णायक है। ऐसे में हर दल या प्रत्याशी अपने-अपने जातीय आधार को साधने की कोशिश में है। लेकिन इस बार मुद्दों के इर्द-गिर्द वोटिंग होने की संभावना भी जताई जा रही है, खासकर शिक्षा, स्वास्थ्य और बेरोजगारी को लेकर। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नवादा विधानसभा का चुनाव इस बार केवल दो दलों के बीच नहीं रहेगा। एक ओर जहां राजद अपने गढ़ को बचाने में लगी है, वहीं एनडीए इस क्षेत्र को वापसी के लिए मुफीद मान रही है। इसके अलावा कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी भी समीकरण को उलट-पुलट सकते हैं। जनता की चुप्पी अभी गहराई से सोचने को मजबूर कर रही है। लेकिन एक बात साफ है: नवादा विधानसभा चुनाव 2025 में मुकाबला सिर्फ दलों के बीच नहीं, नेतृत्व, नीतियों और विश्वास की परीक्षा भी होगा। जातीय सर्वेक्षण और स्थानीय मुद्दे-गरीबी, शिक्षा, विकासः जो चुनाव परिणाम प्रभावित करेंगे। इस विश्लेषण के आधार पर नवादा विधानसभा में मुकाबला बहु-धुरीय, रोमांचक और जातीय-विकास के दोराहे पर नजर आता है। चुनाव नजदीक आने पर उम्मीदवारों की अंतिम सूची, गठबंधन, जातिगत समीकरण और स्थानीय मुद्दे निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की विधायक विभा देवी की हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। उनके बयानों ने न केवल राजद के अंदरूनी समीकरणों को प्रभावित किया है, बल्कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए भी नए सवाल खड़े कर दिए हैं। दूसरी ओर, जदयू के पूर्व विधायक कौशल यादव और उनकी पत्नी पूर्णिमा यादव के राजद में शामिल होने से नवादा की राजनीति में नया मोड़ आ गया है!

☞ **विभा देवी की प्रेस कॉन्फ्रेंसः तेजस्वी पर गंभीर आरोप** :- नवादा की राजद विधायक विभा देवी ने 9 जुलाई को तेजस्वी यादव के नवादा दौरे के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें उन्होंने राजद नेता तेजस्वी यादव और उनके करीबियों पर गंभीर आरोप लगाए। विभा देवी ने दावा किया कि तेजस्वी और उनके सहयोगी उनके परिवार की छवि को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार बनाने के दौरान उनसे भारी रकम की मांग की गई थी, जिसे वह देने में असमर्थ थीं। विभा देवी ने अपने पत्र में कहा, 'मैं सम्मान बेचकर राजनीति नहीं करती। मेरे लिए विधायकी तब तक ही महत्वपूर्ण है, जब तक उस पर भ्रष्टाचार का कोई दाग न लगे।' उनकी यह टिप्पणी राजद के अंदरूनी कलह को उजागर करती है। इसके अलावा, 2024 के लोकसभा चुनाव में विभा देवी के भाई विनोद यादव ने राजद के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, जिसके बाद से तेजस्वी और

श्रवण कुशवाहा

डॉ० अनुज कुमार

डॉ० के.पी. सिंह

उनके बीच तनाव की खबरें सामने आ रही थीं।

☞ **कौशल यादव का राजद में शामिल होनाः राजबल्लभ की काट? :-** नवादा में 9 जुलाई को आयोजित एक भव्य मिलन समारोह में तेजस्वी यादव की मौजूदगी में जदयू के पूर्व विधायक कौशल यादव, उनकी पत्नी पूर्णिमा यादव और पूर्व एमएलसी सलमान रागीव ने राजद की सदस्यता ग्रहण की। कौशल यादव, जो चार बार विधायक रह चुके हैं, और उनकी पत्नी पूर्णिमा यादव, जो तीन बार विधायक रहीं, नवादा में एक मजबूत जनाधार रखते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तेजस्वी यादव ने इस कदम से बाहुबली नेता राजबल्लभ यादव और उनकी पत्नी विभा देवी के प्रभाव को कम करने की रणनीति अपनाई है। राजबल्लभ यादव, जो वर्तमान में नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं, और उनके परिवार का राजद में लंबे समय से दबदबा रहा है। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में विभा देवी द्वारा पार्टी लाइन से हटकर निर्दलीय उम्मीदवार विनोद यादव का समर्थन करने के बाद से उनके और तेजस्वी के बीच तनाव बढ़ गया था। कौशल यादव ने मिलन समारोह में नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, 'नीतीश कुमार थके हुए नेता हैं। बिहार में भ्रष्टाचार और अफसरशाही का बोलबाला है।' उन्होंने दावा किया कि नवादा में जदयू का प्रभाव खत्म हो चुका है और राजद आगामी चुनाव में मजबूत स्थिति में होगी।

☞ **एनडीए की रणनीतिः श्वेट एंड वॉचश वाली है :-** नवादा की बदलती सियासी तस्वीर के बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) फिलहाल 'वेट एंड वॉच' की रणनीति पर चल रहा है। नवादा जिले में पांच विधानसभा सीटें हैं-नवादा, गोविंदपुर, हिसुआ, वारिसलिगंज और रजौली। पिछले विधानसभा चुनाव

में राजद ने तीन सीटें (नवादा, गोविंदपुर और रजौली) जीती थीं, जबकि एक-एक सीट भाजपा और कांग्रेस के खाते में गई थी।

इस बार दल-बदल की घटनाओं ने चुनावी गणित को और जटिल कर दिया है। राजद के अंदरूनी कलह ने महागठबंधन की एकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। तेजस्वी यादव पहले से ही चुनाव आयोग और एनडीए पर वोटर लिस्ट से गरीबों के नाम हटाने का आरोप लगाते रहे हैं। अब विभा देवी और रजौली के विधायक प्रकाश वीर जैसे नेताओं के बागी तेवर ने पार्टी के लिए नई मुश्किलें खड़ा कर दी है। हालांकि रजौली और नवादा विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक को 2025 के चुनाव में राजद छोड़ना मंहगा भी पड़ सकता है। क्योंकि राजनीतिक विश्लेषको का मानना है की जिले के पांच विधानसभा सीटों में राजद की स्थिति पूर्व में तीन सीटों पर जीतने एवं वारिसलीगंज सीट पर अपनी दावेदारी ठोकने की स्थिति में राजद का अंतरकलह प्रभावित कर सकता है।

महागठबंधन ने 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए एक साझा मैनिफेस्टो तैयार करने की रणनीति बनाई है, जिसमें महिलाओं को 2500 रुपये मासिक, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, और जातीय जनगणना जैसे लोकलुभावन वादे शामिल हैं। हालांकि, पार्टी के अंदरूनी विवाद इस रणनीति को कमजोर कर सकते है। वैसे कयास लगाया जा सकता है की नवादा की सियासत में कौशल यादव की राजद में एंट्री और विभा देवी की प्रेस कॉन्फ्रेंस ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले एक नया सियासी समीकरण बना दिया है। राजद के लिए यह एक मौका है कि वह अपने जनाधार को और मजबूत करे, लेकिन विभा देवी जैसे नेताओं की नाराजगी पार्टी के लिए चुनौती बन सकती है। दूसरी ओर, एनडीए इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश में है। आगामी महीनों में नवादा की राजनीति और बिहार का सियासी माहौल और रोचक होने वाला है। ●

मनरेगा में गबन और पंचायत में पारिवारिक तानाशाही

दिघलबैंक से भ्रष्टाचार की परतें खुलतीं

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले के दिघलबैंक प्रखंड की सुधान दिघी और जागीर पदमपुर पंचायत से सामने आए ताजातरीन खुलासे ने ग्रामीण विकास योजनाओं की पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। मनरेगा और 15वीं वित्त आयोग जैसी महत्त्वपूर्ण योजनाओं के नाम पर करोड़ों रुपये की बंदरबांट और कागजी खेल का आरोप अब दस्तावेजों और शपथ-पत्रों के सहारे प्रमाणित होने लगा है। वार्ड संख्या-8 के निर्वाचित प्रतिनिधि मोहदीस आलम ने जिलाधिकारी विशाल राज को सौंपे गए आवेदन में आरोप लगाया कि पंचायत की मुखिया शायदा बेगम और ग्राम सेवक प्रेम कुमार ने वित्तीय समिति की सहमति के बिना ही 15वीं वित्त आयोग की योजनाएं पारित कर दीं। सबसे चौंकाने वाला आरोप यह है कि ग्राम सभा की बैठकों में मुखिया स्वयं अनुपस्थित रहती हैं और उनके स्थान पर उनका पुत्र सरफराज आलम फैसले करता है। यही नहीं, मोहदीस का दावा है कि अधिकांश योजनाओं के भुगतान फर्जी हस्ताक्षरों से किए गए हैं। उन्होंने जांच की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि इस गबन पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो जनकल्याणकारी योजनाएं सिर्फ कागजों तक सिमटकर रह जाएंगी। ग्राम पंचायत जागीर पदमपुर के उपसरपंच मोहम्मद नसीम आलम ने पंचायत की मुखिया शायदा बेगम और समिति सदस्य आश्मा खातून पर गंभीर

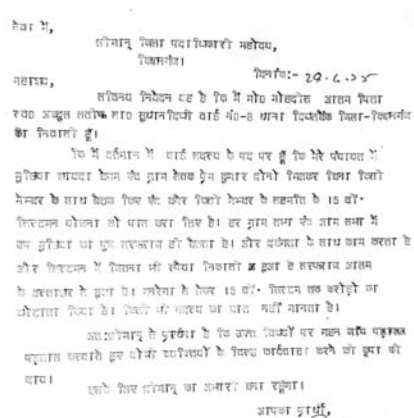

सेवा में,

श्रीमान् जिला पदाधिकारी महोदय,

किशनगंज।

दिनांक:- 20.6.25

महाशय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं मो0 मोहदीस आलम पिता स्व0 अब्दुल लतीफ सा0 सुधानदिघी वार्ड नं0-8 थाना दिघलबैंक जिला-किशनगंज का निवासी हूँ।

कि मैं वर्तमान में वार्ड सदस्य के पद पर हूँ कि मेरे पंचायत में मुखिया शायदा बेगम एवं ग्राम सेवक प्रेम कुमार दोनों मिलकर [illegible] मेम्बर के साथ बैठक किए बिना और [illegible] मेम्बर के सहमति के 15 वीं [illegible] योजना को पास करा लिए हैं। हर ग्राम सभा की आम सभा में [illegible] मुखिया का पुत्र सरफराज ही बैठता है। और [illegible] के साथ काम करता है और [illegible] में [illegible] भी रुपैया निकासी हुआ है सरफराज आलम के हस्ताक्षर से हुआ है। मनरेगा से लेकर 15 वीं [illegible] तक करोड़ों का घोटाला किया है। [illegible] सदस्य का बात नहीं मानता है।

अतः श्रीमान् से प्रार्थना है कि उक्त बिन्दुओं पर [illegible] पदाधिकारी करते हुए दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की कृपा की जाए।

इसके लिए श्रीमान् का आभारी रहूँगा।

आपका प्रार्थी,

मोहदीस

[मो0 मोहदीस आलम]
पिता-स्व0 अब्दुल लतीफ
सा0- सुधानदिघी, वार्ड नं0- 8
थाना-दिघलबैंक,
जिला-किशनगंज।
मो0- 07578111918

सरवरबेगम 13-04-25
मुखिया / समिति सदस्य क्षेत्र स0
ग्राम पंचायत –
ग्राम पंचायत जागीर पदमपुर
प्रखण्ड- दिघलबैंक (किशनगंज)

सेवा में,

DDC Kishanganj

विषय:- ग्राम पंचायत जागीर पदमपुर अंचल दिघलबैंक के अन्तर्गत मुखिया एवं समिति द्वारा फर्जी हस्ताक्षर कराकर मनरेगा योजना का दुरुपयोग करने के सम्बंध मे।

महाशय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं, मो0 नसीम आलम पिता-सैदुर रहमान, साकिन-सुधान दीघी, थाना-दिघलबैंक, जिला-किशनगंज का निवासी हूँ। तथा वर्तमान में पंचायत-जागीर पदमपुर का उपसरपंच हूँ।

कि मेरे पंचायत के मुखिया श्रीमति शायेदा बेगम एवं पंचायत समिति आश्मा खातुन अपना हस्ताक्षर शयादा का हस्ताक्षर उनका बेटा सरफराज और आश्मा का हस्ताक्षर खुद उसका पति डिलर अब्दुल लतीफ करके पंचायत के पी0 आर0 एस0, पी0 ओ0, पी0 टी0 ए0 एवं जय को अपने मेल में लेकर एक ही योजना को दो स्वीकृति कराकर बड़ा रकम गबन कर लिया है। जैसा कि मिट्टीकरण एवं बाँध का काम एक ही वर्ष में एक रोड का दो बार करवा लिया है। इस तरह की कई योजना उसके पास है। स्थान जागीर पदमपुर में मिलता तालाब है उससे दुना तालाब इसी वर्ष दिखाकर फर्जी कागजी निर्माण कर लिया है। कि दिनांक-15.06.2025 को मैं मुखिया एवं समिति से वर्ष 2023-2025 तक सभी कार्यों का पूछताछ किया तो दोनो स्पष्ट रूप से बोले कि सभी पदाधिकारी मेरे हाथ में है और कोई [illegible] उत्तर नहीं दिये और उल्टे मुझे धमकी दिया कि ज्यादा समाज सेवी मत बनो उपसरपंच होने के नाते अपने गाँव समाज के विकास के लिए हमेशा निस्वार्थ भाव से कार्य करता हूँ। लेकिन मुखिया एवं समिति के इस रवैये से समाज के विकास में अनियमितता धोखाधड़ी एवं सरकारी योजना का दुरुपयोग हो रहा है।

अतः श्रीमान् से प्रार्थना है कि यथा शीर्ष वर्ष 2023-25 तक ग्राम पंचायत जागीर पदमपुर मनरेगा के तहत उक्त किये गये कार्यों का जाँच कर संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने की कृपा की जाए।

प्रार्थी
मो0 नसीम

प्रतिलिपि:-
माननीय विकास मंत्री बिहार सरकार
जिला पदाधिकारी, किशनगंज
माननीय मुख्यमंत्री बिहार सरकार पटना।

मो0 नसीम आलम उप सरपंच
ग्राम पंचायत जागीर पदमपुर
पिता-सैदुर रहमान,
साकिन-सुधान दीघी,
थाना-दिघलबैंक,
जिला-किशनगंज।
मो0 नं0-9263346219

का हूँ। सक्षम पदाधिकारी द्वारा प्रदत्त जाति प्रमाण-

सरवरबेगम

अभ्यर्थी का हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

रा जायेगा)

आरोप लगाते हुए कहा कि योजनाओं में फर्जी हस्ताक्षरों से कार्य स्वीकृत कर लाखों रुपये का गबन किया गया है। उपसरपंच के अनुसार, मुखिया के निर्णयों पर उनके पुत्र सरफराज और समिति सदस्य के स्थान पर उनके पति डीलर अब्दुल लतीफ हस्ताक्षर करते हैं। योजनाओं को एक से अधिक बार स्वीकृत करवा कर भुगतान लिया गया। जैसे एक ही सड़क पर दो बार मिट्टीकरण, बांध निर्माण और पुराने तालाब को 'दुना तालाब' बताकर पुनर्निर्माण दिखाना। नसीम का दावा है

कि मनरेगा मजदूरी के नाम पर जिन मजदूरों को भुगतान हुआ, उन्होंने कोई कार्य किया ही नहीं। तमन्ना बेगम, नीमा खातून, रहमानी बेगम, गुलाबी परवीन और सीमा परवीन ने शपथ पत्र देकर बताया कि उनके खातों में पैसा तो आया, लेकिन कोई मजदूरी नहीं की गई। इससे भी अधिक हैरान करने वाला तथ्य यह है कि मनरेगा पोर्टल पर मजदूरों के स्थान पर कुछ छात्रों की तस्वीरें अपलोड कर कार्य स्वीकृत कर लिया गया। यह दिखाता है कि पंचायत और संबंधित अधिकारियों पीआरएस, पीओ, पीटीए और जेई की मिलीभगत से योजनाओं में भारी अनियमितता की गई। उपसरपंच ने शिकायत की प्रतिलिपि डीडीसी, जिलाधिकारी किशनगंज, बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री और मुख्यमंत्री को भी भेजी है। लेकिन अब तक प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस घोटाले में कुछ अफसरों की भी भूमिका रही है? इन घटनाओं से यह साफ झलकता है कि

स्थानीय लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी गहराई तक पैठ बना चुकी है। जहां एक ओर जनप्रतिनिधि जनता के हित में योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार हैं, वहीं वास्तविकता यह है कि इन पंचायतों में सत्ता "परिवार" केंद्रित हो गई है। मनरेगा जैसी योजना, जिसे ग्रामीण भारत में रोजगार का सबसे बड़ा जरिया माना जाता है, अगर ऐसे कागजी खेल और फर्जीवाड़े की शिकार होती रही, तो यह न केवल ग्रामीण समाज का विश्वास तोड़ेगा, बल्कि सरकारी व्यवस्था की नींव को भी कमजोर करेगा।अब पूरा जिला देख रहा है कि क्या जिलाधिकारी विशाल राज इस गंभीर मामले पर त्वरित और निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करेंगे या फिर यह मामला भी बाकी मामलों की तरह सरकारी फाइलों में दफन होकर रह जाएगा? ग्रामीणों की आंखें न्याय की ओर टिकी हैं। और यह प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह न केवल भ्रष्टाचार को उजागर करे, बल्कि ऐसी प्रणाली विकसित करे जिसमें योजनाएं 'जन' से चलें, 'जनता' के लिए चलें, ना कि "परिवार विशेष" के लिए।●

ओवरलोड वाहनों का तांडव जारी, प्रशासनिक उदासीनता से जनता में आक्रोश

● **धर्मेन्द्र सिंह**

किशनगंज–ठाकुरगंज–बहादुरगंज मुख्य मार्ग ओवरलोडेड ट्रकों और भारी वाहनों की धमक से कांप रहा है। नियमों को ताक पर रखकर दिन-रात बेधड़क दौड़ रहे ये वाहन न केवल सड़कों की हालत बद से बदतर कर रहे हैं, बल्कि आमजन की सुरक्षा पर भी सीधा खतरा बन चुके हैं। खासकर स्कूली बच्चों, साइकिल सवारों और दोपहिया चालकों के लिए यह मार्ग अब जानलेवा बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई नाकाफी है। नाम न छापने की शर्त पर एक ग्रामीण ने बताया कि "परिवहन विभाग की नजर सिर्फ ट्रैक्टरों पर है, जबकि एनएच-327 और एनएच-27 पर बड़े ट्रक और कंटेनर धड़ल्ले से दौड़ते हैं, जिन्हें कोई रोकने वाला नहीं है।" सूत्रों की मानें तो इस पूरे

अवैध परिचालन के पीछे एक संगठित इंट्री माफिया सक्रिय है, जो मोटी रकम लेकर ओवरलोड ट्रकों को बेधड़क पास करवा रहा है। इन ट्रकों की कोई नियमित जांच नहीं होती, जिससे न केवल नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं, बल्कि सरकार को भी करोड़ों का राजस्व घाटा हो रहा है। स्थिति यह है कि परिवहन विभाग की कार्रवाई "ऊंट के मुंह में जीरा" साबित हो रही है। स्थानीय जनता विभाग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठा रही है। लोगों का कहना है कि जब तक विभाग की आंखों से "काली पट्टी" नहीं हटेगी, तब तक सड़क सुरक्षा और सरकारी राजस्व दोनों ही खतरे में बने रहेंगे। ठाकुरगंज-बहादुरगंज मार्ग क्षेत्रीय विकास की रीढ़ माना जाता है, लेकिन ओवरलोड वाहनों ने इस मार्ग को अव्यवस्था और भय का प्रतीक बना दिया है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब जागता है और आमजन की सुरक्षा तथा सड़क नियमों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाता है।●

वर्दी के पीछे साजिश : फर्जी दरोगा, असली ईमानदार की कुर्बानी

● धर्मेन्द्र सिंह

जब एक फर्जी दरोगा पूरे थाने में वर्दी पहनकर ड्यूटी करता है और असली ईमानदार पुलिस अफसर उसे बेनकाब करता है तब सवाल सिर्फ कानून व्यवस्था का नहीं, पूरे प्रशासनिक तंत्र की साख का बन जाता है। बिहार पुलिस के अवर निरीक्षक अमलेन्दु कुमार सिंह की कहानी आज एक चेतावनी है। उस व्यवस्था के लिए जो ईमानदारों को संरक्षण देने में विफल होती जा रही है। गौर करे कि दिनांक 26 अगस्त 2021 को बेगूसराय निवासी विक्रम कुमार एक नकली नियुक्ति पत्र के साथ खगड़िया के मानसी थाना पहुंचता है। खुद को "प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक" बताकर वर्दी पहनता है, थानाध्यक्ष दीपक कुमार के सहयोग से गश्ती और छापामारी जैसे कार्यों में शामिल होता है। थाना दैनिकी में उसका नाम दर्ज किया जाता है और पूरे डेढ़ महीने तक वह पुलिस बना रहता है। लेकिन जैसे ही चार असली प्रशिक्षु दरोगा अमरेश, अभिजीत, प्रकाश और रज्जब 8 सितंबर को जिलादेश लेकर थाना में योगदान करते हैं, फर्जीवाड़े की परतें खुलनी शुरू हो जाती हैं। जांच में साफ होता है कि विक्रम कुमार न केवल फर्जी नियुक्त था, बल्कि सोशल मीडिया पर वर्दी में फोटो डालकर अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर रहा था। मानसी थाना कांड सं. 295/21 के तहत वह गिरफ्तार होता है। साथ ही उसका साथी रवि कुमार भी जेल भेजा जाता है।

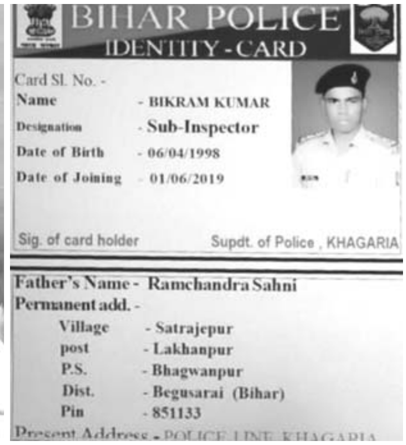

BIHAR POLICE
IDENTITY-CARD

Card Sl. No. -
Name - BIKRAM KUMAR
Designation - Sub-Inspector
Date of Birth - 06/04/1998
Date of Joining - 01/06/2019

Sig. of card holder
Supdt. of Police, KHAGARIA

Father's Name - Ramchandra Sahni
Permanent add. -
Village - Satrajepur
post - Lakhanpur
P.S. - Bhagwanpur
Dist. - Begusarai (Bihar)
Pin - 851133
Present Address - POLICE LINE KHAGARIA

✰ ईमानदार की सजाः अमलेन्दु सिंह की पीड़ा :- फर्जी बहाली का पर्दाफाश करने वाले अमलेन्दु कुमार सिंह को उनकी ईमानदारी की कीमत चुकानी पड़ी। तत्कालीन एसपी अमितेश कुमार और कुछ अन्य अफसरों ने मिलकर उन्हें षड्यंत्र के तहत मानसी थाना कांड सं. 219/22 में झूठे भ्रष्टाचार के आरोप में जेल भेजा। निगरानी न्यायालय भागलपुर ने भले ही स्पष्ट कर दिया कि उन पर भ्रष्टाचार का कोई मामला नहीं बनता लेकिन विभाग ने न केवल उन्हें निलंबित किया, बल्कि उनका जीवनयापन भत्ता भी बंद कर दिया।

मानसी कांड में गवाही देने के बाद अमलेन्दु सिंह पर जानलेवा हमला किया गया। उन्होंने चित्रगुप्त नगर थाना में कांड सं. 54/24 के तहत एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें तत्कालीन एसपी सहित आठ अफसरों को आरोपी बनाया। लेकिन साजिशें यहीं नहीं रुकीं, साक्ष्यों के बावजूद जांच अधिकारी ने आरोपियों को क्लीनचिट दे दी। यह दर्शाता है कि जब अपराधियों को सिस्टम का संरक्षण मिल जाए, तो न्याय तक पहुंच पाना आम आदमी या एक ईमानदार अफसर के लिए असंभव सा हो जाता है। पूरे घटनाक्रम में जिन सवालों ने जन्म लिया है, वे न केवल खगड़िया, बल्कि पूरे बिहार पुलिस विभाग के लिए आईना हैं। बिना नियुक्ति आदेश के कोई व्यक्ति वर्दी पहनकर थाना में कैसे ड्यूटी कर सकता है? थानाध्यक्ष को असली नियुक्ति सूची मिलने के बाद भी फर्जी दरोगा को क्यों नहीं हटाया गया? विक्रम कुमार के खिलाफ कठोर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और सबसे बड़ा सवाल है कि क्या ईमानदारी अब सिस्टम के लिए खतरा बन चुकी है?

✰ आत्मदाह की चेतावनीः दर्द की अंतिम सीमा :- अमलेन्दु सिंह ने स्पष्ट शब्दों में चेताया है कि यदि 19 जुलाई 2025 तक निष्पक्ष जांच का आदेश नहीं हुआ, तो वे 20 जुलाई को प्रधानमंत्री की आमसभा के दौरान आत्मदाह करेंगे। यह केवल एक व्यक्ति की चेतावनी नहीं है, यह उस लोकतंत्र की लाचारी का प्रतीक है, जहां ईमानदारी अब जीवनदायिनी नहीं, बल्कि जीवन संकट बन चुकी है।

✰ अनुशंसाएं और सुधार की राह :-

☞ विक्रम कुमार पर IPC की कड़ी धाराओं में मुकदमा चले।

☞ थानाध्यक्ष दीपक कुमार पर विभागीय कार्रवाई शीघ्र शुरू हो।

☞ सत्यापन प्रणाली को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाए।

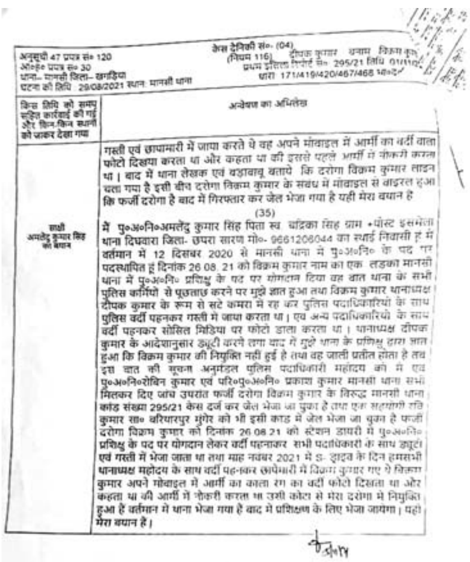

अनुसूची 47 प्रपत्र सं० 120
ओ०हे० प्रपत्र सं० 30
थाना– मानसी जिला– खगड़िया
घटना की तिथि : 29/08/2021 स्थान: मानसी थाना

केस दैनिकी सं०. (04)
(नियम 116) दीपक कुमार बनाम विक्रम कुमार
प्रथम इत्तिला रिपोर्ट सं० 295/21 तिथि 01/11/...
धारा 171/419/420/467/468 भा०द०वि०

किस तिथि को समय सहित कार्रवाई की गई और किन-किन स्थानों को जाकर देखा गया	अन्वेषण का अभिलेख
	गस्ती एवं छापामारी में जाया करते थे वह अपने मोबाइल में आर्मी का वर्दी वाला फोटो दिखाया करता था और कहता था की इससे पहले आर्मी में नौकरी करता था। बाद में थाना लेखक एवं बड़ाबाबू बताये कि दरोगा विक्रम कुमार लाइन चला गया है इसी बीच दरोगा विक्रम कुमार के संबंध में मोबाइल से वाइरल हुआ कि फर्जी दरोगा है बाद में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है यही मेरा बयान है (35)
साक्षी अमलेंदु कुमार सिंह का बयान	मैं पु०अ०नि०अमलेंदु कुमार सिंह पिता स्व. चंद्रिका सिंह ग्राम +पोस्ट इसमेला थाना दिघवारा जिला- छपरा सारण मो०- 9661206044 का स्थाई निवासी हूं मैं वर्तमान में 12 दिसंबर 2020 से मानसी थाना में पु०अ०नि० के पद पर पदस्थापित हूं दिनांक 26.08.21 को विक्रम कुमार नाम का एक लड़का मानसी थाना में पु०अ०नि० प्रशिक्षु के पद पर योगदान दिया वह बात थाना के सभी पुलिस कर्मियों से पूछताछ करने पर मुझे ज्ञात हुआ तथा विक्रम कुमार थानाध्यक्ष दीपक कुमार के रूम से सटे कमरा में रह कर पुलिस पदाधिकारियों के साथ पुलिस वर्दी पहनकर गस्ती मे जाया करता था। एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ वर्दी पहनकर सोसिल मिडिया पर फोटो डाला करता था। थानाध्यक्ष दीपक कुमार के आदेशानुसार ड्यूटी करने लगा बाद में मुझे थाना के प्रशिक्षु द्वारा ज्ञात हुआ कि विक्रम कुमार की नियुक्ति नहीं हुई है तथा वह जाली प्रतीत होता है तब इस बात की सूचना अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महोदय को मैं एवं पु०अ०नि०रोबिन कुमार एवं परि०पु०अ०नि० प्रकाश कुमार मानसी थाना सभी मिलकर दिए जांच उपरांत फर्जी दरोगा विक्रम कुमार के विरूद्ध मानसी थाना कांड संख्या 295/21 केस दर्ज कर जेल भेजा जा चुका है तथा एक सहयोगी रवि कुमार सा० बरियारपुर मुंगेर को भी इसी कांड में जेल भेजा जा चुका है फर्जी दरोगा विक्रम कुमार को दिनांक 26.08.21 को स्टेशन डायरी में पु०अ०नि० प्रशिक्षु के पद पर योगदान लेकर वर्दी पहनाकर सभी पदाधिकारी के साथ ड्यूटी एवं गस्ती में भेजा जाता था तथा माह नवंबर 2021 में S- ड्राइव के दिन हमसभी थानाध्यक्ष महोदय के साथ वर्दी पहनकर छापेमारी में विक्रम कुमार गए थे विक्रम कुमार अपने मोबाइल मे आर्मी का काला रंग का वर्दी फोटो दिखता था और कहता था की आर्मी मे नौकरी करता था उसी कोटा से मेरा दरोगा मे नियुक्ति हुआ है वर्तमान मे थाना भेजा गया है बाद मे प्रशिक्षण के लिए भेजा जायेगा। यही मेरा बयान है।

दैनिक भास्कर 16-05-2024

बेलदौर • चौथम • गोगरी | परबत्ता • मानसी • महेशखूंट dainikbhaskar.com

भास्कर इन्वेस्टिगेशन • अक्टूबर 2021 में आरटीआई कार्यकर्ता ने किया था मानसी थाना में फर्जी दारोगा के पदस्थापन मामले को उजागर

भ्रष्टाचार का कलंक छिपाने के लिए निलंबित एसआई ने एसपी, डीएसपी सहित 9 पदाधिकारी पर लगाया आरोप

दावा : वरीय अधिकारी को दिया था फर्जी दारोगा के पदस्थापन की सूचना, इसलिए 28 जून 2022 को फर्जी केस में मुझे भेजा जेल

हकीकत : 8 माह बाद केस मैनेज के नाम पर विधवा को डेरा पर बुलाकर पैसे मांगने का ऑडियो हुआ था वायरल, शिकायत पर केस

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के आदेश से इनपर प्राथमिकी

खुटिया की महिला ने 28 जून 2022 को दर्ज कराई थी प्राथमिकी

एसआई के जेल भेजे जाने के 8 माह पूर्व धराया था फर्जी दारोगा विक्रम

☞ बिना ऑनलाइन जिलादेश के कोई योगदान मान्य न हो।

☞ सोशल मीडिया पर निगरानी कर वर्दी में फोटो शेयर करने पर नियम तय हो।

☞ अमलेन्दु सिंह की बहाली, भत्ते की अदायगी, और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

✯ **वर्दी कोई नकाब नहीं :-** यह एक जिम्मेदारी, एक भरोसे का प्रतीक है। यदि इस वर्दी को कोई फर्जी दरोगा पहन सकता है और ईमानदार अफसर को जेल जाना पड़े, तो यह केवल एक अफसर की त्रासदी नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की हार है। अगर इस मामले पर भी कार्रवाई नहीं हुई, तो यह समझ लिया जाए कि अब "सच बोलना अपराध" और "ईमानदारी सबसे बड़ा खतरा" बन चुकी है।●

नव नियुक्त सिपाहियों को वितरित किया गया नियुक्ति पत्र

● **धर्मेन्द्र सिंह**

सदर थाना परिसर में 01 जुलाई को आयोजित एक समारोह में पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने नव नियुक्त सिपाहियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने सभी सिपाहियों को नई पारी की शुभकामनाएं दी और कर्तव्य के प्रति निष्ठा और संवेदनशीलता की सीख दी। एसपी सागर कुमार ने कहा, "आज आप सभी अपने पुलिस जीवन की नई शुरुआत कर रहे हैं। यह केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाज की सेवा और न्याय दिलाने का एक महत्वपूर्ण दायित्व है।" एसपी ने सभी नव नियुक्त सिपाहियों से आह्वान किया कि वे अपने प्रशिक्षण काल को सर्वोत्तम बनाने का प्रयास करें। एसपी सागर कुमार ने सिपाहियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस सेवा न केवल एक नौकरी है, बल्कि यह जनसेवा का माध्यम है। उन्होंने सभी नव नियुक्त जवानों को ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्य परायणता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि पुलिस बल में अब बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हो रही हैं और उत्कृष्ट सेवाएं दे रही हैं। एसपी ने सिपाहियों से कहा कि उन्हें विभिन्न प्रशिक्षणों के जरिए खुद को सशक्त बनाना है और हर परिस्थिति में पेशेवर व संवेदनशील रवैया अपनाना है। उन्होंने यह भी बताया कि डिजिटल युग में अब सीसीटीएनएस जैसे तकनीकी प्लेटफॉर्म पर भी पुलिसकर्मियों को दक्षता दिखानी होगी। अपने संबोधन में एसपी ने विशेष तौर पर कहा, "पीड़ित को न्याय दिलाना आपकी पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। समाज आपसे उम्मीद करता है कि आप ईमानदारी, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ काम करेंगे।" एसपी ने सभी नव नियुक्त सिपाहियों से आह्वान किया कि वे अपने प्रशिक्षण काल को सर्वोत्तम बनाने का प्रयास करें। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे। आयोजन के दौरान नव नियुक्त सिपाहियों में उत्साह और गर्व का माहौल देखा गया।●

जन सुराज की बदलाव सभा बनी जन सैलाव का प्रतीक

● **धर्मेन्द्र सिंह**

राजनीतिक रणनीतिकार से जननेता बने प्रशांत किशोर ने बिहार की राजनीति को बदलने का ऐलान जिस बुलंदी से किया था, उसका असर अब जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। किशनगंज जिले के बहादुरगंज प्रखंड अंतर्गत रसल हाई स्कूल मैदान में आयोजित जन सुराज बदलाव सभा में उमड़ी भीड़ ने साफ कर दिया कि जनता अब विकल्प चाहती है और वह विकल्प प्रशांत किशोर की 'जन सुराज' बनती नजर आ रही है।इस परिवर्तन सभा में किशनगंज जिले के सातों प्रखंडों–बहादुरगंज, टेढागाछ, कोचाधामन, दिघलबैंक, ठाकुरगंज, पोठिया और किशनगंज सदर से भारी संख्या में लोग जुटे। सभा स्थल पर पैर रखने की भी जगह नहीं बची थी। ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों की भागीदारी ने कार्यक्रम को एक आंदोलन जैसा रंग दे दिया। आयोजन की सुचारू व्यवस्था के लिए दूर–दराज से आए लोगों के लिए वेज बिरयानी और पीने के पानी का इंतजाम किया गया था, जिसे आयोजकों ने 'सेवाभाव' का हिस्सा बताया।

प्रशांत किशोर ने कहा कि "लालू यादव अपने बेटे तेजस्वी के लिए सोच रहे हैं, नीतीश जी कुर्सी के लिए सोच रहे हैं, लेकिन जनता अब अपने बच्चों के भविष्य के लिए सोचने लगी है।" उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि जनता सिर्फ वोट न दे, बल्कि अपनी राजनीति खुद बनाए। 'जन सुराज' सिर्फ एक पार्टी नहीं बल्कि जनता के हक और आवाज की लड़ाई है। वोटर लिस्ट पुनरीक्षण अभियान को लेकर उन्होंने भाजपा पर सीधा आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि "मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। संविधान सभी को बराबरी का हक देता है। ये नाम काटने की साजिश है ताकि जो भाजपा को वोट नहीं देते, वो सूची से बाहर हो जाएं।" उन्होंने जनता से अपील की कि वे सतर्क रहें और किसी भी साजिश को सफल न होने दें। पूर्व मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल पर मेडिकल कॉलेज घोटाले को लेकर पूछे गए सवाल पर प्रशांत किशोर ने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि "दिलीप जायसवाल खुद को तोप समझ रहे थे। 25 सालों से इलाके में 'भौकाल' बना रखा था। पहला किस्त दे चुके हैं, दूसरा 18 तारीख से पहले जारी होगा। इनका पूरा काला चिट्ठा खोला जाएगा।" उनके इस बयान पर सभा में जोरदार तालियों की गूंज सुनाई दी। सभा में जन सुराज पार्टी के जिलाध्यक्ष मुसब्बिर आलम, शाइस्ता तरन्नुम, रजिया सुल्तान, तारिक अनवर, तौकीर अहमद, निहाल अख्तर, और युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सह मुखिया इकरामुल सहित पार्टी के कई स्थानीय पदाधिकारी मंच पर मौजूद रहे। सभी ने अपने–अपने भाषणों में क्षेत्रीय समस्याओं को रेखांकित किया और जन सुराज के विजन को साझा किया।

❖ क्यों खास रही यह सभा?

☞ **संगठित जनसंपर्क :–** सभा से पहले जिले भर में जनसंपर्क अभियान चलाया गया, जिससे भीड़ जुटाने में सफलता मिली।

☞ **साफ–सुथरी छवि :–** न नारेबाजी, न बवाल, सभा में अनुशासन और मुद्दों की प्रधानता रही।

☞ **युवाओं की भागीदारी :–** बड़ी संख्या में युवा वर्ग सभा में शामिल हुआ, जो आने वाले समय में निर्णायक शक्ति बन सकता है।

जन सुराज की यह सभा महज एक राजनीतिक आयोजन नहीं थी, यह उस बदलाव की शुरुआत थी जिसकी मांग बिहार की जनता दशकों से कर रही थी। यदि प्रशांत किशोर का यह अभियान इसी तरह जनता के मुद्दों को केंद्र में रखकर आगे बढ़ता रहा, तो आने वाले चुनावों में बिहार की सियासत का नक्शा बदलना तय है।●

विकास और व्यवस्था पर मुखिया ने उठाये सवाल

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बरचौंदी के मुखिया प्रतिनिधि बीरेंद्र प्रसाद सिंह ने पंचायत की जमीनी स्थिति को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने वर्ष 2006 में राजनीति में कदम रखा और अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत सरपंच पद की जीत के साथ की। इसके बाद वे मुखिया बने और वर्तमान में मुखिया प्रतिनिधि के रूप में पंचायत के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। बीरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि पहले सरकार 'सात निश्चय योजना' के तहत पंचायतों को समुचित धन आवंटन करती थीं, जिससे गांवों में विकास के कार्य नियमित रूप से होते थे। लेकिन अब सरकार की ओर से उतना बजट नहीं मिलता, जिससे कई विकास कार्य अधूरे रह जाते हैं। उन्होंने पंचायत सरकार भवन के निर्माण पर सरकार द्वारा खर्च किए जा रहे 3 करोड़ रुपये पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि यही राशि गांवों के विकास कार्यों में लगाई जाती, तो पंचायत के हर गांव में प्रभावशाली विकास नजर आता।

☞ **नल जल योजना को बताया असफल :-** मुखिया प्रतिनिधि ने नल जल योजना को पूरी तरह विफल बताया। उन्होंने बताया कि पंचायत में लगभग 20 से अधिक जल प्लांट लगाए गए हैं जिन पर करोड़ों रुपये खर्च हुए, लेकिन उनमें से केवल दो-तीन प्लांट ही सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं। उनका कहना था कि लोगों को इसका

लाभ नहीं मिल रहा है।

☞ **स्वास्थ्य सेवाओं पर भी उठाए सवाल :-** बीरेंद्र प्रसाद सिंह ने ठाकुरगंज के सरकारी अस्पताल की बदहाली पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है और कई जरूरी जांच बाहर से करवानी पड़ती है, जिससे गरीबों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि अस्पताल में सभी प्रकार की जांच की व्यवस्था हो और विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए।

☞ **शिक्षा व्यवस्था पर तीखा प्रहार :-** शिक्षा के मुद्दे पर उन्होंने पंचायत में मौजूद 11 प्राथमिक विद्यालय और एक उच्च विद्यालय की व्यवस्था पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि शिक्षकों पर हर साल लगभग एक करोड़ से अधिक रुपये खर्च होते हैं, साथ ही मिड डे मील, मेंटेनेंस और समिति सदस्य पर भी राशि खर्च होती है, लेकिन इसके बावजूद शिक्षा का स्तर निराशाजनक है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि एक बार उन्होंने आठवीं कक्षा के छात्र से 'एक बटे दो' और 'एक बटे तीन' में से बड़ा कौन है, यह पूछा तो छात्र जवाब नहीं दे पाया। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षक विद्यालय में कई बार तो गेट बंद होने के बाद आराम करते हुए मिलते हैं।

☞ **बिजली व्यवस्था की बदहाली पर भी जताई चिंता :-** मुखिया प्रतिनिधि बीरेंद्र प्रसाद सिंह ने बिजली व्यवस्था को लेकर भी गंभीर चिंता जाहिर की। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत बरचौंदी में बिजली आपूर्ति की स्थिति बेहद लचर है। कई वर्षों से पुराने और जर्जर तार झूलते हुए दिखाई देते हैं, जो समय-समय पर टूटकर गिर जाते हैं। इससे न केवल बिजली आपूर्ति बाधित होती है, बल्कि जान-माल के नुकसान का भी खतरा बना रहता है।

☞ **सरकार से की ठोस पहल की मांग :-** बीरेंद्र प्रसाद सिंह ने बिहार सरकार से मांग की कि वह शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए समय-समय पर स्कूल निरीक्षण का आदेश जारी करे और छात्रों की योग्यता जांच के लिए नियमित टेस्ट करवाए। उन्होंने कहा कि जब तक शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति ,बिजली व्यवस्था और विकास कार्यों को प्राथमिकता नहीं दी जाएगी, तब तक गांवों का समग्र विकास संभव नहीं है।●

पौआखाली में गूंजा ज्वेलरी शॉप में दूसरी बार चोरी की घटना

● फरीद अहमद

जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र के पौआखाली रसिया रूट में स्थित गुंजा ज्वेलरी शॉप में चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने सोना, चांदी और नगदी से भरे बैग को लेकर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्वेलरी शॉप का मालिक सुबह दुकान खोलने के लिए आया था और उसने दुकान के अंदर बैग रखा था। जब वह पानी लेने के लिए दुकान से बाहर गया, तभी चोर ने मौके का फायदा उठाते हुए बैग को लेकर फरार हो गया। मामले की पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार मिश्र ने बताया कि चोरी की घटना को लेकर आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसमें तीन लाख रुपए के सोने और चांदी तथा दो लाख रुपए नगदी के बारे में बताया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि जल्द ही मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और चोरों को पकड़ने के लिए प्रयास कर रही है।●

पेड़ों को काटे जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

● फरीद अहमद

पौआखाली क्षेत्र में पथ निर्माण विभाग द्वारा अर्जित सरकारी भूमि पर लगे तीन पेड़ों को अवैध रूप से काटे जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में विभाग के कनीय अभियंता मनीष कुमार ने पौआखाली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु आवेदन दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, दिनांक 1 मई 2025 को सहायक अभियंता को सूचना मिली कि विभाग की भूमि पर लगे तीन पेड़ काट दिए गए हैं। इस पर अभियंता अपने तीन चतुर्थवर्गीय कर्मियों प्रदीप कुमार, ओमप्रकाश सिंह और गंगाराम साह के साथ मौके पर पहुंचे और कटे हुए पेड़ों को देखा। वहां तीन लोगों को पकड़ा गया जिन्होंने अपना नाम मंजूर आलम (साकिन इकड़ा कुम्हिया, थाना गर्वनडांगा), मोहम्मद इद्रीस (साकिन लोहागाड़ा, थाना बहादुरगंज) और मोहम्मद सरफराज आलम (साकिन समेशर तालबाड़ी, थाना बहादुरगंज) बताया। पकड़े गए व्यक्तियों ने बताया कि उन्हें 'इश्तखार' द्वारा गाड़ी से लाया गया था और पेड़ काटने का निर्देश दिया गया था। साथ ही बताया गया कि यदि कोई पूछे तो कहना कि पेड़ काटने का आदेश अहमद हुसैन उर्फ लल्लू मुखिया (साकिन पौआखाली) ने दिया है। बाद में अंचलाधिकारी से समन्वय कर भूमि का रिकॉर्ड खंगाला गया, जिसमें यह पुष्टि हुई कि संबंधित भूमि पथ निर्माण विभाग के अधीन है। हालांकि, कुछ व्यक्तियों के नाम पर फर्जी तरीके से नामांतरण दर्ज कराया गया है, जिसे अंचलाधिकारी ने खारिज करने हेतु भूमि सुधार उप समाहर्ता किशनगंज को पत्र भेजा है। अभियंता ने थानाध्यक्ष से दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। इस घटना से सरकारी संपत्ति की सुरक्षा को लेकर भी कई सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग की जा रही है। मामले में 10 लोगों को नामजद बनाया गया है मंजूर आलम, मो० इद्रीस, मो० सरफराज आलम, इश्तखार, अमहद हुसैन उर्फ लल्लू मुखिया, तौफिक आलम,अलियारा खातून, सलमा खातून, जफर हुसैन, इश्तेखातून है। मामले को लेकर पौआखाली थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार मिश्र ने बताया कि थाना कांड संख्या 41/25 दिनांक 3/6/25 दर्ज किया गया है। एफआईआर कोपी से पता चला है कि बी एन एस की धारा 303(2), 324(4),3(5) लाया गया है। गौर करें कि पेड़ काटने वाले गिरफ्तार व्यक्तियों को पुलिस ने पी आर बॉन्ड पर पहले ही छोड़ा है। नामजद आरोपियों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है संपर्क होते ही उनका पक्ष भी रखा जाएगा! ●

पौआखाली में पीडब्लूडी की जमीन पर बड़ा खेल

पैक्स चेयरमैन वसीम अकरम गिरफ्तार

● फरीद अहमद

भोलमारा पंचायत के पैक्स चेयरमैन वसीम अकरम को पौआखाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वसीम अकरम पर तकरीबन 35 लाख रुपये के पैक्स घोटाले का आरोप है और वह काफी समय से फरार चल रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घोटाला पैक्स के माध्यम से धान खरीदारी में किया गया था, जिसमें भारी वित्तीय अनियमितताएं पाई गईं। इस मामले में कांड संख्या 39/23 के तहत वसीम अकरम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पौआखाली थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार मिश्र ने बताया कि पुलिस को लंबे समय से वसीम अकरम की तलाश थी। शुक्रवार को पौआखाली से उसे गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी प्रशासन की ओर से पंचायत स्तर पर हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ एक कड़ा संदेश मानी जा रही है।●

करोड़ों की लागत से कई सड़कों का हुआ शिलान्यास

● **फरीद अहमद**

क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता देते हुए ठाकुरगंज विधानसभा के विधायक सऊद आलम ने सोमवार को अपने क्षेत्र में कई सड़कों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। इन योजनाओं की कुल लागत करोड़ों रुपये में है, जिससे न केवल ग्रामीण इलाकों में आवागमन सुगम होगा बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापारिक और सामाजिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। विधायक सऊद आलम ने ठाकुरगंज प्रखंड के बंदरझुला पंचायत में बंदरझुला स्कूल से नया मिडिल स्कूल तक जाने वाली सड़क का शिलान्यास किया, जिसकी कुल लंबाई 0.501 किमी और लागत 64.31 लाख रूपये है। इसके अलावा, बॉर्डर रोड से सोनामनी जोरबाड़ी तक बनने वाली सड़क की भी नींव रखी गई, जिसकी लंबाई 0.775 किमी और अनुमानित लागत 56.97 लाख रूपये है। मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना (अवशेष) के अंतर्गत खारूदाह पंचायत में खारूदाह से बेलबाड़ी गांव को जोड़ने वाली सड़क निर्माण का भी शुभारंभ किया गया, जिसकी लंबाई 0.599 किमी और लागत 70.68 लाख रूपये है। इसी क्रम में, रसिया

पंचायत के प्रधानमंत्री सड़क से भोराभिट्ठा (कामत टोला) तक जाने वाली सड़क का शिलान्यास हुआ, जिसकी लंबाई 0.645 किमी और लागत 82.12 लाख रूपये निर्धारित है। वहीं, प्रधानमंत्री सड़क से साबोडांगी निकड़बाड़ी पश्चिम तक की सड़क भी बनेगी, जिसकी लंबाई 0.475 किमी और लागत 66.66 लाख रूपये है। अंत में, तातपौआ पंचायत में साबोडांगी से प्राइमरी स्कूल होते हुए टोला तक की सड़क के निर्माण की आधारशिला रखी गई। इस सड़क की कुल लंबाई 0.596 किमी है और इसकी लागत 95.61 लाख रूपये आंकी गई है। विधायक सऊद आलम ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए वे प्रतिबद्ध हैं और आने वाले समय में और भी विकास योजनाएं धरातल पर लाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि सड़कों के निर्माण से न केवल ग्रामीण परिवहन में सुधार होगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच भी आसान होगी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों में बंदर झूला पंचायत के मुखिया इकरामुल हक, पूर्व मुखिया साबीर आलम, पूर्व मुखिया शिव कुमार, समिति सदस्य राजेश कुमार, पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों की उपस्थिति रही। ●

शिवाजी सेना का शरबत सेवा शिविर

● **धर्मेन्द्र सिंह**

श्रावण माह की पावन पहली सोमवारी को श्रद्धालुओं की सेवा में समर्पित वीर शिवाजी सेना द्वारा एक सुंदर सेवा कार्य का आयोजन किया गया। एमजीएम मेडिकल कॉलेज रोड स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर परिसर के सामने नींबू पानी, शरबत और शीतल जल वितरण हेतु सेवा शिविर लगाया गया, जिसमें श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत और ताजगी प्रदान की गई। शिविर का उद्घाटन भूतनाथ गौशाला समिति के अध्यक्ष डॉ. इच्छित भारत ने श्रद्धालुओं को शरबत बांटकर किया। उन्होंने वीर शिवाजी सेना को बधाई देते हुए कहा, 'सेवा का यह कार्य पुण्य का प्रतीक है। वीर शिवाजी सेना हर वर्ष श्रद्धालुओं के लिए सोमवारी को सेवा शिविर लगाती है, यह परंपरा सराहनीय है।' सेवा शिविर के संबंध में वीर शिवाजी सेना के नगर संयोजक अभ्यास कुमार ने बताया कि सावन माह में हर सोमवारी को इस प्रकार के शरबत जलपान शिविर आयोजित किए जाएंगे। कार्यकर्ता सुबह से ही सेवा में लगे रहते हैं। श्रावण माह में बाबा को जल अर्पण करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ठंडे पेयजल की व्यवस्था करना हमारा कर्तव्य और सौभाग्य है। इस शुभ अवसर पर अनेक समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधियों ने भी भाग लिया और वीर शिवाजी सेना के इस प्रयास की सराहना की। मुख्य रूप से नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान, रेड क्रॉस सोसाइटी सचिव मिक्की साहा, संतोष जैन, जय किशन प्रसाद सहित अन्य सम्माननीय अतिथि उपस्थित रहे। वहीं शिविर को सफल बनाने में वीर शिवाजी सेना के कई सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई, जिनमें सुमित साहा (अध्यक्ष), इंद्रजीत कुमार (संगठन मंत्री), विनोद कुमार, दिकेश, गौरव, संजीत, बैजू, विकास, खोगेश, शंकर, तरुण, सोनाली सिंह, सुमन, नेहा, ईशा, संजना, रचना, अंकिता सहित सैकड़ों सदस्य मौजूद थे। गौर करे कि श्रावण माह में शिवभक्तों की सेवा का यह कार्य न केवल सामाजिक समर्पण का प्रतीक है, बल्कि यह दर्शाता है कि युवाओं की भागीदारी से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सहयोग की भावना को बल मिलता है। वीर शिवाजी सेना का यह प्रयास निश्चित रूप से अन्य संगठनों के लिए प्रेरणा है कि "भक्ति के साथ सेवा भी जरूरी है।" श्रद्धा, सेवा और समर्पण का मिलन यही है, श्रावण की सच्ची भावना। ●

सेवा शिविर का भव्य उद्घाटन

सेवा, संस्कृति और समर्पण की मिसाल

● धर्मेंद्र सिंह

बाबा धाम के मुख्य मार्ग पर स्थित बांका जिला के कटोरिया के कुरावा गांव में बसे किशनगंज सेवा सदन में इस वर्ष भी श्रावणी सेवा शिविर का भव्य उद्घाटन हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन हर वर्ष की भांति बड़े समारोह के साथ किया जाता है, जिसमें समाज के विभिन्न स्तरों से जुड़े लोग और भक्तगण अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। शुक्रवार, 11 जुलाई को हुए इस उद्घाटन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप कुमार जायसवाल, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय सिंहा, भूमि एवं राजस्व मंत्री संजय सरावगी, तथा प्रख्यात कथावाचक धर्मेश जी महाराज ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन और फीता काटने की रस्मों के द्वारा सेवा शिविर का उद्घाटन किया। डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने उद्घाटन के दौरान "हर हर महादेव" के जयकारे लगाकर कांवरियों की सेवा को पुण्य कर्म कहा और बताया कि महादेव की कृपा प्राप्त करने वाले ही सच्चे सुखी मनुष्य होते हैं। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बोल बम के जयकारे लगाते हुए बताया कि किशनगंज सेवा सदन में उत्कृष्ट सेवा कार्य आयोजित किया जाता है और इस उपलब्धि में उन सभी दानदाताओं तथा आयोजन समिति का हाथ है, जिनके सहयोग के बिना यह भव्य आयोजन संभव नहीं हो पाता। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी दानदाताओं और समाज के विभिन्न वर्ग अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। कथावाचक धर्मेश जी महाराज ने भी कांवरियों की सेवा करने की महिमा का वर्णन किया और बताया कि सेवा में लिप्त होकर जीवन धन्य हो जाता है। किशनगंज सेवा सदन के अध्यक्ष हनुमान श्रीमाल ने समारोह में यह जानकारी साझा की कि इस बार सेवा शिविर का 25वां साल मनाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि कब शुरूआत हुई थी, तब यह एक छोटे रूप में शुरू हुआ था, परंतु समय के साथ-साथ इसका विकास हुआ और आज यह सेवा सदन अपने क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में स्थापित हो चुका है। उन्होंने सभी सहयोगियों, दानदाताओं और समाज के सदस्यों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस सेवा को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उद्घाटन समारोह के दौरान बाल संस्कार के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस प्रस्तुति की सराहना करते हुए आयोजकों ने कलाकारों को प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की। कार्यक्रम में एमजीएम मेडिकल कॉलेज के सचिव जुगल किशोर तोषनीवाल, ट्रस्टी गौरी शंकर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, मिडिया प्रभारी त्रिभुवन दुबे समेत बड़े-बड़े गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा में इजाफा किया। किशनगंज सेवा सदन में न केवल सेवा शिविर आयोजित किया जाता है, बल्कि यहां बाल संस्कार केंद्र एवं सिलाई प्रशिक्षण केंद्र भी संचालित किए जाते हैं। इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा दी जाती है और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। यह पहल समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही है। किशनगंज सेवा शिविर का यह भव्य उद्घाटन कार्यक्रम हमें याद दिलाता है कि सेवा भाव, समर्पण और सांस्कृतिक जागरूकता एक समाज के लिए कितना आवश्यक है। प्रशासन और समाज के प्रतिनिधियों की एकजुटता से यह सुनिश्चित होता है कि हर वर्ष आयोजित यह

कार्यक्रम न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं को जीवंत रखता है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान में भी अपना योगदान देता है। इस प्रकार, किशनगंज सेवा शिविर का 25वां वर्ष महज एक यादगार समारोह ही नहीं, बल्कि सेवा के क्षेत्र में निरंतर प्रयासों और समाज की बढ़ती आशा का प्रतीक बन चुका है। इस मौके पर एमजीएम मेडिकल कॉलेज के सचिव जुगल किशोर तोषनीवाल, ट्रस्टी गौरी शंकर अग्रवाल, सेवा सदन के अध्यक्ष हनुमान श्रीमाल, सचिव शीत प्रसाद, कोषाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, मिडिया प्रभारी त्रिभुवन दुबे, मुकेश साहा, प्रदीप गुप्ता, शिक्षक राकेश कुमार, अधिवक्ता कमलेश कुमार, विनोद साहा, चंद्र भूषण सहित बड़ी संख्या में किशनगंज के लोग एवं भक्तगण मौजूद थे।●

अवैध मादक पदार्थों के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

● **फरीद अहमद**

पुलिस अधीक्षक किशनगंज के अनुश्रवण में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुखानी थाना एवं सशस्त्र सीमा बल (SSB) की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने विभिन्न प्रकार के अवैध मादक पदार्थों के साथ-साथ तस्करी में प्रयुक्त वाहन और उपकरण बरामद किए हैं। संयुक्त छापेमारी के दौरान 1.63 ग्राम स्मैक, 1.120 किलोग्राम गांजा, 5.4 लीटर नेपाली देशी शराब के साथ 01 स्कूटी, 01 मोटरसाइकिल एवं 03 अत्याधुनिक 4G-5G मोबाइल फोन जब्त किए गए। इसके अलावा मौके से 03 तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम क्रमश: सरफराज आलम वार्ड सदस्य जियापोखर, राहील आलम , विशाल कुमार कादोगांव बताया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने इस सफलता को सीमा क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर करारा प्रहार बताया है। थानाध्यक्ष ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाया जा सके। सुखानी थानाध्यक्ष धर्मपाल कुमार ने कहा कि नशा के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। सुखानी थानाध्यक्ष धर्मपाल कुमार ने बताया कि मामले में दो केस हुए हैं जिसमें सुखानी थाना कांड संख्या 38/25 और 39/25 दर्ज किया गया है।

☞ **नूरी चौक में मादक पदार्थ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, एक गिरफ्तार** :- ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र के नूरी चौक में मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री की सूचना पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। रविवार को पौआखाली थाना, एसएसबी और जियापोखर पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर एक युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान उमर फारूक के रूप में हुई है, जो नूरी चौक का ही निवासी बताया जा रहा है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 3.16 ग्राम स्मैक बरामद किया

है। इस संबंध में पौआखाली थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि मादक पदार्थ के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के अपराध में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी सघन जांच और कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशे के कारोबारियों में हड़कंप मचा है। गौर करें कि जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र में नशे की लत ने एक खतरनाक मोड़ ले लिया है। यहां की युवा पीढ़ी तेजी से स्मैक जैसे खतरनाक और महंगे नशे की चपेट में आ रही है। एक बार इस नशे की गिरफ्त में आने के बाद युवाओं के लिए इससे बाहर निकलना बेहद मुश्किल हो रहा है। इसका असर केवल व्यक्तिगत जीवन पर ही नहीं, बल्कि पूरे समाज पर भी पड़ रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पौआखाली क्षेत्र में स्मैक की उपलब्धता बढ़ गई है और इसके सेवन करने वालों की संख्या में निरंतर इजाफा हो रहा है। इस लत के कारण कई युवक अपनी पढ़ाई, करियर और पारिवारिक जिम्मेदारियों से दूर होते जा रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवा इसका शिकार होते जा रहे हैं।●

विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 कार्य में बीएलओ को करेंगे सहयोग

● रवि रंजन मिश्र

पश्चिम चंपारण जिले में मतदाता सूची की शुद्धता एवं समावेशिता सुनिश्चित करने हेतु विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अभियान की तैयारी के क्रम में पूर्व में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में जिले के सभी 2731 बूथ लेवल ऑफिसर्स एवं 288 निर्वाचन पर्यवेक्षकों की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दो सत्रों में किया गया था। प्रशिक्षण का उद्देश्य बीएलओ को आगामी एसआइआर कार्यों के लिए विधिवत प्रशिक्षित करना एवं उन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित गृह-गृह सर्वेक्षण की प्रक्रिया, गणना प्रपत्र की भराई, प्रविष्टियों की पुष्टि/विलोपन/ परिवर्तन/नई प्रविष्टियों के नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। इसी कड़ी

में आज स्थानीय प्रेक्षागृह में जिले के सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं, सभी सीडीपीओ, सभी एलएस, डीपीओ आइसीडीएस, सभी माननीय मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य, पंच, जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों को भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण देने का उद्देश्य बीएलओ के कार्यों में सहयोग प्रदान करना तथा मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 हेतु जागरूक एवं प्रेरित करते हुए सहयोग प्रदान करना है। जिला पदाधिकारी ने उक्त सभी माननीय पंचायत प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 अभियान की सफलता सुनिश्चित करने में आप सभी अत्यंत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। आप सभी से अपेक्षित सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आपसे अनुरोध है कि बीएलओ को पुनरीक्षण कार्य के दौरान सहयोग प्रदान करें। इसके साथ ही मतदाताओं को जागरूक एवं प्रेरित करते हुए पुनरीक्षण कार्य में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, बेतिया, डॉ0 शौर्य सुमन, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, श्री लालबहादुर राय, अवर निर्वाचन पदाधिकारी, श्री यशलोक रंजन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।●

किसी भी सूरत में बख्शे नही जायेंगे भ्रष्टाचारी : जिलाधिकारी

● रवि रंजन मिश्र

जिला प्रशासन को विगत दिनों मीडिया एवं अन्य माध्यमों से एक वायरल ऑडियो संज्ञान में आया, जिसमें परिवहन कार्यालय, पश्चिम चम्पारण में पदस्थापित मोटरयान निरीक्षक एवं अन्य कर्मी द्वारा अनैतिक कृत्य किए जाने संबंधी वार्ता थी। जिला पदाधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार द्वारा इसे अत्यंत गम्भीरता से लेते हुए वायरल ऑडियो की सत्यता हेतु त्रि-सदस्यीय कमिटि का गठन करते हुए मामले की जाँच कराई गई।

उक्त के आलोक में त्रि-सदस्यीय कमिटि के द्वारा जाँचोंपरात वायरल ऑडियो में दर्ज अवैध लेन-देन की बात को प्रथम दृष्टया सत्य प्रतिवेदित करते हुए पूरे मामले में पुजा कुमारी, मोटरयान निरीक्षक, जिला परिवहन कार्यालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया एवं जिला परिवहन कार्यालय के अन्य कर्मियों की संलिप्तता प्रतिवेदित किया गया। प्रतिवेदन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार के द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया को वायरल ऑडियो एवं जांच दल के प्रतिवेदन में अंकित सभी लोगों के विरूद्ध नाम सहित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश दिया गया। साथ ही सरकारी पदाधिकारी/कर्मियों के विरूद्ध निलम्बन की अनुशंसा के साथ प्रपत्र-क गठित करने का आदेश दिया गया।

उक्त का अनुपालन करते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया के द्वारा पुजा कुमारी, मोटरयान निरीक्षक, जिला परिवहन कार्यालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया, श्री संतोष दास, मोटरयान निरीक्षक, जिला परिवहन कार्यालय, पश्चिम चम्पारण, बेतिया सम्प्रति प्रतिनियुक्त परिवहन विभाग, बिहार, श्री संजय राव, तत्कालीन लिपिक, जिला परिवहन कार्यालय सम्प्रति भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय, बगहा एवं इस प्रकरण में संलिप्त बिचौलियों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करा दिया गया है। जिलाधिकारी द्वारा स्पष्ट निदेश दिया गया कि सभी कर्मी और पदाधिकारी सौंपे गए दायित्वों का निष्पापूर्वक निर्वहन करें। भ्रष्टाचार संबंधी किसी भी प्रकार की पुष्ट और साक्ष्य आधारित शिकायत मिलने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।●

बेतिया में भरी हैदराबाद के दंपति की गोद

● रवि रंजन मिश्र

विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान, बेतिया में आवासित बालिका शिखा कुमारी (उम्र–5 माह) को दत्तक ग्रहण में हैदराबाद के दंपति श्री प्रशांत गिल्डा और श्रीमती राधिका गिल्डा को अपर समाहर्ता महोदय द्वारा जारी दत्तक ग्रहण आदेश देकर विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान, बेतिया द्वारा कानूनी रूप से गोद दिया गया। बच्ची को पाकर दत्तक माता – पिता ने कहा कि उनके घर आई एक नन्ही सी परी जिससे उनका आंगन खुशियों से भर गया। उक्त दंपति ने नम आंखों से कहा उनके पास धन संपत्ति हर चीज थी लेकिन गोद सुनी थी जो आज भर गई। इस अवसर पर सहायक निदेशक श्री ब्रजभूषण कुमार, बाल संरक्षण पदाधिकारी श्री अजय पासवान, समन्वयक श्री ब्रजेश कुमार पटेल, बाल गृह अधीक्षक श्री राम चंद्र सहित अन्य सभी कर्मी उपस्थित थे।

☞ **'दत्तक ग्रहण की हेतु अपनाई जाने वाली प्रक्रिया'** :– दत्तक ग्रहण की समस्त प्रक्रिया ऑनलाइन है। कोई दत्तक ग्राही माता पिता केंद्रीय दत्तक ग्रहण प्राधिकरण (बात) के पोर्टल पर पंजीकरण कर गोद लेने की प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते हैं । इसके लिए एक फोन नंबर, पैन कार्ड तथा ई मेल आईडी की आवश्यकता होती है। इसके उपरांत नजदीकी विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान द्वारा दत्तक ग्राही माता पिता का होम स्टडी रिपोर्ट तैयार किया जाता है । इस पोर्टल पर दत्तक ग्राही माता पिता अपनी एलिजिबिलिटी चेक कर सकते हैं । इस वेबसाइट के अतिरिक्त किसी व्यक्ति, अस्पताल अथवा नर्सिंग होम से बच्चा गोद लेना गैर कानूनी है। जिला पदाधिकारी अथवा अपर समाहर्ता के समक्ष जिला बाल संरक्षण इकाई की ओर से वाद दायर करने का प्रावधान है। दत्तक ग्रहण आदेश जारी होने के उपरांत गोद देने की कार्रवाई पूर्ण होती है। दत्तक माता पिता के द्वारा बच्चा प्राप्त करने के उपरांत दो साल तक बात। द्वारा फॉलो अप भी कराया जाता है।●

पांच होमगार्ड अभ्यर्थियों को प्रदान किया गया नियुक्ति पत्र

● रवि रंजन मिश्र

श्री जनक राम, माननीय प्रभारी मंत्री–सह–मंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग ने आज समाहरणालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 05 होमगार्ड अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों में उमेश कुमार एवं राज कुमार (ट्रांसजेंडर) मधुबाला कुमारी, अमित कुमार, मनीष कुमार के नाम शामिल हैं। नियुक्ति पत्र पाकर अभ्यर्थी काफी खुश दिखे और उन्होंने सरकार एवं जिला प्रशासन को बहुत–बहुत धन्यवाद दिया। माननीय प्रभारी मंत्री ने नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि आप सभी निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निवर्हन कीजिएगा। सरकार द्वारा दिये गये दायित्वों का अच्छे तरीके से कीजिएगा। इस अवसर पर माननीय सांसद, श्री संजय जायसवाल, माननीय सांसद, श्री सुनिल कुमार, माननीय विधायक, श्रीराम सिंह, माननीय विधान पार्षद, श्री भीष्म सहनी, जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार, उप विकास आयुक्त, श्री सुमित कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस–प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:– 9431073769/8340360961

ई–मेल:– editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

डॉ. सलाउद्दीन : चम्पारण में शिक्षा के अग्रदूत

● रवि रंजन मिश्र

पश्चिमी चंपारण, वही पवित्र भूमि जहाँ से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भितिहरवा से स्वाधीनता संग्राम की नींव रखी थी, वहीं से लगभग 20 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित सलीम नगर मरजदवा में जन्मे डॉ. सलाउद्दीन शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रकाश स्तंभ बनकर उभरे हैं। उन्हें चंपारण में शिक्षा की अलख जगाने के लिए जाना जाता है।

☞ **सामाजिक सेवा और राष्ट्रवाद की भावना :-** डॉ. सलाउद्दीन उच्च शिक्षा प्राप्त हैं और उनमें समाज सेवा व राष्ट्रीयता की भावना कूट-कूट कर भरी है। उन्होंने यह प्रेरणा अपने दिवंगत पिता मोहम्मद सलीम से ली और उन्हीं के दिखाए रास्ते पर चलते हुए चंपारण को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने का काम कर रहे हैं। तीन भाइयों में सबसे छोटे, डॉ. सलाउद्दीन बचपन से ही मेधावी रहे हैं और पढ़ने-पढ़ाने में उनकी विशेष रुचि रही है।

☞ **चंपारण के लिए एक सपना :-** उन्होंने अंग्रेजी में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और चंपारण के हर घर को शिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध हो गए। जब भी वे अपने गाँव आते और बच्चों को उच्च व तकनीकी शिक्षा के लिए बाहर जाते देखते, तो उनके मन में यह विचार आता कि अगर चंपारण में ही अच्छी और तकनीकी शिक्षा उपलब्ध होती, तो इन बच्चों को दूसरे प्रदेशों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने ठान लिया कि चाहे उन्हें कोई भी कीमत चुकानी पड़े, वे एक ऐसा संस्थान बनाएंगे जहाँ सभी प्रकार की पढ़ाई होगी और बच्चों को दूर नहीं जाना पड़ेगा।

☞ **चंपारण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की स्थापना :-** डॉ. सलाउद्दीन ने 2021 में चंपारण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की नींव रखी और केवल चार वर्षों में, इस संस्थान ने इतनी ख्याति प्राप्त कर ली है कि यह किसी परिचय का मोहताज नहीं है। 2021 में केवल डिग्री महाविद्यालय के रूप में शुरू होने वाला यह संस्थान आज लगभग एक दर्जन कोर्स की पढ़ाई करवा रहा है। इस संस्थान में डिग्री कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, आईटीआई कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पैरामेडिकल आदि की पढ़ाई होती है। यहाँ एक से बढ़कर एक अनुभवी शिक्षक और प्राध्यापक कार्यरत हैं।

☞ **भविष्य की योजनाएँ :-** चंपारण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अन्य महाविद्यालय चंपारण में भी संचालित हैं, जिनमें चंपारण महाविद्यालय भैरोगांज बगहा और एक महाविद्यालय गौनाहा में स्थित है। डॉ. सलाउद्दीन आने वाले दिनों में इस संस्थान को एक विश्वविद्यालय बनाना चाहते हैं, जिसमें मेडिकल और इंजीनियरिंग की भी पढ़ाई शामिल होगी। उनका लक्ष्य चंपारण की धरती को, जिसे अक्सर पिछड़ा माना जाता है, अंतरराष्ट्रीय पटल पर लाना है।

आज डॉ. सलाउद्दीन को चंपारण के शिक्षा क्षेत्र का गांधी कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है, क्योंकि उन्होंने चंपारण जैसे पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने का अथक प्रयास किया है। डॉ. सलाउद्दीन का यह कार्य चंपारण और उसके निवासियों के लिए एक नई सुबह लेकर आया है। क्या आप डॉ. सलाउद्दीन के शिक्षा मॉडल या चंपारण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के बारे में और अधिक जानकारी जानना चाहेंगे। ●

शिक्षक मो. कलीमुल्लाह हुए निलंबित

● रवि रंजन मिश्र

मदरसा इस्लामिया खानकाह हजरत दाता साह मस्तान टोला, बगहा-01 में कार्यरत शिक्षक मो0 कलीमुल्लाह के द्वारा राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने एवं सरकार विरोधी कार्य में रूचि लेने को लेकर प्रभारी प्रधान मौलवी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। ज्ञातव्य हो कि अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा को उक्त शिक्षक के विरूद्ध गंवई राजनीति करने एवं सरकार विरोधी कार्य में रूचि लेने संबंधी गंभीर शिकायत प्राप्त हुआ, जिसकी जांच अंचल अधिकारी, बगहा-01 एवं थानाध्यक्ष बगहा से करायी गयी। जांच प्रतिवेदन से स्पष्ट हुआ कि मो0 कलीमुल्लाह द्वारा सरकारी कार्यों में रूचि नहीं लेकर राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है तथा समाज में भड़काउ स्थिति पैदा करने का कार्य किया जा रहा है। अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण को इस संदर्भ में जानकारी दी गयी। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने प्रधान मौलवी/प्रभारी प्रधान मौलवी मदरसा इस्लामियां खानका हजरत मस्तान साह टोला, बगहा-01 को पत्र लिखकर उक्त शिक्षक के विरूद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में प्रभारी प्रधान मौलवी मदरसा इस्लामियां खानका हजरत मस्तान साह टोला, बगहा-01 ने शिक्षक मो0 कलीमुल्लाह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी बगहा द्वारा उक्त शिक्षक के बीएलओ के कार्य से मुक्त करने हेतु भी निर्देशित किया गया है। ●

खुद की किडनैपिंग का रचा ड्रामा

वीडियों भेजकर घर वालों से मांगी 60 हजार की फिरौती

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले में समस्तीपुर के एक युवक ने स्वजनों से पैसा ऐंठने के लिए खुद के फिरौती के लिए अपहरण का ड्रामा रचा। यहां तक कि पेड़ से बंधे अर्धनग्न हालत में वीडियो बनवाकर पत्नी बबीता कुमारी व पिता राजेन्द्र मंडल के मोबाइल पर भेजा। 'युवक ने 60 हजार रुपये फिरौती की मांग कर सदमे में डाल दिया। इस षड्यंत्र में उसके दोस्त ने भी उसकी मदद की।' शुक्रवार को पूरे मामले का तब पर्दाफाश हुआ जब गड़हनी थाना पुलिस ने स्वयं के अपहरण का ड्रामा रचने वाले युवक को पीरो स्टेशन के पास से दोस्त समेत रंगे हाथ धर दबोचा। पुलिस ने इस मामले में अपहरण का ड्रामा रचने वाले युवक समस्तीपुर जिले के खानपुर थाना के सिहुली गांव निवासी गोविंद कुमार एवं उसके साथी रोहतास जिले के दावथ थाना के परमानपुर गांव निवासी रजनीश तिवारी दोनों को गिरफ्तार किया है। साथ ही कांड में प्रयुक्त मोबाइल को भी जब्त कर लिया गया है। मोबाइल से अपहरण को पुष्ट करने के लिए पेड़ से बंधे हालत में बनाया गया वीडियो भी बरामद किया गया है। फिरौती के लिए अपहरण को लेकर उसके चाचा अनिल कुमार ने गड़हनी थाना में प्राथमिकी कराई थी।

☞ **पूणे से घर आते समय रास्ते में रचा षड्यंत्र' :-** समस्तीपुर जिले के खानपुर थाना के सिहुली गांव निवासी राजेन्द्र मंडल का पुत्र गोविंद कुमार बीटेक करने के बाद पूणे की किसी कंपनी

में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में काम करता था। 29 जून को पूणे से पटना के लिए चला था। इस दौरान एक जुलाई को अपनी पत्नी बबीता कुमारी को फोन किया कि वह पटना पहुंच गया है। करीब एक घंटे बाद जब पत्नी ने फोन किया तो उसका मोबाइल स्विच ऑफ बताने लगा। पूरी रात पत्नी मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया। लेकिन, बार-बार मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था। इसके बाद दो जुलाई को उसके ही नंबर से पत्नी के मोबाइल पर फोन आया था कि 60 हजार रुपये फोन पे पर भेज दो नहीं तो मार देंगे।

☞ **'वीडियो गाली-गलौज मारपीट की धमकी की आवाज' :-** इसके बाद पुनः पत्नी एवं पिता के मोबाइल पर एक वीडियो बनाकर भेजा गया था। जिसमें सुनसान जगह पर गोविंद कुमार अर्द्धनग्न हालत में पेड़ में बंधा नजर आ रहा था। वीडियो में दूसरे शख्स का गाली-गलौज व मारपीट की धमकी देते आवाज सुनाई दे रहा था। इस प्रकरण के बाद स्वजनों ने समस्तीपुर पुलिस से संपर्क साधा था। समस्तीपुर पुलिस की जांच में लोकेशन गड़हनी थाना के बगवां के पास का निकला था। इसके बाद स्वजन भोजपुर के गड़हनी थाना पहुंचे थे और दो जुलाई को अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

☞ **बाइक खरीदने के लिए स्वयं के अपहरण का बूना ताना-बाना :-** इधर, गड़हनी थानाध्यक्ष कमलजीत ने बताया कि एक जुलाई गोविंद कुमार पटना नहीं जाकर बीच में ही आरा रेलवे स्टेशन पर ही ट्रेन से उतरा गया था। इसके बाद साथ में पढ़ाई किए अपने पुराने दोस्त रोहतास जिले के दावथ थाना के परमानपुर गांव निवासी रजनीश तिवारी को बुलाया था। दोनों पुनः गड़हनी आए थे और गड़हनी रेलवे स्टेशन से सटे झाड़ी में अपहरण दर्शाने के लिए खुद सीन क्रिएट कर पेड़ से बंधे हालत में वीडियो बनाया था और अपनी पत्नी व पिता को भेजा था। तकनीकी सूत्र की मदद से दोनों को पीरो स्टेशन के पास से धर दबोचा गया। थानाध्यक्ष के अनुसार पूछताछ में यह बात सामने आई है कि बाइक खरीदने के लिए स्वजनों से पैसा ऐंठना चाहता था। पुलिस ने अपहरण का ड्रामा रचने वाले गोविंद एवं उसके दोस्त दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।●

भूमिहीन परिवारों का सपना हुआ साकार

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आज गड़हनी प्रखंड मुख्याल स्थित सभागार में डॉ.अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत अभियान बसेरा-2 में छोटक राम, गोरख राम, तेशलाल मुसहर, हीराझारी देवी, कलावती देवी, सोनम देवी, पाताशों देवी, सतेन्द्र मुसहर सहित 34 सुयोग्य श्रेणी के भूमिहीन लाभार्थियों के बीच अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति समिति के अध्यक्ष सह बिहार विधान परिषद सदस्य माननीय श्रीभगवान सिंह कुशवाहा ने वासगीत पर्चा का वितरण किया। वहीं कहा कि भूमिहीनों को अधिकार दिलाना हमारी प्राथमिकता है ! एनडीए सरकार का यह संकल्प है कि प्रत्येक पात्र नागरिक को वासभूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो तथा सभी पर्चाधारी परिवारों को आवास, शौचालय, नल जल,

बिजली तत्काल देने को कहा । राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग पूरी निष्ठा से इसके लिए प्रतिबद्ध है साथ ही जिलाधिकारी श्री तनय सुल्तानिया ने धरातल पर बहुत बेहतर प्रदर्शन हैं इसके लिए बहुत बहुत बधाई । इस अवसर पर अंचलाधिकारी श्रीमती दीपा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी, ई ओ नगर पंचायत सुश्री मेधा कुमारी, 20 सूत्री उपाध्यक्ष श्री अमरीश सिंह तोमर, मो. इमरान अहमद राजस्व कर्मचारी श्री विजय पंडित एवं कई अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।●

थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिस अधिकारी लाइन हाजिर

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के अगिआंव बाजार थाना इन दिनों एक वायरल ऑडियो कांड को लेकर सुर्खियों में है। इस मामले को लेकर भोजपुर के एसपी राज ने त्वरित कार्रवाई करते हुए थानाध्यक्ष सहित तीन पुलिस अधिकारियों को लाइन हाजिर कर दिया है। यह कार्रवाई वायरल ऑडियो में सामने आए गंभीर आरोपों के आधार पर की गई है, जिसमें थाने के कुछ कर्मियों द्वारा अवैध वसूली और पैसे के बंटवारे की बातें सामने आई हैं।कौन-कौन हुए कार्रवाई के शिकार?लाइन हाजिर किए गए अधिकारियों में अगिआंव बाजार थाने की थानाध्यक्ष प्रियंका गुप्ता, एसआई चंद्र प्रकाश पंडित और एएसआई आर.पी. सिंह शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, वायरल ऑडियो में एसआई और एएसआई का नाम स्पष्ट रूप से सामने आया है और उन पर बालू व शराब तस्करों से अवैध वसूली करने और उसका बंटवारा करने के आरोप लगे हैं। ऑडियो में थाने के प्राइवेट चालक की ओर से इन अधिकारियों पर सीधा आरोप लगाया गया है। वायरल ऑडियो में क्या है? वायरल हुए ऑडियो क्लिप में एक प्राइवेट चालक और थाने के एक अधिकारी के बीच बातचीत रिकॉर्ड है, जिसमें पैसे के लेन-देन और उसका बंटवारा कैसे किया जा रहा है, इस पर चर्चा हो रही है। इसमें यह भी कहा गया है कि कुछ अधिकारी अपने स्तर से तय राशि से अधिक वसूली कर रहे हैं और उसे स्टाफ के बीच समान रूप से वितरित नहीं किया जा रहा। ऑडियो में बालू और शराब तस्करों से वसूली की बात भी

सामने आई है।नए थानाध्यक्ष की तैनातीइस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी राज ने तत्काल प्रभाव से अगिआंव बाजार थाना में नए थानाध्यक्ष की नियुक्ति कर दी है। 2018 बैच की सब-इंस्पेक्टर अर्चना कुमारी को अगिआंव बाजार थाने की कमान सौंपी गई है। वे फिलहाल भोजपुर के संदेश थाने में जेएसआई के पद पर कार्यरत थीं। एसपी ने उम्मीद जताई कि नए थानाध्यक्ष के नेतृत्व में थाना की छवि सुधरेगी और जनता का विश्वास बहाल होगा।जांच के आदेश और आगे की कार्रवाईएसपी राज ने बताया कि इस पूरे मामले की जांच एएसपी स्तर के अधिकारी से कराई जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि किसी अन्य अधिकारी की संलिप्तता सामने आती है, तो उस पर भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने दो टूक कहा कि भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और पुलिस की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की छवि पर सवाल इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर से पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आम जनता में यह संदेश गया है कि यदि थाने स्तर पर ही वसूली और भ्रष्टाचार का माहौल है, तो आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान कैसे होगा? हालांकि, एसपी की त्वरित कार्रवाई ने यह जरूर दर्शाया है कि ऐसे मामलों में प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। जनता की अपेक्षा पारदर्शिता और ईमानदारी इस पूरे घटनाक्रम से स्थानीय लोगों में नाराजगी के साथ-साथ उम्मीद की एक किरण भी जगी है कि अब प्रशासन ऐसे मामलों में आंख मूंदकर नहीं बैठेगा। ग्रामीणों का कहना है कि थानों को न्याय का मंदिर होना चाहिए, न कि वसूली का केंद्र। उन्हें उम्मीद है कि अब थाना स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।●

किसानों को मिला तोहफा : डॉ. प्रेम कुमार

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार भाजपा के वरीय नेता व बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि रबी विपणन मौसम वर्ष 2025-26 के अंतर्गत दलहन एवं तेलहन अधिप्राप्ति हेतु बिहार के किसानों को मिला है तोहफा। किसानों की आय दोगुनी करने में होगा यह निर्णय सहायक। अब बिहार के किसान दिनांक 25 जून 2025 से 15 जुलाई 2025 तक अपने नजदीकी पैक्स केंद्र पर अधिक से अधिक मात्रा में चना, मसूर, सरसों, राई अधिप्राप्ति कर न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ उठा रहे हैं। सरकार ने चना का न्यूनतम समर्थन मूल्य5,650 प्रति क्विंटल, मसूर का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6,700 प्रति क्विंटल, सरसों,राई का न्यूनतम समर्थन मूल्य5,950 प्रति क्विंटल किया गया है। रबी विपणन मौसम 2025;26 में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ दलहन एवं तेलहन क्रय करने के 48 घंटे के भीतर राशि की

भुगतान सुनिश्चित किया गया है। राज्य के किसानों से मेरा अनुरोध है की आप अपने पंचायत के पैक्स एवं व्यापारमंडल केंद्रों पर जाकर उत्पादन को विक्रय कर उपरोक्त समर्थन मूल्य का लाभ उठाएं। साथ ही मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि अब बिहार के किसानों के द्वारा उपजाए हुए हरि सब्जी का स्वाद दुबई के लोग ले रहे है। ये बिहार के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। बता दें कि पटल, कटहल, चटईल, करैला, बैगन एवं जर्दालू आम दुबई भेजा गया साथ ही दुबई के साथ साथ कई देशों जैसे नेपाल, सिंगापुर से भी बिहार के सब्जियों का मांग को लेकर बातचीत अंतिम दौर में है। इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए केंद्र की मोदी सरकार और बिहार की एनडीए सरकार के मुखिया नीतीश कुमार को बिहार के किसानों की ओर से हार्दिक बधाई और आभार। वहीं मौके पर जिला महामंत्री संतोष चंद्रवंशी, जिला उपाध्यक्ष राम दिनेश यादव, प्रदेश प्रभारी आईटी सेल ई० सियाराम सिंह,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरेराम चंद्रवंशी, उमंग कुमार, रवि यादव, अलगू यादव, जितेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।●

भागकर फुफेरे भाई से की शादी

● गुड्डू कुमार सिंह

आरा शहर के टाउन थाना क्षेत्र अंतर्गत अहिरपुरवा मोहल्ले में गुरुवार की सुबह एक नवविवाहिता का शव छत की कुंडी से लटका हुआ मिला। मृतका की पहचान 19 वर्षीय बबली देवी के रूप में हुई है। जो वार्ड संख्या 29 के विकास कुमार की पत्नी थी। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। परिजनों का कहना है कि बबली ने आत्महत्या की है। घटना की सूचना मिलते ही टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) टीम को बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से कई अहम सबूत जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया है।

☞ **फुफेरे भाई से चल रहा था प्रेम प्रंसग' :-** मृतका की मां प्रमिला देवी जो कोईलवर थाना क्षेत्र के कुल्हड़िया गांव की निवासी हैं उन्होंने बताया कि बबली का पिछले कुछ वर्षो से अपने फुफेरे भाई विकास कुमार से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। परिजनों के विरोध के बावजूद दोनों ने जुलाई 2024 में दिल्ली में भागकर शादी कर ली थी। तब से दोनों परिवारों के बीच बातचीत बंद थी। मां के अनुसार, गुरुवार सुबह उन्हें मोहल्ले के लोगों ने फोन कर बताया कि उनकी बेटी ने फांसी लगा ली है। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने बेटी को छत की कुंडी से दुपट्टे के सहारे लटका पाया।

☞ **फंदे से लटका मिला शव :-** स्थानीय निवासी और उसी मकान में किराए पर रहने वाले विकास कुमार ने बताया कि वह बर्फ का गोला

बेचने का काम करता है और अपनी पत्नी-बच्चों के साथ अलग घर में रहता है। मृतका उसी मकान में किराए पर रह रही थी। उसने बताया कि बबली का कमरा प्रायः बंद रहता था और वह मोबाइल पर अक्सर व्यस्त रहती थी। गुरुवार सुबह जब उसकी बच्ची खेलने आई तो दरवाजा खुला पाया और अंदर जाकर देखा कि बबली फंदे से लटकी हुई थी।

☞ **'भागकर की थी शादी' :-** सूचना मिलते ही मकान मालिक और अन्य स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। बताया गया कि बबली और विकास करीब तीन साल से रिश्ते में थे लेकिन परिजनों की रजामंदी न होने के कारण दोनों ने भागकर शादी की थी। शादी के बाद कुछ समय दोनों अहिरपुरवा में रहे फिर बेंगलुरु चले गए। चार दिन बाद विकास ने बबली को अकेले ट्रेन से आरा भेज दिया था। बुधवार की शाम दोनों के बीच फोन पर कहासुनी भी हुई थी। इसके बाद ही बबली ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया, ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

☞ **जांच में जुटी पुलिस :-** पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। बबली के मोबाइल से ऑनलाइन सट्टा संचालन की भी बात सामने आ रही है। जिसकी भी जांच की जा रही है। मृतका दो भाई और दो बहनों में दूसरे स्थान पर थी। उसके बड़े भाई गणेश की वर्ष 2020 में हत्या कर दी गई थी और शव कुल्हड़िया रेलवे ट्रैक के पास मिला था। घटना के बाद मृतका के घर में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने फिलहाल सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है।●

राजपुर बाजार में युवक पर चाकू से हमला

● गुड्डू कुमार सिंह

रोहतास जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के राजपुर निवासी चंदन भगत को आपसी रंजिश में एक युवक ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में युवक को इलाज के लिए स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए सासाराम रेफर कर दिया है। घायल युवक राजपुर बाजार का ही 30 वर्षीय चंदन भगत बताया जाता है। मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। बिक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय ने बताया कि हमला पूर्व की आपसी रंजिश को लेकर किया गया है। उन्होंने बताया कि हमलावर की पहचान आजाद मियां, निवासी राजपुर बाजार के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2024 में इसी प्रकार की एक घटना में घायल पक्ष की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसमें वर्तमान घायल चंदन भगत आरोपित था। उस समय उसे जेल भेजा गया था और हाल ही में वह जेल से छूटा था। बताते हैं कि रविवार की सुबह जब चंदन भगत राजपुर बाजार की एक गली से गुजर रहा था, तभी घात लगाये बैठे आजाद मियां ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। पेट और हाथ में गंभीर चोट लगने के बाद घायल को पहले सीएचसी राजपुर, फिर सासाराम सदर अस्पताल और अंत में बनारस रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ कुमार संजय के नेतृत्व में राजपुर, नासरीगंज, काराकाट और कच्छवां थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और पूरे राजपुर बाजार को घेर लिया। बाजार में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और पुलिस पूरी सतर्कता के साथ स्थिति पर नजर रखे हुए है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल बाजार क्षेत्र पूरी तरह सामान्य है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। किसी प्रकार की अफवाह से बचने और सौहार्द बनाये रखने के लिए पुलिस विशेष निगरानी कर रही है। पुलिस टीम कांड से जुड़े अन्य संभावित लोगों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।●

डबल मर्डर केस का एस.पी. ने किया खुलासा

● गुड्डू कुमार सिंह

रोहतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र में 30 मई को मां-बेटी की हत्या मामले का एसपी ने खुलासा किया है। डबल मर्डर केस मामले में पुलिस ने मृतका के जीजा को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। एसपी रौशन कुमार ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि कि नोखा थाना क्षेत्र के ग्राम लेवडा में साली के प्यार में पागल जीजा ही अपनी साली रुपाली और सास संतरा देवी का हत्यारा निकला। घटना में घायल एक छोटी साली अमृता कुमारी अभी भी वाराणसी के ट्रामा सेंटर में जिंदगी की जंग लड़ रही है। एसपी ने कहा कि मृतका संतरा देवी का दामाद रवि चौधरी जिसका असली नाम नाजिम हुसैन है। वह अपनी साली रुपाली कुमारी से एक तरफा प्यार करता था। वह सारण जिले के गड़खा बाजार का रहनेवाला है, जो फिलहाल में यूपी के गौतमबुद्ध नगर स्थित नोएडा में रह रहा था। उन्होंने बताया कि जहां पहले रहता था, वहां से कमरा बदल कर दूसरी जगह नया गांव में रहने लगा था, लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि घटना के दिन नाजिम हुसैन लेंवड़ा गांव अपने ससुराल आया हुआ था और घटना के दूसरे ही दिन वापस चला गया। घटना को अंजाम देने के बाद अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया और बरांव मोड़ फिर सासाराम होते नोएडा भाग गया। उन्होंने बताया

कि उसकी साली रुपाली कुमारी दिल्ली में करीब एक साल तक नाजिम हुसैन के साथ रही थी और उसी समय से आरोपी का उसके साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इधर कुछ दिनों से दूरी बना ली थी और बातचीत बंद कर दी थी। यही बात उसे अच्छी नहीं लगी, वो चाहता था कि रुपाली उसके साथ नोएडा में रहे, लेकिन रुपाली ने इनकार कर दिया था। एसपी ने बताया कि घटना की रात वो रुपाली को नोएडा ले जाने की जिद् कर रहा था, लेकिन रुपाली से नोंक-झोंक हो गई। गांव वालों को जानकारी नहीं हो, इसलिए रुपाली खेत की ओर ले जाने लगी, लेकिन इसी बीच नाजिम हुसैन उर्फ रवि चौधरी धारदार हथियार से हमला कर उसे मार डाला। गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस को बताया कि रुपाली को मारने के बाद वहीं पर था, इसी दौरान उसकी एक और साली अमृता कुमारी आ गई और शोर करने लगी तभी उसको भी हथियार से मार कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया, जो वाराणसी में इलाजरत है। मौके पर दोनों बेटियों को खोजते हुए मां संतरा देवी पहुंच गई और बेटियों को जमीन पर गिरा देखा तो हल्ला करने लगी तभी आरोपी दामाद ने सास को भी मौत के घाट उतार दिया। गिरफ्तार नाजिम हुसैन उर्फ रवि चौधरी ने पुलिस को बताया कि हत्या करने के बाद वह ट्रेन पकड़कर दिल्ली चला गया एवं पुलिस से बचने के लिए उसने सबसे पहले अपना डेरा बदल लिया और छिपकर रहने लगा।●

पांच हजार घूस लेते जीआरपी दरोगा गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

सासाराम रेलवे स्टेशन के जीआरपी कार्यालय में 5 हजार रुपये घूस लेते हुए एएसआई विजय कुमार सिंह को निगरानी विभाग ने गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एएसआई विजय कुमार सिंह ने एफआईआर में नामित व्यक्ति को बेल देने के लिए 15 हजार रुपये का घूस मांगा था। बताया जाता है कि बुधवार की दोपहर निगरानी विभाग की टीम अचानक सासाराम रेलवे स्टेशन पर स्थित जीआरपी थाना पहुंची। जहां संझौली की रहने वाली सहायक उत्पाद निरीक्षक बरांती कुमारी से पांच हजार घूस लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। हालांकि, जीआरपी दरोगा ने विरोध करने की कोशिश भी की, लेकिन निगरानी विभाग के जवानों ने उन्हें धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद निगरानी विभाग की टीम दारोगा को सर्किट हाउस लेकर आई। जहां टीम द्वारा घूस

की राशि को जब पानी में भिंगोया गया तो पानी लाल हो गया। कागजाती प्रक्रिया पूरी करने के बाद घूसखोर दारोगा को टीम पटना ले गई। निगरानी विभाग की डीएसपी किरण कुमारी के मुताबिक बरांती कुमारी के पति रंजित कुमार पर मारपीट से संबंधित जीआरपी थाने में मामला दर्ज था। थाने से बेल देने के नाम पर 15 हजार रुपये घूस की डिमांड की गई थी। उक्त दोरागा द्वारा बंसती देवी को काफी दिनों से परेशान किया जा रहा था। बुधवार को पांच हजार रुपये लेकर वो थाने पहुंची थीं। जैसे ही यह पैसे सब इंस्पेक्टर विजय कुमार सिंह को दिया गया वैसे ही दारोगा निगरानी विभाग की टीम के हत्थे चढ़ गए। उन्होंने बताया कि इसके पहले भी इस मामले की कई बार पड़ताल किया गया था। पहले निगरानी विभाग की टीम द्वारा इस मामले का सत्यापन कराया गया। सत्यापन के बाद ही उसे गिरफ्तार किया गया।●

राजस्व कर्मचारी और दलाल दोनो गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

रोहतास जिले के दावथ अंचल कार्यालय में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने गुरुवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की। पटना से आई टीम ने राजस्व कर्मचारी कन्हैया कुमार और बिचौलिया सुनील कुमार को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। बभनौल पंचायत में तैनात राजस्व कर्मचारी कन्हैया कुमार एक जमीन से जुड़े मामले में 18 हजार रुपए की रिश्वत ले रहे थे। निगरानी विभाग ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पटना ले गया। बताया जाता है की दावथ के रहने वाले बिट्टू कुमार नामक एक व्यक्ति से 40 डिसमिल जमीन के दाखिल खारिज करने के नाम पर पिछले तीन महीना से उसे दौड़ाया जा रहा था। सीओ के द्वारा भी कई बार दौड़ाने के बावजूद काम जब नहीं किया गया। बाद में राजस्व कर्मी कन्हैया कुमार ने 40 डिसमिल जमीन के दाखिल खारिज के लिए 18 हजार रुपया की मांग की। उसके बाद पीड़ित व्यक्ति निगरानी के संपर्क में गया एवं आज निगरानी ने 18 हजार रुपए रिश्वत लेते राजस्व कर्मी कन्हैया कुमार तथा उसके एक दलाल

सुनील सिंह को रंगे हाथ पकड़ लिया। निगरानी डीएसपी डीएल श्रीवास्तव के मुताबिक, व्यक्ति की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। शिकायत का सत्यापन करने के बाद विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया। पैसों के लेनदेन के दौरान राजस्व कर्मचारी और बिचौलिया को पकड़ा गया। दोनों को निगरानी की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। बता दें कि रोहतास जिले में पिछले दो महीनों में निगरानी विभाग और सीबीआई की यह पांचवीं कार्रवाई है।●

सीमा विवाद में घंटों पड़ा रहा शव, इंसानियत हुई शर्मसार

● गुड्डू कुमार सिंह

चौसा-बक्सर रेलखंड पर गुरुवार की दोपहर चौसा रेलवे स्टेशन के 76बी रेलवे गेट के समीप अप लाइन पर पोल संख्या 671/9 के पास एक 30 वर्षीय युवक की ट्रेन से गिरने से मौत हो गई। वहां मौजूद लोगों के मुताबिक युवक सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन से गिरा था। घटना की सूचना पर बक्सर जीआरपी और मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

☞ **सीमा विवाद में घंटों पड़ा रहा शव :-** सीमा विवाद के चलते शव को उठाने को लेकर दोनों के बीच क्षेत्राधिकार का विवाद शुरू हो गया। दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटते रहे, जिससे मृतक का शव घंटों तक रेलवे ट्रैक के किनारे पड़ा रहा। इस लापरवाही से स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई। लोगों का कहना था कि प्रशासन की इस खींचतान ने न केवल शव का अपमान किया, बल्कि मानवता को भी शर्मसार किया। लोगों ने कहा की यह मामला किसी क्षेत्र का हो, सबसे पहले इंसानियत जरूरी है। शव को यूं छोड़ देना दुखद और

निंदनीय है। जीआरपी प्रभारी विजेंद्र कुमार का कहना था कि शव आउटर सिग्नल से बाहर मिला है, इसलिए कार्रवाई की जिम्मेदारी स्थानीय थाना की है। वहीं, मुफस्सिल थाना पुलिस का कहना था कि हादसा रेलवे ट्रैक के बीचोबीच पर हुआ है, इसलिए यह जीआरपी का मामला बनता है। करीब तीन घंटे तक चला यह विवाद आखिरकार उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप से खत्म हुआ और मुफस्सिल पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इधर, मुफस्सिल पुलिस ने बताया कि युवक की अभी पहचान नहीं हो पाई है। घटना ने एक बार फिर प्रशासनिक समन्वय की कमी को उजागर किया है। साथ ही, यह सवाल खड़ा कर दिया है कि ऐसी स्थिति में आम जनता की सुरक्षा और संवेदनाओं का ख्याल कौन रखेगा। मामले की जांच जारी है।●

एफ.आई.आर. नम्बर- 5793007240444 बनाम 5793007240663

आदर्श नगर थाना की कर्तव्यनिष्ठता

● बिन्ध्याचल सिंह

'मुंह देख बीडा– चुतर देख पीढा'' उपयुक्त भोजपुरी कहावत आदर्श नगर थाना में उस वक्त चरितार्थ होते पाया गया। जब कांड संख्या 5793007340663/2024 के बारे में थानाध्यक्ष से केवल सच प्रतिनिधि मिलने के लिए थाना परिसर में दस्तक दिये। एक सवाल के जबाव में थानाध्यक्ष ने कहा कि इससे आपको क्या काम है यहॉ पदाधिकारीयो का स्थांतरण होते रहता है। महोदय का जानकारी देने का अंदाज चलचित्र के नायक से मिलती–जुलती थी। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि जुलाई–2013 से बक्सर पुलिस की सफलता लगातार अन्य जिले के पुलिसकर्मी के लिये अनुकरणीय है। जिसका प्रमाण बक्सर पुलिस की कई ऐसी सफलताएँ है। जिसका तत्काल प्रमाण अहियापुर के ट्रिपल मर्डर के आरोपियो को बक्सर पुलिस के बढते दबाव के कारण महज एक सप्ताह में कोर्ट में आत्मसर्मण करना पडा। परन्तु आदर्श नगर थाना की कर्तब्यनिष्ठता कुछ इस प्रकार है।

महंत चन्द्रमा दास चेला स्वर्गीय महंथ लखन दास साकिन–बडी मठिया रामरेखा घाट बक्सर के द्वारा 14/08/2024 को समय दिन के लगभग 9 बजे आर्दश नगर थाना में मुमताज अली पर प्राथमिकी दर्ज कराते है। जिसमें 85 हजार की समान की चोरी का आरोप लगाये है। महंथ के आवेदन के आलोक में प्राथमिकी कांड दर्ज कर तत्काल मुमताज अली को गिरफ्तार किया गया, इतना ही नही 14/08/2024 को जेल भी भेज दिया गया। जिस कांड में अली जी को जेल भेजा गया था उसका कांड संख्या–5795007240444/2024 आई ओ–राम कुमार सिंह है। महंथ चन्द्रमा दास के द्वारा दी गई आवेदन एवं चुडी बाजार से प्राप्त जानकारी के आलोक में प्राथमिकी दर्ज के पहले चुडी बाजार में कोई भी दुकान का नम्बर–24क नही था। जो जॉच का विषय है, परन्तु जॉच किसी भवन प्रमण्डल बिहार सरकार के अभियंता से कराने की आवश्यकता होगी। मुमताज अली के बारे में जब प्रतिनिधि ने चुडी बाजार, रामरेखा घाट और कोईरपुरवा से जानकारी इक्कठा कि तो पता चला कि मुमताज अली में चलचित्र सूर्यवंश्म के नायक की तरह पुरी व्यवहार मिलता है। आदर्श नगर थाना कि कर्तब्यनिष्ठता में दुसरा कांड संख्या–5793007340663/2024 है। जो दिनांक 07/12/2024 को 11 बजकर 30 मिनट पर प्राथमिकी कांड संख्या दर्ज है। कांड संख्या 5795007240444/2024 पर आदर्श नगर थाना ने महज 12 घंटे के अन्तर आरोपी को जेल भेज दिया, जो मात्र 85 हजार रू0 चोरी का आरोप था। परन्तु उसी महंथ पर कृष्ण बिहारी उपाध्याय पिता कैलाश बिहारी उपाध्याय रामबाग बक्सर ने दिनांक 07/12/2024 को महंत सहित कुल पॉच लोगो पर करोडो रू0 की घोटाले का आरोप लगाते हुये प्राथमिकी दर्ज कराये है। परन्तु खबर लिखे जाने तक यानि लगभग 8 महीना बाद भी कांड सख्या–5793007340663/2024 पर कोई कारवाई नही की गई है। कांड संख्या–57930073400663/2024 की जानकारी के कांड के आई0ओ0 से कोशिश की गई तो आई0ओ साहब ने खाना खाकर मिलने की बात मोबाईल से

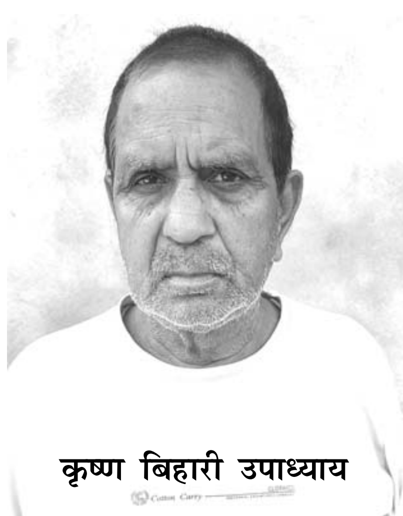

कृष्ण बिहारी उपाध्याय

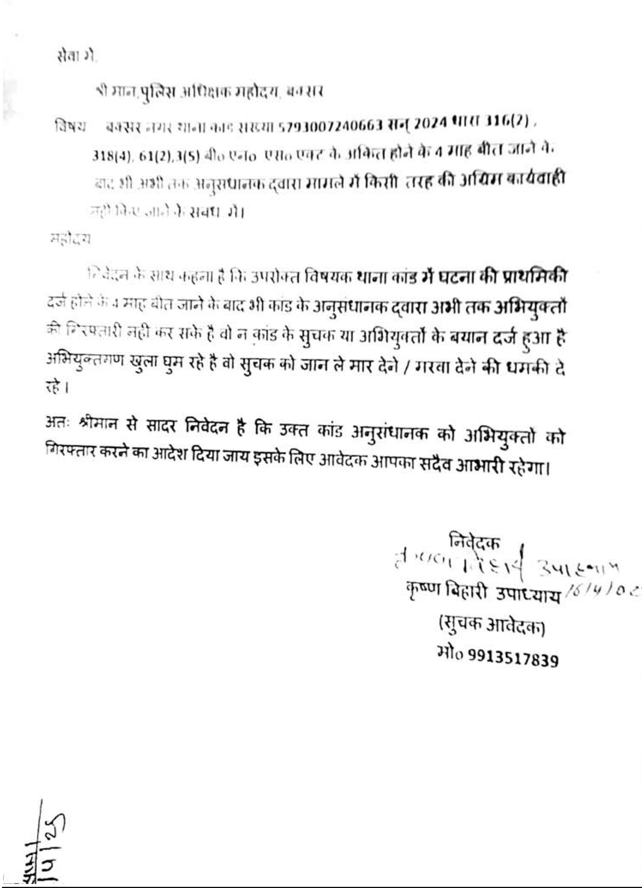

सेवा में,

श्री मान पुलिस अधिक्षक महोदय, बक्सर

विषय – बक्सर नगर थाना कांड संख्या 5793007240663 सन् 2024 धारा 316(2), 318(4), 61(2),3(5) बी० एन० एस० एक्ट के अंकित होने के 4 माह बीत जाने के बाद भी अभी तक अनुसंधानक द्वारा मामले में किसी तरह की अग्रिम कार्यवाही नही किए जाने के संबंध में।

महोदय

निवेदन के साथ कहना है कि उपरोक्त विषयक थाना कांड में घटना की प्राथमिकी दर्ज होने के 4 माह बीत जाने के बाद भी कांड के अनुसंधानक द्वारा अभी तक अभियुक्तों की गिरफ्तारी नही कर सके है वो न कांड के सुचक या अभियुक्तों के बयान दर्ज हुआ है अभियुन्तगण खुला घुम रहे है वो सुचक को जान से मार देने / मरवा देने की धमकी दे रहे।

अतः श्रीमान से सादर निवेदन है कि उक्त कांड अनुसंधानक को अभियुक्तो को गिरफ्तार करने का आदेश दिया जाय इसके लिए आवेदक आपका सदैव आभारी रहेगा।

निवेदक

कृष्ण बिहारी उपाध्याय

(सुचक आवेदक)

मो० 9913517839

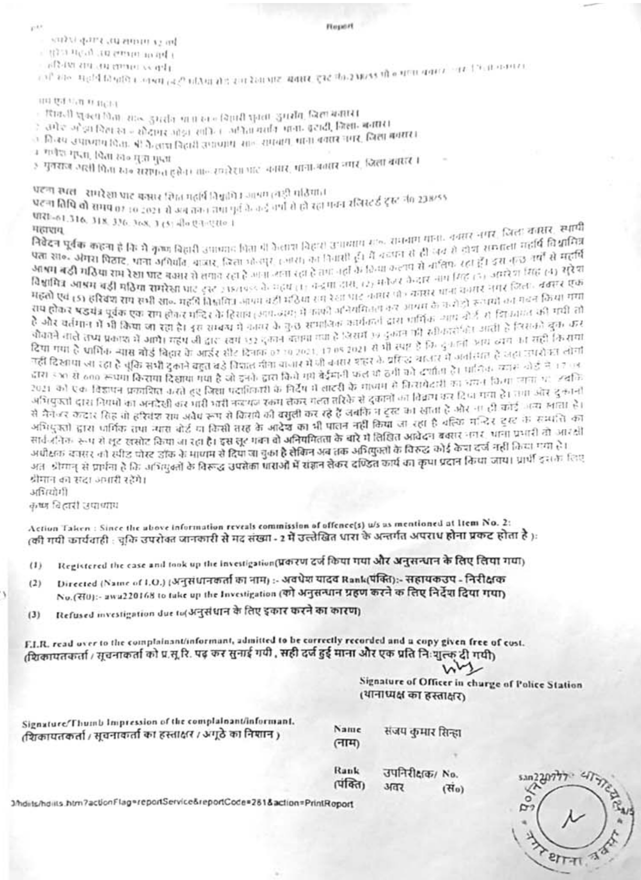

Action Taken : Since the above information reveals commission of offence(s) u/s as mentioned at Item No. 2:
(की गयी कार्यवाही : चुकि उपरोक्त जानकारी से मद संख्या - 2 में उल्लेखित धारा के अन्तर्गत अपराध होना प्रकट होता है):

(1) Registered the case and took up the investigation(प्रकरण दर्ज किया गया और अनुसन्धान के लिए लिया गया)

(2) Directed (Name of I.O.) (अनुसंधानकर्ता का नाम) :- अवधेश यादव Rank(पंक्ति):- सहायकउप - निरीक्षक No.(सं0):- awa220168 to take up the Investigation (को अनुसन्धान ग्रहण करने क लिए निर्देश दिया गया)

(3) Refused investigation due to(अनुसंधान के लिए इकार करने का कारण)

F.I.R. read over to the complainant/informant, admitted to be correctly recorded and a copy given free of cost.
(शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता को प्र.सू.रि. पढ़ कर सुनाई गयी , सही दर्ज हुई माना और एक प्रति निःशुल्क दी गयी)

Signature of Officer in charge of Police Station
(थानाध्यक्ष का हस्ताक्षर)

Signature/Thumb Impression of the complainant/informant.
(शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता का हस्ताक्षर / अगूठे का निशान)

Name (नाम) संजय कुमार सिन्हा

Rank (पंक्ति) उपनिरीक्षक/ अवर No. (सं0)

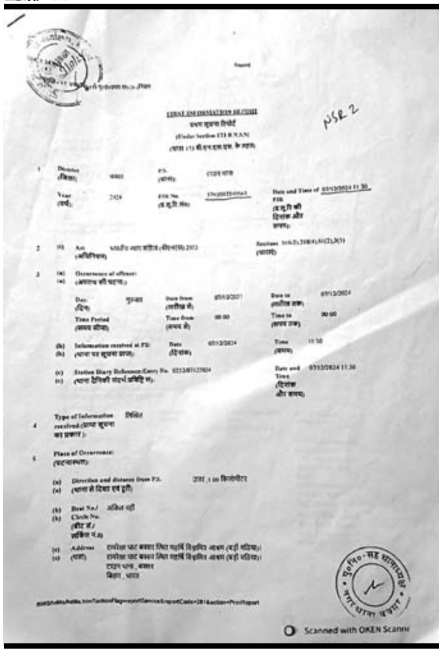

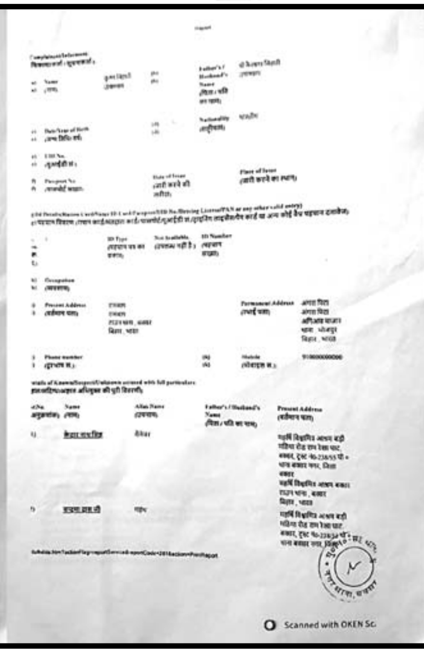

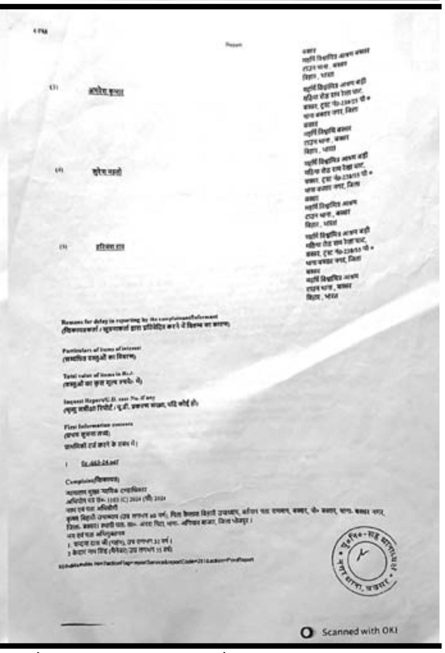

बताई परन्तु लगभग तीस मिनट तक भी कांड के आई0ओ0 साहब थाना परिसर में नही मिल पाये। परन्तु सोचनिये तथ्य यह है कि वही करोडो के गबन के आरोपी जिसका कांड संख्या-57930073400663/2024 है, पर लगभग आठ महीना बाद भी कोई कारवाई न होना कई तरह की सवाल उत्पत्र करता है। कृष्ण बिहार उपाध्याय के शुभ-चिन्तक ने केवल सच प्रतिनिधि को चुडी बाजार में जानकारी दी कि सुशासन की सरकार है पुलिस अपनी हिसाब से कार्य करती है। यही मुख्य वजह है कि 85 हजार रू0 की चोरी के आरोपी को नगर थाना महज 12घंटे में सलाखो में पहुँचा दी और करोडो के गबन करने वाले महंथ चन्द्रमा दास पर लगभग आठ महीना बाद भी कोई कारवाई नही की गई।●

रवि प्रकाश श्रीवास्तव

महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र बक्सर के पत्रांक 202 और 377 के आलोक में

कृष्णादेव सिंह

पीएमएफएमई योजना

● बिन्ध्याचल सिंह

केन्द्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना पीएमएफएमई योजना बेरोजगारी युवक को स्वावलंम्बी बनाने में संजीवनी बुटी साबित हो रही है। इस योजना का लाभ उठाकर आप भी पीएमएफएमई योजना के माध्यम से अपनी जिंदगी सकुशल व्यवीत कर सकते है। आज योजना के माध्यम से अनेक युवक अपनी जीवन निर्वाहन कर रहे है। जहॉ तक जिला उद्योग केन्द्र बक्सर की बात की जाय तो जिला उद्योग केन्द्र बक्सर में सेवा दे रहे जिला संसाधन सेवी, अथक प्रयास कर रहे है ताकि बक्सर जिला बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त कर सके। जानकारी के लिये बताते चले कि विगत वर्ष-2024-2025 मे जिला उद्योग केन्द्र बक्सर में कुल 154 आवेदन स्वीकृत किया गया है। वही जिला उद्योग केन्द्र बक्सर में 54 जिला संसाधन सेवी का आर्ड डी कार्ड निर्गत है,परन्तु 10-12 जिला संसाधन सेवी सक्रिय है। जिनकी अथक प्रयास से जिला में बेरोजगार युवक को रोजगार उपलब्ध हो रही है। जानकारी के अनुसार जुन-2025 के अंक में छपी खबर श्री श्रीवास्तव की वितीय वर्ष-2025-2026 में अबतक की कार्यशैली सराहनीय हो रही है जिसकी जानकारी अगस्त-2025 के अंक में उपलब्ध कराई जायेगी। दुसरे शब्द में:-दिन भर का भूला अगर शाम को घर आ जाय तो उसे भूल नही कहते। चौथे जिला संसाधन सेवी श्री कृष्णदेव सिंह है, उनकी भी कार्य 2024-2025 में सराहनीय था। मिली जानकारी के अनुसार श्री सिंह की कुल लगभग 24-25 आवेदन की स्वीकृती थी। जिसके लिये उन्होने अथक प्रयास के बावजूद सफलता हासिल कर चुके है। अगर उनकी व्यक्तिव की बात की जाय तो श्री कृष्णदेव सिंह उदारवादी एवं परमार्थी सोच के साथ आम जनता के प्रति सेवाभाव रखते है। प्रतिभा के धनी विकसित पंचायत मुगॉव निवासी अपनी जिंदगी के लगभग 40 बसंत का आनन्द ले चुके है। उनकी परमार्थी व दूरदर्शी सोच रखने वाले श्री कृष्णदेव सिंह ने वितिय वर्ष-2023-2024 एवं 2024-2025 दर्जनो बेरोजगार यूवक को रोजगार उपलब्ध कराने में सफल है।

अतिथी के रूप में श्री कृष्णदेव सिंह से समाहराणय गेट के सामने सुधा डेयरी के पास मुलकात 09 जुलाई 2025 को हुई, मुलकात के दौरान श्री कृष्णदेव सिंह से पीएमएफएमई योजना से सम्बन्धित सवालो की बरसात की गई तो उन्होने सभी सवालो का जवाब केवल दो वाक्य में दिये। पहला-बिहार में सुशासन की सरकार है और दुसरा-भोजपुरी कहावत:- '' केकर-केकर धरी नाव कमरी ओढले सउसे गॉव''।●

PMFME

सूक्ष्म उद्यमों का संबल

देवघर के राजकीय श्रावणी मेला, 2025 का विधिवत किया गया शुभारंभ

● **गुड्डी साव**

दिनांक-10.07.2025 को मंत्री, श्री सुदिव्य कुमार नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग तथा पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग तथा पंचायती राज विभाग, मंत्री, संजय प्रसाद यादव श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तया उद्योग विभाग, विधायक, देवघर श्री सुरेश पासवान, विधायक, सारठ उदय शंकर सिंह, विधायक, जरमुण्डी श्री देवेन्द्र कुंवर के द्वारा संयुक्त रूप से श्रावणी मेला, 2025 का शुभ उद्घाटन किया गया। इस दौरान झारखण्ड सीमा पर अवस्थित दुम्मा कांवरिया पथ में श्रावणी मेला का विधि-विधान पूर्वक 11 वैदिक पुरोहितों द्वारा बाबा बैद्यनाथ की पूजा के साथ विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला, 2025 का विधिवत शुभारंभ किया गया। इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान माननीय मंत्री, सुदिव्य कुमार नगर विकास एवं आवास विभाग, ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि पावन व पवित्र श्रावणी मेला का शुभारंभ आज से हो रहा है। शिव और शक्ति के निवास स्थान बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में 11 जुलाई से 09 अगस्त तक चलने वाले मेले में कांवरियों की सेवा भगवान शिव की सेवा करने के समान है। आगे उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देवतुल्य श्रद्धालु अच्छी स्मृति लेकर जाएं इसके लिए सुविधाएं बेहतर करने की कोशिश सरकार और जिला प्रशासन ने की है। साथ ही मेला क्षेत्र को एआइ आधारित सिस्टम बनाया गया है। AI Chatbot, शिकायत निवारण हेतु क्यूआर कोड की सुविधा, बुजूर्ग, दिव्यांग व बच्चों के लिए त्थ्य्क बैंड से ट्रैकिंग और ट्रेसिंग की सुविधा सुनिश्चित की गयी है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हर साल मेले को बेहतर करने की सरकार की योजना है। साथ ही कांवरिया पथ खिजुरिया से मानसरोवर तट स्थित क्यू काम्प्लेक्स तक फूट ओवरब्रिज बनाने की भी योजना है, ताकि सर्कुलर रोड को पार करने में भक्तों को आ रही परेशानी को दूर किया जा सके। इसके बन जाने से झारखंड की सीमा में प्रवेश करने के बाद श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने का एक डेडिकेटेड कांवरिया पथ हो जाएगा। इससे भक्तों के साथ साथ शहर की यातायात व्यवस्था और आमजन की परेशानी भी कम हो जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, ग्रामीण विकास विभाग, ने कहा कि सब मिलकर मेला को सफल बनाएंगे। बाबा की कृपा से बारिश हो रही है। इससे भक्तों के साथ साथ किसानों को भी फायदा होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि देवघर अपने भव्य स्वरूप के साथ बाबाधाम आने वाले सभी कांवरियों के अभिनंदन के लिए तैयार है। ऐसे में सभी मिलकर मेले का सफलता से आयोजन करें, ताकि यहां आने वाले देवतुल्य श्रद्धालु एक अच्छी अनुभूति प्राप्त कर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करें। इसके अलावे मंत्री, संजय प्रसाद यादव श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण ने अपने संबोधन में कहा कि नगर विकास मंत्री और जिला प्रशासन ने बेहतर इंतजाम का काम किया है, जिससे कांवरिया सुखद अनुभव के साथ यहां से लौटेंगे यह भरोसा है। इसके अलावा कार्यक्रम की शुरूआत में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के शुभ उद्घाटन के अवसर पर मंच पर उपस्थित मंत्री और विधायकों संग श्रद्धालुओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि 11 जुलाई से 09 अगस्त तक चलने वाले विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला में राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा सुलभ, सुरक्षित जलार्पण की व्यवस्था के अलावा देवतुल्य श्रद्धालुओं ही हर सुख-सुविधा का ख्याल रखा जाएगा, ताकि बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर से श्रद्धालु एक अच्छा अनुभव लेकर प्रस्थान करें। मेला में कृत प्रशासनिक एवं श्रद्धालुओं को दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं को और भी बेहतर करने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और उनकी आवश्यकता पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ की नगरी से एक अच्छी अनुभूति प्राप्त कर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करें। साथ ही मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुरूप विभिन्न नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इस कड़ी में मेला क्षेत्र में AI CHATBOT के माध्यम से श्रद्धालु मेला क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न आवश्यक जानकारी प्रदान की जायेगी। साथ ही श्रावणी मेला के दौरान मेला क्षेत्र में असुविधा या कमी दिखने पर QR CODE को स्कैन कर तस्वीर के साथ समस्या को साझा कर सकते हैं, जिसके पश्चात 15 मिनट में समस्या का समाधान किया जाएगा। सुरक्षा के दृष्टिकोण से ANPR] Face Recognition, Headcount कैमरों का उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा RFID तकनीक का उपयोग बच्चों, बुजुर्ग और दिव्यांग श्रद्धालुओं हेतु की जा रही है, ताकि उन्हें ट्रैक और ट्रेस आसानी से किया जा सके। श्रद्धालुओं को नई अनुभूति प्रदान करने के उद्देश्य से शिवलोक परिसर में भव्य प्रदर्शनी और सांस्कृतिक मंच का निर्माण भी कराया गया है।●

कथारा कोकिंग कोल वाशरी के लिए अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर

● गुड्डी साव

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कंपनी, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) सीआईएल में निर्माण-स्वामित्व-संचालन (BOO) अवधारणा पर आधारित पहली परियोजना, न्यू कथारा कोकिंग कोल वाशरी, के लिए अनुबंध समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर किया गया। यह सीसीएल के उस मिशन के अनुरूप है। जिसके तहत कोयले की गुणवत्ता में सुधार लाना, उच्च-गुणवत्ता वाले स्वदेशी धुले हुए कोकिंग कोल की आपूर्ति करके भारत के ऊर्जा एवं धातुकर्म क्षेत्रों को सहयोग प्रदान करना और आयातित कोकिंग कोल पर देश की निर्भरता कम करना है। इस अनुबंध पर वाशरी निर्माण विभाग के महाप्रबंधक श्री सुरेश तालंकर और कथारा क्षेत्र, महाप्रबंधक श्री संजय कुमार द्वारा सीसीएल और जीसीएमपीएल के प्रबंध निदेशक की ओर से 10 जुलाई 2025 को सीसीएल और मेसर्स ग्लोबल कोल एंड माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड (जीसीएमपीएल), जो कोयला धुलाई अवसंरचना में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रतिष्ठित फर्म है, के बीच आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए। इस समारोह में सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री एन.के.सिंह, सीसीएल के निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा और सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र उपस्थित थे। नई कथारा कोकिंग कोल वाशरी का निर्माण झारखंड के बोकारो जिले के कथारा क्षेत्र में किया जाएगा, जिसकी नियोजित क्षमता 3.00 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) होगी। लगभग 380 करोड़ रुपये मूल्य की यह वाशरी परियोजना, सीसीएल की चल रही आधुनिकीकरण और विस्तार रणनीति का हिस्सा है। एक बार चालू हो जाने पर, यह सुविधा राख की मात्रा को कम करके और इस्पात निर्माण में उपयोग के लिए इसकी उपयुक्तता को बढ़ाकर, क्षेत्र से उत्पादित कच्चे कोयले की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाएगी।इस अनुबंध के कार्यान्वयन में निदेशक तकनीकी (परियोजना एवं योजना) श्री शंकर नागाचारी एवं निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री चन्द्र शेखर तिवारी का विशेष योगदान रहा।

☞ **परियोजना समय-सीमा:** 36 महीना ।

☞ **कार्यान्वयन मॉडल:** निर्माण- स्वामित्व- संचालन (BOO)।

हस्ताक्षर समारोह में बोलते हुए, ब्ब्स के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने कहा कि नई कथारा वाशरी परियोजना कोयले की गुणवत्ता में सुधार, परिचालन दक्षता बढ़ाने और हमारे हितधारकों को मूल्य प्रदान करने के लिए हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती है। यह सुविधा स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा देगी और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देगी। यह परियोजना भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत और कोकिंग कोल उत्पादन में आत्मनिर्भरता (मिशन कोकिंग कोल) के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। ज्ञात हो की सीएमडी सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह के नेतृत्व मे सीसीएल अन्य चार कोल वाशरियों के निर्माण हेतु प्रयासरत है।●

सीएमपीडीआई में स्वच्छता पखवाड़ा संपन्न

● गुड्डी साव

सीएमपीडीआई अपने मुख्यालय एवं क्षेत्रीय संस्थानों में स्वच्छता योद्धाओं को ''स्वच्छता पखवाड़ा'' के समापन समारोह में सम्मानित किया। संस्थान के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) श्री शंकर नागाचारी ने सफाई कर्मचारियों को उनकी सेवाओं के लिए सराहना के प्रतीक के रूप में उपहार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर संस्थान के महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण, वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। श्री नागाचारी ने स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा कि स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन में अपनाना महात्मा गांधी जी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने की कुंजी है। इसके अलावा] उन्होंने स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान की गयी विभिन्न गतिविधियों के लिए सीएमपीडीआई की सराहना की और सभी कर्मियों को पूरे साल स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने की अपील की। सीएमपीडीआई ने

16 से 30 जून, 2025 तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान एकल उपयोग प्लास्टिक पर अंकुश लगाने, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ पेयजल आदि पर जागरूकता अभियान और स्वच्छता अभियान, अपशिष्ट/कूड़े का निपटान, वर्षा जल संचयन प्रणाली की सफाई, सीवेज उपचार संयंत्र, तालाबों की सफाई आदि जैसी गतिविधियां चलायी गयी। इस दौरान सीएमपीडीआई (मुख्यालय), रांची के अलावा क्षेत्रीय संस्थानों और गवेषण शिविरों में लोगों के बीच स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन और चित्रकला जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों ने देश में स्वच्छता और बेहतर स्वास्थ्य के लिए महात्मा गांधीजी के सपने को साकार करने के लिए 16 से 30 जून, 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया।●

हूल दिवस पर प्रशासन के द्वारा लाठीचार्ज

● गुड्डी साव

30 जून वह ऐतिहासिक दिन है जिस दिन पूरे झारखंड वासी हूल दिवस के नाम से मनाते हैं यह दिन वह है जिस दिन झारखंड के माटी से पहली बार गूंजी थी स्वाभिमान की गूंज । सिद्धू-कान्हू चांद भैरव, फूलों झानों ने हूल शुरू कर झारखंड की चेतन को जन्म दिया । हर साल की तरह इस साल भी भोगनाडीह की धरती पर हूल दिवस का पर्व मनाया जा रहा था । झारखंड के साहिबगंज जिले के बरहेड प्रखंड में स्थित ऐतिहासिक भोगनाडीह इस बार चर्चित में है वजह वहां पर हंगामा और पुलिस कार्रवाई की है । दरअसल सिद्धो कान्हू हूल फाउंडेशन और आतू मांझी संगठन हर साल की तरह इस बार भी हूल दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे लेकिन देर रात अचानक प्रशासन पहुंचकर और बिना कुछ सूचना दिए हुए कार्यक्रम स्थल का पंडाल खुलाने लगे ।आरोप है कि बिना अनुमति का हवाला देकर प्रशासन ने इस तरह की कार्रवाई कर दी । सुबह होते ही ग्रामीणों का आक्रोश टूट पड़ा सिद्धू कान्हू जिंदाबाद कर लोग प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे भीड़ का गुस्सा प्रशासन पर पड़ने लगा लोगों का कहना था प्रशासन ने हमारी भावना हमारी आस्था का और पूर्वजों का अपमान किया है । पूरे गांव का कहना था जब हर साल कार्यक्रम होता आया है तो इस बार उन्हे क्यूं रोका गया लोगो का आक्रोश भी सही था । सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जब हर साल हूल दिवस पर भोगनाडीह में कार्यक्रम होता है तो

इस बार क्यूं रोका गया उन्हे । इसके बाद प्रशासन और प्रदर्शन कार्यों के बीच टकराव बढ़ने लगी और फिर लाठियां चलने लगी पुलिस ने ग्रामीणों पर आंसू गैस के गोले भी छोड़े जिसकी वजह से कई ग्रामीण भी घायल हुए ग्रामीण बिना अपराध किये प्रशासन के हाथों घायल हुए । आखिरकार क्या गलती कर बैठे भोगनाडीह के लोग जो इस तरह की सजा मिली वहां के लोगों को । इस तरह के वारदात पर सवाल किए जाने पर प्रशासन ने कहा की अनुमति नहीं थी इसलिए कार्रवाई की गई। इस पूरी घटना को लेकर विपक्ष ने राज्य सरकार को घेरा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भोगनाडीह में हूल दिवस के दिन आदिवासी समाज के ऊपर हुए लाठीचार्ज की घटना पर कड़ी निंदा की है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हूल दिवस के पावन अवसर पर भोगनाडीह में पुलिस द्वारा किए गए लाठी चार्ज और आंसू गैस के प्रयोग की घटना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है इस बर्बर कार्यवाही में कई ग्रामीण घायल हुए हैं साहिबगंज एसपी से दूरभाष पर पूरी घटना की जानकारी मिली है कहा की इस तरह की बर्बरता अंग्रेजी हुकूमत के दौर की यादें ताजा कर दी है । हूल क्रांति की भूमि पर छह: पीढ़ियों के बाद एक बार फिर से सिद्धू कान्हू के वंशजों को अत्याचार और अन्य के विरुद्ध सड़क पर उतरना पड़ा । घुसपैठियों की गोद में बैठी राज्य सरकार नहीं चाहती है कि झारखंड का आदिवासी समाज अपने पुरखों की वीरगाथाओं और बलिदानों से प्रेरित होकर अपनी अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित हो। उन्होंने कहा कि लेकिन सरकार कि यह साजिश कभी सफल नहीं होगी जिस तरह वीर सिद्धू कान्हू, चांद भैरव और फूलों झानो ने हूल क्रांति के माध्यम से अंग्रेजी सत्ता की नीव हीला दी थी उसी तरह आज भोगनाडीह में लाठी चार्ज की दमनकारी घटना हेमंत सरकार के पतन का कारण सिद्ध होगी।●

हफीजूल हसन अंसारी की सफल हुई हार्ट सर्जरी

● गुड्डी साव

झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण व जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन अंसारी की दिल्ली के निजी अस्पताल में हार्ट सर्जरी की गई है कुछ दिनों पहले मंत्री के स्वास्थ्य जांच में उनके हार्ट में ब्लॉकेज की पुष्टि हुई थी जिसकी वजह से उनकी पिछले कई दिनों से दिल्ली में इलाज चल रहा था। मंत्री हफीजुल हसन की हार्ट की सर्जरी 4 जुलाई को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें चार दिनों तक आराम की सलाह दी। डॉक्टरों की निगरानी से उन्हें तेजी से स्वास्थ्य लाभ मिलता रहा सर्जरी के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन मेदांता हॉस्पिटल 8 जून को पहुंचकर मंत्री हफीजुल हसन से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। अभी फिलहाल उनके स्वास्थ्य में धीरे धीरे सुधार हो रही है। ●

कई गरीबों और जरूरतमंदों को मिली सहायता

● गुड्डी साव

वासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन की शुरुआत उस समय शुरू हुई जब कोरोना ने पूरे देश में मचाया था कोहराम । पूरे देश में जिस समय कई अपनों ने ही अपनों का साथ छोड़ दिया था रोज कितनी मौत होती थी कोरोना की वजह से जिसकी सही खबर किसी नागरिक को नहीं थी । कोरोना के समय कई लोग बेरोजगार हो चुके थे । उस समय गरीबों के बीच खड़े होकर इस संस्था ने कई लोगों को भोजन कराने का काम शुरू किया। ऐसे में झारखंड रांची में आगे बढ़कर रांची के कई गरीबों और जरूरतमंदों के बीच खड़े होकर इस संस्था ने उनका साथ दिया । कोरोना के समय से यह संस्था स्वर्गीय वासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन के नाम से अब रांची ही नहीं रांची से भी हटकर अपनी पहचान बना चुकी है। ऐसे कई कार्य हो रहे हैं इस ट्रस्ट के माध्यम से जिसकी वजह से कई बच्चों और बड़े बुजुर्गों को खुशी ही नही दे रही है बल्कि इसके अलावा उनकी जरूरतें भी पूरी कर रही है। बता दें कि यह ट्रस्ट 2020 से शुरु हुई है मगर कोरोना खत्म होने के बाद भी

यह ट्रस्ट अपना काम बिना स्वार्थ के समाज की सेवा में लगी हुई है। बात करें इस ट्रस्ट की तो स्वर्गीय वासुदेव चौटर्जी के नाम से यह ट्रस्ट चलता है इस ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव चटर्जी हैं। जिनके पिता वासुदेव चटर्जी थे। राजीव चटर्जी ने अपने पिता स्वर्गीय वासुदेव चटर्जी के नाम पर यह समाज सेवा का काम शुरू किया है अध्यक्ष राजीव चटर्जी का कहना है कि यह समाज सेवा की प्रेरणा उन्हें उनके पिता से मिली है। फादर्स डे के मौके पर यह संस्था जरूरतमंद बच्चों के लिए पाठन सामग्री का वितरण भी करती है। ठंड के मौसम में भी ग्रामीणों में जरूरतमंदों को कंबल और भोजन वितरण का कार्य कर चुकी है यह ट्रस्ट रांची ट्रैफिक पुलिस कर्मियों का सम्मान समारोह का कार्यक्रम भी कर चुकी है। स्वतंत्रता दिवस पर रांची ओवरब्रिज के निकट अनंतपुर में पौधा रोपण भी की है। उर्स पर्व में भी इस ट्रस्ट के माध्यम से कार्य की गई है। किसी नागरिक को अगर किसी तरह की कोई समस्या हो तो राजीव चटर्जी के द्वारा उस समस्या का समाधान करने की कोशिश रहती है इस ट्रस्ट में अध्यक्ष राजीव चटर्जी का साथ ताबुन चटर्जी, अश्विनी संग अन्य कई सदस्य सहयोग के लिए आगे रहते हैं।●

जल-जमाव की समस्या पर रांची नगर निगम की त्वरित कार्रवाई

मॉनसून के दौरान अलर्ट मोड में रहते हुए रांची नगर निगम की टीम द्वारा जल-जमाव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाएं जा रहे है। इसी कड़ी में प्रशासक महोदय बरियातू रोड में जल जमाव की स्थिति का संज्ञान लेते हुए टीम को 8 जुलाई को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। सहायक प्रशासक के नेतृत्व में निगम की टीम के द्वारा उक्त स्थल का निरीक्षण किया गया, जिसमें ज्ञात हुआ कि पूर्व में निगम द्वारा नाली का निर्माण किया गया था। परन्तु, उक्त भूमि के जमीन मालिक द्वारा मिट्टी भरे जाने के कारण, भूमि के पीछे के क्षेत्रों से आ रहे जल की निकासी अवरुद्ध हो गई थी, जिससे कलवर्ट होते हुए मुख्य सड़क पर जल-जमाव की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। समस्या के समाधान हेतु निगम द्वारा तत्काल जेसीबी मशीन की सहायता से कच्चा ड्रेन तैयार कर जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, जिससे भविष्य में इस प्रकार की समस्या की पुनरावृत्ति न हो।● **रिपोर्ट :- गुड्डी साव**

आनंद मंगलम बैंक्वेट हॉल को किया गया सील

रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत संचालित होने वाले सभी धर्मशाला, विवाह भवन, बैंक्वेट हॉल, लॉज एवं हॉस्टल के लिए नगर निगम से वैध अनुज्ञप्ति प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। इस दिशा में सख्त कार्रवाई करते हुए अपर प्रशासक श्री संजय कुमार के आदेशानुसार दिनांक 05.07.2025 को बाजार शाखा की टीम द्वारा वार्ड संख्या 03. एदलहातू स्थित आनंद मंगलम बैंक्वेट हॉल के अवैध संचालन को पूर्णत: बंद कराने हेतु नोटिस चस्पा किया गया था। दिनांक 07.07.2025 को उक्त बैंक्वेट हॉल को बिना अनुज्ञप्ति के संचालन किए जाने के कारण झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 तथा झारखंड शहरी क्षेत्र धर्मशाला/विवाह भवन/बैंक्वेट हॉल/लॉज एवं हॉस्टल निर्माण एवं अनुज्ञप्ति नियमावली 2013 के प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 466 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर सील कर दिया गया। राँची नगर निगम आम नागरिकों एवं संचालकों से अपील करता है कि वे बिना वैध अनुज्ञप्ति के कोई भी धर्मशाला, विवाह भवन, बैंक्वेट हॉल, लॉज या हॉस्टल संचालित न करें अन्यथा नियमों के उल्लंघन की स्थिति में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।●

रिपोर्ट :- गुड्डी साव

शिव भक्तों को रांची से मिला श्रावण स्पेशल ट्रेनों की सौगात

● गुड्डी साव

रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ की पहल पर रेल मंत्रालय ने रांची से दो श्रावण स्पेशल ट्रेनों की परिचालन की स्वीकृति प्रदान की है। यह दोनों ट्रेन रांची से खुलेंगी और बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर तक जाएगी। पहली ट्रेन का परिचालन मुरी, बोकारो होते भी होगा जबकि दूसरी ट्रेन का परिचालन हजारीबाग, कोडरमा होते हुए होगा। ट्रेनों के परिचालन से संबंधित सूचना दक्षिण पूर्व रेलवे के द्वारा जारी भी कर दी गई है। इस बाबत रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने कहा कि यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सरकार की संवेदनशीलता, रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का अपने कार्यों के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। मैंने दो दिन पहले रांची से श्रावण स्पेशल ट्रेन का अनुरोध रखा था और आज वह स्वीकृत भी हो गया। रांची लोकसभा क्षेत्र सहित

झारखंड के कई जिलों से बाबा बैद्यनाथ की पूजा और जलार्पण के लिए देवघर और सुल्तानगंज जाने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा अब और सुगम हो

-: इन ट्रेनों का होगा परिचालन :-

☞ ट्रेन संख्या 08646/08645
रांची-भागलपुर-रांची (वाया कोडरमा) त्रि-साप्ताहिक श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन। (10 जुलाई 2025 से 11 अगस्त 2025 तक)।

☞ ट्रेन संख्या 08610/08609
रांची-भागलपुर-रांची (वाया जसीडीह) त्रि-साप्ताहिक श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन। (12 जुलाई 2025 से 12 अगस्त 2025 तक)।

सकेगी। इस स्वीकृति के लिए श्री संजय सेठ ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव के प्रति आभार प्रकट किया है। ट्रेनों का परिचालन 10 जुलाई से शुरू हुआ और यह 13 अगस्त तक चलेगा। श्री संजय सेठ ने कहा कि इन ट्रेनों के परिचालन से रांची, खूंटी, सिमडेगा, लोहरदगा, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, पुरुलिया, झालदा सहित कई क्षेत्रों के लोगों को बैद्यनाथ धाम की यात्रा शुभम हो सकेगी। ●

रांची रातु रोड फ्लाईओवर का केंद्रीय मंत्री ने किया उद्घाटन

● गुड्डी साव

रांची में ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए रातु रोड एलिवेटेड कॉरिडोर 3 जुलाई को जनता के लिए खुला 3.57 किलोमीटर लंबा यह फ्लाईओवर नागा बाबा खटाल से हेहल पोस्ट ऑफिस तक बनाया गया है या फ्लाईओवर हरमू रोड पंडरा मांडर जैसे क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम से राहत देगा और कचहरी से पंडरा तक का सफर सिर्फ 4 मिनट में तय होगा । बता दें की रांची में

केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के स्वागत के लिए एयरपोर्ट से ओटीसी ग्राउंड तक उमड़ा जनसमूह 558 करोड़ की लागत से रातु रोड में नवनिर्मित झारखंड के पहले एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किया धन्यवाद । बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का स्वागत रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ झारखंड सरकार के मंत्री दीपक बिरुआ और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित अन्य नेताओं ने किया । रातू रोड फ्लाईओवर 4.01 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर में 101 पिलर और 102 स्लैब है । - इस एलिवेटेड कॉरिडोर की लंबाई 3.6 किलोमीटर है तकरीबन ढाई वर्षों में तैयार हुआ है यह फ्लाईओवर । यह रातु एलिवेटेड कॉरिडोर पंडरा रोड में अप और डाउन दोनों रैंप बनाए गए हैं वहीं इटकी रोड में केवल डाउन रैंप की व्यवस्था है । सुरक्षा देने के लिए लोहे के ग्रिल से भी इसे घेरा गया है । रांची वासियों के लिए कहा जाए तो एक साल के भीतर तीन नए फ्लाइओवर की सौगात मिली है । पहले कांटाटोली फ्लाइओवर दूसरा सिरमटोली फ्लाईओवर और अब तीसरा रातु रोड फ्लाईओवर जिससे कि अब रांची वासियों को जाम से राहत मिल चुकी है। ●

सीएमपीडीआई द्वारा निर्मित 'आहारशाला' का उद्घाटन

● गुड्डी साव

8 जुलाई को सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान-7, भुवनेश्वर द्वारा सामाजिक निगमित दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर, उड़ीसा में दिव्यांगजनों के लिए निर्मित ''आहारशाला'' का उद्घाटन भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव श्री राजेश अग्रवाल (भा0प्र0से0) ने वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से किया। यह आहारशाला एक सुलभ, आधुनिक भूतल एवं प्रथम तल कैफेटैरिया व कैंटीन भवन से सुसज्जित है। इस पहल का उद्देश्य स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर, उड़ीसा में मरीजों, उनके परिवारजनों, कर्मचारियों तथा छात्रों को भोजन और आराम के लिए एक समर्पित स्थान उपलब्ध कराना है। इस मौके पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार वीडियो कांफ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से उपस्थित रहे, जबकि भुवनेश्वर स्थित

क्षेत्रीय संस्थान-7 के क्षेत्रीय निदेशक श्री संजय कुमार भर, स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर के निदेशक डॉ0 पी0पी0 मोहंती, उप निदेशक डॉ0 के0सी0 महापात्रा एवं अन्य वरीय अधिकारीगण, सीएमपीडीआई के वरीय अधिकारीगण, यूनियन व एसोसियेशन के प्रतिनिधि भौतिक रूप से उपस्थित रहे।●

मंत्री योगेन्द्र प्रसाद ने कर्मचारियों को लगाई फटकार

● गुड्डी साव

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने जुलाई को नेपाल हाउस में निरीक्षण के दौरान विभागीय कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्यप्रणाली और फाइलों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने पाया कि कुछ कर्मचारी बिना किसी सूचना के अनुपस्थित थे तथा कुछ कर्मचारी समय पर कार्यालय में मौजूद नहीं थे। उन्होंने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए ऐसे कुल 7 कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा और साथ ही उन्होंने विभागीय सचिव को जांच के निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि जनता को पेयजल एवं स्वच्छता से जुड़ी सेवाएं समय पर उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ऐसे में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ऑफिस में समयबद्ध उपस्थिति और जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए कठोर अनुशासन लागू किया जाएगा। साथ ही मंत्री ने निर्देशित किया कि काम में अनावश्यक देरी, फाइलों को रोकने और जिम्मेदारियों से बचने जैसी प्रवृत्तियों पर पूर्ण

रोक लगाई जाए। विभाग को शून्य सहनशीलता की नीति के साथ कार्य करना होगा।●

जामताड़ा एस.पी. ने करायी धूमधाम से शादी

● ओम प्रकाश

अपराधिक घटना, सांप्रदायिक तनाव सहित विभिन्न घटनाओं में पुलिस की भूमिका अक्सर लोगों को देखने को मिलती है। जहां सिर्फ उनकी ड्यूटी नजर आती है।आमतौर पर यह धारणा भी प्रचलित है कि 'पुलिस अपने बाप की भी नहीं होती।' लेकिन यहां तो एक पुलिस अधिकारी ने एक अनाथ लड़की का श्बापश बनकर उसकी धूमधाम से शादी रचवा दी। हम बात कर रहे हैं जामताड़ा के एसपी राज कुमार मेहता की जिन्होंने यह जिम्मेदारी उठाकर समाज के सामने पुलिस का एक अलग मानवीय चेहरा पेश किया है। आईपीएस राजकुमार मेहता अपने अनोखे अंदाज में कार्य करते हैं। इलाके में अपराधियों पर नकेल कसने के अलावा सोशल पुलिसिंग भी करते है। इस बार उन्होंने एक अनाथ संथाली आदिवासी लड़की की शादी अपने खर्च पे कराया। लड़की के माता पिता का देहांत होने के बाद उसका कोई नहीं था। इस वजह से राजकुमार मेहता खुद युवती के अभिभावक बन कर कन्यादान किया। बताया जा रहा है कि जिस गांव में युवती रहती है। उस गांव में पहली बार किसी एसपी का आगमन हुआ। एसपी राजकुमार मेहता की पहल से एक आदिवासी युवती विवाह के बंधन में बंधी। जहां एसपी राजकुमार मेहता एक अभिभावक एवं एक पिता की भूमिका में नजर आए। उनके साथ उनका बेटा एवं उनकी पुत्री भी मौजूद थे।

आदिवासी युवती के विवाह को लेकर उन्होंने वह सारी जिम्मेदारी निभाई जो एक पिता अपनी बेटी के लिए करता है। यह पूरा वाक्य जामताड़ा क्षेत्र अंतर्गत मेंझिया पंचायत के परीडीह गांव का है जहां गांव की युवती बासुमति किस्कू पश्चिम बंगाल के चितरंजन स्थित जीतपुर के सुनील मुर्मू के साथ वैवाहिक बंधन में बंध गई। जानकारी के अनुसार बासुमति किस्कू के माता-पिता का निधन पहले ही हो गया था। वही उनके दो भाइयों की भी किसी कारणवश मृत्यु हो गई थी। इसके बाद तमाम जिम्मेदारी उसके ऊपर आ गई थी। जैसे तैसे वह रोजगार करके अपना जीवन यापन कर रही थी। लेकिन उसकी शादी नहीं हो पा रही थी। इस बात को लेकर गांव के मुखिया से उसकी बातचीत हुई और फिर सभी ने मिलकर या तय किया कि उसकी शादी सामाजिक सहयोग से करवाया जाए। लेकिन शादी का खर्च वहन करने में लोगों को कठिनाई हो रही थी। तब गांव के मुखिया मिरुदी सोरेन ने एसपी राजकुमार मेहता से मिलकर इस पूरे मामले से अवगत कराया। इसके बाद एसपी ने उनकी बातों को सहजता से स्वीकार करते हुए शादी की पूरी जिम्मेदारी उठाने की बात कही। उसके बाद शादी का दिन तय होते ही मौके पर एसपी राजकुमार मेहता शादी की सारी सामग्री जिसमें कपड़े से लेकर जेवर तक पलंग तोशक एवं विदाई की सारी सामग्री एवं नगद के साथ आर्थिक सहायता की और दूल्हा-दुल्हन को उपहार स्वरूप भेंट किया। इस दौरान सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। मौके पर एसपी राजकुमार मेहता ने कहा कि सामाजिक दायित्व के तहत उनके प्रयास से इस कार्यक्रम को किया गया है ताकि लोगों में एक संदेश जाए की पुलिस सिर्फ लॉ एंड ऑर्डर का पालन ही नहीं करती बल्कि सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन करती है। उन्होंने कहा कि इसमें आदिवासी समुदाय मैं भी घुलने मिलने का अवसर मिला है। पुलिस को लेकर आदिवासी समुदाय में कई तरह के भ्रम है जो ऐसी पहल से दूर होगी व पुलिस को भी वे अपना समझेंगे। वहीं स्थानीय लोगों द्वारा एसपी राजकुमार मेहता उनके बेटा-बेटी एवं मुखिया को आदिवासी रीति रिवाज के अनुसार सम्मानित किया गया। मौके पर जामताड़ा थाना इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह, सार्जेंट मेजर किशोर कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता भागीरथ पंडित सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।●

बिहार की भाभी जी के बाद चाची मोहिनी शर्मा कर रही थी ब्राउन शुगर की तस्करी

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची में ब्राउन शुगर तस्कर के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में पुलिस ने एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इसे पुलिस बड़ी उपलब्धि मान रही है और इससे जुड़े कई और लोगों की गिरफ्तारी की संभावना जता रही है। बताया गया कि सासाराम की कुख्यात महिला तस्कर भाभीजी के जेल जाने के बाद राँची में एक विधवा महिला मोहिनी शर्मा ब्राउन शुगर की तस्करी कर रही थी। इसकी जानकारी पुलिस को मिलने के बाद कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस ने सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के गंगा नगर रोड नंबर-एक, नदी पार स्थित एक किराये के मकान से ब्राउन शुगर तस्करी के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। गिरोह को 65 साल की मोहनी शर्मा उर्फ मोहनी देवी संचालित कर रही थी, उसकी निशानदेही पर उसके गिरोह के अन्य चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें एक किशोर भी शामिल है। इस प्रकार महिला सहित पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 36.70 ग्राम ब्राउन शुगर, 63 हजार 640 नकद, चार स्मार्टफोन और एक बाइक जब्त की गयी है। यह जानकारी कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता कर दी। इस दौरान सुखदेवनगर थाना प्रभारी मनोज कुमार भी उपस्थित थे। डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि एसएसपी को सूचना मिली थी कि मोहिनी देवी उर्फ मोहिनी शर्मा (पति स्व इश्वरी शर्मा) अपने किराये के मकान में ब्राउन शुगर की खरीद- बिक्री कर रही है। इसी सूचना पर कार्रवाई के लिए टीम का गठन किया गया। टीम के सदस्यों ने मोहिनी शर्मा के घर पर छापा मारा, जहां से 10.10 ग्राम ब्राउन शुगर की 50 पुड़िया और एक रियलमी स्मार्टफोन बरामद किया गया। इनकी निशानदेही पर पहाड़ी मंदिर के पीछे, पानी टंकी के पास छापेमारी की गयी, जिसमें अन्य चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मोहनी शर्मा की निशानदेही पर गिरोह के चार सदस्यों को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया। सुमित तिर्की (22) को 35 पुड़िया ब्राउन शुगर (तीन ग्राम), 40,950 रुपये व एक एप्पल स्मार्टफोन, पारस कुमार उर्फ गोलू (25) को 10 पुड़िया (13.60 ग्राम), 12,400 रुपये, वनप्लस स्मार्टफोन व एक बाइक, मो इस्माइल (29) को सात पुड़िया (8.20 ग्राम), 6,290 रुपये व रियलमी स्मार्टफोन, मोहिनी शर्मा उर्फ मोहिनी देवी (65) को 50 पुड़िया (10.10 ग्राम), रियलमी स्मार्टफोन के साथ गिरफ्तार किया गया। जबकि एक किशोर को दो पुड़िया (1.80 ग्राम), चार रुपये, रियलमी स्मार्टफोन के साथ पकड़ा गया। सभी आरोपी सुखदेवनगर व पंडरा ओपी क्षेत्र के रहने वाले हैं।●

छापामारी में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों का नाम :-

- ☞ श्री प्रकाश सोय, पुलिस उपाधीक्षक कोतवाली।
- ☞ श्री मनोज कुमार, पु०नि० सह थाना प्रभारी, सुखदेवनगर थाना।
- ☞ पु0अ0नि0 उमेश चन्द्र महतो, सुखदेवनगर थाना।
- ☞ पु0अ0नि0 सहाबीर उराँव, सुखदेवनगर थाना।
- ☞ पु0अ0नि0 बजरंग टोप्पो, सुखदेवनगर थाना, राँची।
- ☞ म0स0अ0नि0 विभा कुमारी, सुखदेवनगर थाना।
- ☞ हवलदार 219 संदीप टोप्पो, सुखदेवनगर थाना।
- ☞ आ0/2385 ब्रजेश बडाईक, सशस्त्र बल, सुखदेवनगर थाना, राँची।

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

हर बुराई का जड़ है नशा : कुलदीप कुमार

● ओम प्रकाश

मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन सदर थाना क्षेत्र के शांति नगर गढ़ा टोली गौसिया मस्जिद के नजदीक किया गया। इसमें शांति नगर, गढ़ा टोली, गौसनगर, इलाही बक्स कॉलोनी आदि क्षेत्रों के कई गणमान्य लोग शामिल हुए। मौके पर सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने सभी लोगों को नशा के खिलाफ मुहिम चलाने के लिए शपथ दिलाई। उन्होंने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि हर बुराई का जड़ है नशा, नशा से बनाये दूरी और संवारे अपनी जिंदगी। उन्होंने कहा कि हर बुराई का जड़ है नशा है। नशा न केवल इंसान को बर्बाद करता है, बल्कि घर-परिवार तक को तहस-नहस कर देता है। समाज में इसका अलग ही दुष्प्रभाव पड़ता है। नशे में शख्स इंसान से दरिंदा बन जाता है। इसके बाद वह कोई भी अपराध कर जाता है। फिर चाहे वह लूट-छिनतई हो, या फिर मर्डर या रेप। इस चलते नशा से दूरी बनाना बेहद जरूरी है। थानेदार ने लोगों से अपील की कि नशा से बनाये दूरी और संवारे अपनी जिंदगी। बताते चले कि मौका था नशा के खिलाफ लोगों को जगाने का। इसको लेकर सदर थाना क्षेत्र के शांति नगर गढ़ा टोली में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में शांति नगर, गढ़ा टोली, गौसनगर, इलाही बक्स कॉलोनी सहित अन्य इलाकों के बुद्धिजीवी लोगों ने शिरकत की।

थानेदार कुलदीप कुमार ने लोगों से संबोधित करते हुए कहा कि अपने-अपने मुहल्ले और अपने बच्चों पर ध्यान दें कि वे किसी तरह का नशा की गिरफ्त में तो नहीं फंस रहे। इस पर आप गंभीरता पूर्वक निगरानी रखें, अगर किसी को नशा की लत है, तो इसके लिए नशा मुक्ति केंद्र भेजने का काम करें। मैं हर संभव मदद करने को तैयार हूं। इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार ने लोगों से आग्रह किया कि कहीं भी कोई शख्स ब्राउन शुगर, गांजा, अफीम की तस्करी करते दिखे, तो तुरंत पुलिस को बतायें, उसके खिलाफ तुरंत एक्शन लिया जायेगा। वहीं, इंफॉर्मेशन देने वाले का नाम-पता गुप्त रखा जायेगा। हमारा मकसद सिर्फ यही है कि हमारा समाज और हमारे बच्चे नशे के चंगुल से दूर और सुरक्षित रहें। हमारे बच्चे सुरक्षित रहेंगे, तभी हमारा राज्य और हमारा देश भी सुरक्षित रहेगा। थानेदार ने सभी लोगों को नशा के खिलाफ मुहिम चलाने की शपथ दिलायी। मौके पर झारखंड आंदोलन कारी सह झारखंड प्रदेश जमीयतुल कुरैश के अध्यक्ष मुजीब कुरैशी ने कहा की नशा मुक्ति जागरूकता अभियान सरकार की एक बहुत अच्छी प्रयास है ,इसको सफल बनाने के लिए हर एक व्यक्ति को जुड़ना होगा। इसकी शुरुआत हम लोगों ने 2019 में भी किया था और आज तक ये मुहिम लगातार चल रही है। उन्होंने आगे कहा कि तंबाकू, गुटका, बीड़ी, पान सिगरेट, अफीम, ब्राउन शुगर इत्यादि से बचाने के लिए अपने बच्चों पर निगरानी जरूर रखें । कहीं भी किसी तरह की दिक्कत होती है तो नशा मुक्ति केंद्र में उसे इलाज के लिए भेजे, थाना का भी सहयोग मिलेगा, समाज के जिम्मेदार लोग हैं, सभी लोग मदद करेंगे। वहीं मंच संचालन गुलाम जावेद ने किया, धन्यवाद ज्ञापन जमीयतुल कुरैश पंचायत कांटा टोली के अध्यक्ष गुलाम गौस कुरैशी पप्पू ने किया। इस मौके पर समाजसेवी मुन्ना इम्तियाज, एकराम कुरैशी,साजिद, नन्हे, राहुप, मो यासीन, निजाम , इरफान, फेकू, आशिक, मुजाहिद, कामरान, मोइनुद्दीन, फरहाद, आसिफ, भोलू, राजू सहित कई लोग उपस्थित थे।●

रीलबाजी के चक्कर में युवक चढ़ा पुलिस के हत्थे

● **ओम प्रकाश**

झारखंड की राजधानी रांची में रील बनाने वाले रिंकू भाई उर्फ शौकिया गुंडा को रांची के भीड़ भाड़ वाले इलाके में, बीच रोड में, कुर्सी पर बैठ कर रील बनाना महंगा पड़ गया। बता दे कि सड़कों पर खतरनाक अंदाज में रील बनाने वाले इस शख्स की पुलिस ने सारी हेकड़ी निकाल दी। सोशल मीडिया पर 'शौकिया गुंडा' के नाम से मशहूर रिंकू खान उर्फ रिंकू भाई को रांची पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस कस्टडी में आते ही रिंकू खान कोतवाली DSP प्रकाश सोय के सामने नतमस्तक हो गया। वह घुटने पर आकर गिड़गिड़ाने लगा और रांची पुलिस जिंदाबाद, झारखंड पुलिस जिंदाबाद के नारे लगाने लगा। साथ ही कहने लगा कि आगे से कभी वैसी गलती नहीं करेगा। गौरतलाप है कि रिंकू खान नाम का यह शख्स रांची के रतन पीपी चौक के पास कुर्सी में बैठ कर गुंडा स्टाइल में रील बनाया था। जिसके बाद से ही वह पुलिस की रडार पर था। बेखौफ रिंकू ने खतरनाक अंदाज में ट्रैफिक पुलिस को

ठेंगा दिखाते हुए मेन रोड के पास नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए रील बनाई, इस दौरान न सिर्फ उसने अपनी जान दांव पर लगाई बल्कि दूसरों की जान को भी खतरे में डाल दिया। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ उसके बाद रांची पुलिस हरकत में आई और हिंदपीढ़ी थाना की पुलिस ने रियल लाइफ में रील बनाने वाले रिंकू भाई उर्फ शौकिया गुंडा को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लेते ही रिंकू भाई उर्फ शौकिया गुंडा ने झारखंड पुलिस और रांची पुलिस की जय बोल कर कर नारेबाजी की और भविष्य में कभी ऐसे खतरनाक और एंटी सोशल रील नहीं बनाने की बात कही है। उसने अपने तमाम हरकतों के लिए माफी मांगी। वही लास्ट में रिंकू खान ने वीडियो के जरिए संदेश दिया कि 'कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे'। वही रांची पुलिस ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक स्थानों पर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रील बनाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने यह भी साफ कर दिया है कि ऐसे स्टंट करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। रांची पुलिस ने चेतावनी दी है कि सड़क को स्टंट और रील शूटिंग का मंच समझने वालों को अब सीधे हिरासत में लिया जाएगा। इस कार्रवाई को लेकर आम लोगों ने पुलिस को धन्यवाद दिया है और सराहना की है। ●

भीम सिंह की सूझबूझ से यात्री का गुम हुआ बैग और 80 हजार रूपया मिला वापस

रांची के कांटा टोली स्थित खादगढ़ा बस स्टैंड पर एक यात्री का बैग गुम हो गया, जिसमें लगभग 80 हजार रुपये नकद और जरूरी दस्तावेज थे। बैग खो जाने से घबराया यात्री तत्काल खादगढ़ा पहुंचा और वहां तैनात पुलिसकर्मियों को मामले की जानकारी दी। मामले की गंभीरता को समझते हुए खादगढ़ा TOP में पदस्थापित पुलिसकर्मी भीम सिंह ने अपने सूझबूझ और तत्परता से कार्रवाई शुरू की। उन्होंने न केवल बैग को ढूंढ निकाला, बल्कि बैग में रखे सारे कागजात और नकद 80,000 रुपए भी सुरक्षित यात्री को लौटा दिए। बैग वापस पाकर यात्री भावुक हो गए और पुलिस की ईमानदारी तथा तत्परता के लिए धन्यवाद दिया। इसके बाद यात्री निश्चिंत होकर अपनी यात्रा पर रवाना हो गए। इस घटना ने रांची पुलिस की सकारात्मक छवि को और मजबूत किया है। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने भी पुलिसकर्मी की ईमानदारी की सराहना की है।● **रिपोर्ट :- ओम प्रकाश**

गोलीबारी घटना के अपराधी हुए गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

मांडर थाना क्षेत्र के टांगरबसली स्टेशन के पास 21 जुलाई 2025 की रात करीब 8 बजे नबी हुसैन अंसारी (पिता स्व. सलीमुद्दीन अंसारी, निवासी चचकोपी, थाना-बेड़ो, जिला रांची) पर अज्ञात अपराधियों ने गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मांडर थाना की पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने पाया कि नबी हुसैन के पेट में गोली लगी थी। जिसे स्थानीय लोगों के मदद से ईलाज हेतु कोनस्टेंट लीवंस हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर, माण्डर राँची में भर्ती कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए, रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने त्वरित कार्रवाई के लिए एक विशेष जांच टीम गठित की।

✯ **आठ घंटे में आरोपी गिरफ्तार :-** गठित टीम ने घायल नबी हुसैन के परिजनों से गहन पूछताछ की और संदिग्ध नौशाद अंसारी के संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू की। छापामारी के दौरान पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि अपराधकर्मी नौशाद अंसारी माण्डर थानान्तर्गत नारो स्थित एन०एच-75 पर बने पुल के नीचे छुपा हुआ है। उक्त सूचना के आलोक में छापामारी दल के द्वारा उक्त स्थल का घेराबंदी कर कांड में शामिल अभियुक्त नौशाद अंसारी को घटना घटित होने के महज 08 घंटे के अंदर गिरफ्तार किया गया।

✯ **हथियार और गोली बरामद :-** नौशाद की तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से घटना में इस्तेमाल की गई मैगजीन युक्त पिस्तौल और एक 315 बोर का देसी पिस्तौल बरामद किया। पूछताछ में नौशाद ने खुलासा किया कि 31 दिसंबर 2023 को नबी हुसैन और अन्य लोगों ने उसके भाई की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। उसने यह भी बताया कि नबी हुसैन और अन्य उसके खिलाफ हत्या की साजिश रच रहे थे। इस मामले में 20 जुलाई 2025 को कोर्ट में गवाही थी। न्यायालय के कार्य उपरांत लौटने के क्रम में अपने भाई की हत्या का बदला लेने के उदेश्य से नौशाद ने इस घटना को अंजाम दिया गया। मामले में पुलिस के द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

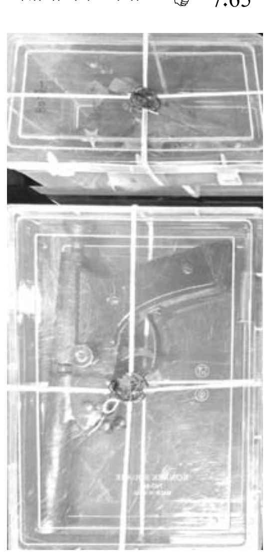

✯ **गिरफ्तार अपराधी का नाम / पता :-** नौशाद अंसारी उम्र करीब 20 वर्ष, पिता-मुद्दीन अंसारी, ग्राम-चचकोपी, थाना-बेड़ो, जिला राँची।

✯ **बरामद एवं जप्त सामानों का विवरण :-**

☞ 7.65 का देशी पिस्तौल :- 01

☞ पिस्तौल का मैगजीन :- 01

☞ 7.65 एम० एम० का जिन्दा गोली :- 01

☞ 315 बोर का देशी कट्टा :- 01

☞ 8 एम० एम० जिन्दा गोली :- 01

✯ **छापामारी दल में शामिल पुलिसकर्मी :-**

☞ श्री राम नारायण चौधरी पुलिस उपाधीक्षक खलारी, रॉची।

☞ पु०अ०नि० राहुल थाना प्रभारी माण्डर रॉची।

☞ पु०अ०नि० रंजीत किशोर, माण्डर थाना।

☞ स०अ०नि० प्रदीप कुमार चौबे, माण्डर थाना।

☞ हव0/452 मुकेश राम।

☞ आ0/900 सुधीर कुमार सिंह।

☞ आ0/1317 ब्रजेश महतो।

☞ आ0/99 मनोज कुमार सिंह सभी माण्डर थाना। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

शिव का प्रिय सावन मास

● राजीव रंजन मिश्रा 'राजू'

शिव परोपकारी हैं, परमानन्द हैं। शिव भगवंत हैं, ओंकार हैं। शिव ब्रह्म हैं, शिव धर्म हैं, शिव शक्ति हैं, शिव भक्ति हैं। जहाँ धर्म है वहाँ शिव हैं। शिव लिंग भगवान शिव का निराकार और साकार प्रकृति को दर्शाता है। शिव के साधक को मृत्यु, रोग और शोक का भय नहीं होता। यजुर्वेद में शिव को शक्ति दाता बताया गया है। शिव ने सृष्टि की स्थापना, पालना और विनाश के लिये क्रमशः ब्रह्मा, विष्णु और महेश (महेश भी शिव का नाम है) नामक तीन सूक्ष्म देवताओं की रचना की है। इसीलिये शिव ब्रह्माण्ड के रचयिता हुये। शिव को इसीलिये देवों के देव महादेव कहा जाता है। शिव की सबसे ज्यादा पूजा लिंग रूपी पत्थर के रूप में होती है। भगवान शिव का रूप-स्वरूप जितना विचित्र हैं, उतना ही आकर्षक भी हैं। उनकी जटायें अंतरिक्ष व चंद्रमा मन का प्रतीक है। इनकी तीन आँखें हैं, इसलिये इन्हें त्रिलोचन भी कहते हैं। ये आँखें सत्व, रज और तम (तीन गुणों) भूत, वर्तमान और भविष्य (तीन कालों) स्वर्ग, मृत्यु, पाताल (तीन कालों) का प्रतीक है। सर्प जैसा हिंसक जीव शिव के अधीन है। इनका त्रिशूल भौतिक, दैविक, आध्यात्मिक तापों को नष्ट करता है। जब की डमरू का नाद ब्रह्म स्वरूप है। शिव के गले में मुंडमाला मृत्यु को वश में करने का संदेश देती है। महादेव चार पैर वाले जानवर की सवारी करके संदेश देते हैं कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष उनकी कृपा से मिलते हैं। पापों से मुक्त करती है भगवान शिव की आराधना। सच्चे शिव के भक्त वहीं हैं जो अपने मन में स्वार्थ की भावना को त्यागकर परोपकार की मनोवृति अपनाते हैं। भगवान शिव की आराधना, साधना और उपासना से मनुष्य अपने पापों एवं संतापों से इसी जन्म में मुक्ति पा सकता है। मुक्ति की अभिलाषा के लिये हमारे धर्म शास्त्रों में 'महामृत्युंजय' मंत्र को सबसे उपयुक्त बताया गया है। जिसे 'त्रयंबकम मंत्र' भी कहा गया है। यह गायत्री मंत्र के समकक्ष हिन्दु धर्म का सबसे व्यापक मंत्र है।

श्री मृत्युंजय महादेव मंदिर कनखल के श्री हरिहर आश्रम में हैं। आश्रम प्रांगण में ही पारे (मर्करी) का शिवलिंग भी है। यहीं पर सिद्धदाता 'रूद्राक्ष' वृक्ष भी है। महामृत्युंजय अष्ट भुजाओं वाले हैं। जिनके दो हाथों में अमृत कलश, चार हाथों में स्नान के जल कलश, एक हाथ में रूद्राक्ष माला तथा दुसरे हाथ में ज्ञान मुद्रा है। शिव संस्कृत भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है कल्याणकारी। शिव के नाम का उच्चारण करने से ही सुखों का निवारण हो जाता है, शिव स्वयंसिद्ध एवं स्वयं प्रकाशी हैं, वे स्वयं प्रकाशित रहकर सम्पूर्ण विश्व को प्रकाशित करते हैं, शिव जी में पवित्रता, ज्ञान और साधना के गुण विधमान हैं। इसलिये उन्हें देवों के देव महादेव कहते हैं। शिव सहजता से प्रसन्न होने वाले देवता हैं इसलिए इन्हें आशुतोष भी कहते हैं। शिव मृत्यु के देवता हैं, इसलिए इन्हें मृत्युंजय भी कहते हैं। कल्याणकारी होने के साथ शिव संहार के भी देवता हैं। भगवान शिव मोक्षदायिनी माँ गंगा को अपनी जटाओं में धारण किये हुये हैं। सिर पर चन्द्रमा धारण कर वह शीतलता का प्रतिक हैं। सर्प की माला, सिंह की खाल का आसन और नंदी की सवारी अर्थात् जो अहितकारी है, उस पर शिव का नियंत्रण है। शिव परिवार में भिन्न विचार के लोग होने पर भी एकता है। शिव, माँ पार्वती, गणेश, कार्तीकेय, सिंह, नंदी, मोर, चूहा, इन चारों की सवारी, फिर भी परिवार में सभी साथ-साथ मिलकर करते हैं। शिव भक्तों का कल्याण करते हैं तो मृत्यु प्रदाता भी हैं। शिव प्रकृति संतुलन के देवता हैं। यही कारण है कि श्रावण मास में उनकी स्तुति होती है।

श्रावण मास में प्रकृति नए स्वरूप में होती है चारों ओर हरियाली ही हरियाली होती है। इससे मानव को आंतरिक सुख प्राप्त होता है। शिव की लीलाएं अनंत हैं।

शिव भक्त शिव लिंग की पूजा गंगा जल, पंचामृत, चन्दन, भस्म, अक्षत, बेलपत्र, फूल, फल, धतुरा, भांग और ईत्र आदि से करते हैं। इसके बाद रूद्राष्टक, लिंगाष्टक, शिव तांडव, शिव पंचाक्षर मंत्र का पाठ, महा मृत्युंजय मंत्र का जाप, ओम नमः शिवाय, हर-हर महादेव का जयकारे लगातें हैं।

सावन मास में रूद्राभिषेक का महत्व बहुत ज्यादा है, हरेक माह में रूद्राभिषेक के लिए शिव वास देखने की जरूरत होती है किन्तु सावन मास में पुरे मास शिव जी का रूद्राभिषेक फल दायी है, देवाधिदेव शिव से अपनाएं त्याग और समर्पण की भावना। शिव जी स्वयंभू हैं, शाश्वत हैं, सर्वोच्च सत्ता हैं, विश्व चेतना है और ब्रह्माण्डिय अस्तित्व का आधार हैं। शिव जहाँ रहते हैं उस स्थान को सिद्ध और व्यक्ति को प्रसिद्ध कर देते हैं। भक्त में अगर त्याग, समर्पण, सच्चाई और सदाचार है तो वह शिव का स्वतः पात्र बन जाता है । जहाँ शिव होते हैं वह अनंत इच्छाओं की स्वतः पूर्ति होती है। अगर जीवन को सत्यम शिवम सुन्दरम बनाना चाहते हैं तो जगदगुरू शिव के सानिध्य में बैठें। उनकी उपासना करें, उनके स्वरूपप को जानें और गुणों को आत्मसात करें। सावन मास में हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम शिव जैसा ही बनेंगे। सावन मास में शिव की पूजा शुभ मानी जाती है। सोमवार के स्वामी भगवान शिव हैं, इसलिए सावन माह के सोमवार को शिव की पूजा करने से शिव अत्यंत प्रसन्न होते हैं।●

बेखबर

सीधी सरल नहीं है जिंदगी की राहें, कई उतार चढ़ाव आते है.
कभी लगता है सब पा लिया है, हमने... तो कभी ख्वाब बिखर जाते है।
कभी मिलती है ढेर सारी खुशियाँ
कभी गम ठहर से जाते है।
कभी अजनबी बन जाते है अपने.
कभी अपने अजनबी हो जाते हैं.
न चादर बड़ी कीजिये
न ख्वाहिश दफन कीजिये..
चार दिन की जिंदगी है,
बस चैन से बसर कीजिये।

प्रांशा राज
लेखिका एवं शिक्षिका

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए तो यह समय और भी बेहतर रहेगा। प्रेम संबंधी मामलों में नजदीकी आएगी, व्यापार मे ध्यान रहे की उधार नहीं देना है, नहीं तो घाटा लगना तय है!

वृषभ राशि :- मकान वाहन का क्रय करने की दृष्टि से माह बेहतरीन रहेगा,परिवार में बड़े भाइयों से भी सहायता मिलेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें तो बेहतरीन होगा!

मिथुन राशि :- धर्म और अध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी, सामाजिक कार्यो में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे,नए दायित्व का निर्वहन भी बखूबी करेंगे, स्वास्थ्य विशेष करके आँख संबंधी रोग से बचें।

कर्क राशि :- माह के शुरुआत में आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। काफी दिनों का दिया गया धन भी वापस मिलने की उम्मीद, परिवार में एकता बरकरार रखने में भी दिक्कत आ सकती है लेकिन इसे ग्रह योग समझकर बढ़ने न दें तो ही बेहतर होगा!

सिंह राशि :- कोई भी बड़े से बड़ा कार्य आरंभ करना हो अथवा किसी ने अनुबंध पर हस्ताक्षर करना हो तो उस दृष्टि से पूर्ण सफलता मिलेगी, केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में प्रतीक्षित कार्य संपन्न होंगे।

कन्या राशि :- इस माह में कई तरह के उतार-चढ़ाव का सामना करना पर सकता है कई बार कार्य में विलंब होने के कारण आप में झुंझलाहट आ सकती है,कोर्ट कचहरी के मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आने के संकेत,इस अवधि के मध्य किसी को भी अधिक धन उधार के रूप में न दें अन्यथा आर्थिक हानि का सामना करना पर सकता है!

तुला राशि :- कहीं न कहीं पारिवारिक कलह और मानसिक अशांति का सामना करना पड़ सकता है किंतु कार्य व्यापार की दृष्टि से समय उत्तम रहेगा, साझा व्यापार करने से बचें, आय के साधन बढ़ेंगे,अपनी रणनीतियों को गोपनीय रखते हुए कार्य करेंगे तो अधिक सफल रहेंगे, इसे अवश्य करें!

वृश्चिक राशि :- नौकरी में परिवर्तन अथवा नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का चिंतन कर रहे हों तो यह समय सर्वथा अनुकूल रहेगा, सामाजिक पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी, जहां भी जाएंगे आपके चाहने वालों की भीड़ लग जाएगी,ये शुभ होगा!

धनु राशि :- विद्यार्थियों एवं प्रतियोगिता में बैठने वाले छात्रों के लिए भी समय बेहद अनुकूल रहेगा, रोजगार के नए अवसर उपलब्ध रहेंगे, नौकरी में भी पदोन्नति तथा सम्मान वृद्धि होगी!

मकर राशि :-किसी न किसी कारण से पारिवारिक कलह और मानसिक अशांति का सामना करना पड़ सकता है, माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें, जमीन-जायदाद संबंधी विवाद हल होंगे, यें बहुत ही अच्छा और उत्कृष्ट काम होगा!

कुंभ राशि :- परिवार में छोटे भाइयों से विवाद बढ़ने न दें, कोर्ट कचहरी के मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आने के संकेत, माह में कई तरह के परिवर्तन नई चुनौती पेश करेगा।

मीन राशि :-एकबार जो ठान लेंगे उसे पूरा करके ही छोड़ेंगे फिर भी कहीं न कहीं रिक्तता महसूस करेंगे,जमीन जायदाद अथवा मकान-वाहन का क्रय करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा।

माँ-बाबू जी हैं भगवान

माँ अलग है, बाबूजी अलग है,
पर जब भी बच्चा रोता है
दोनों की आँखें एक साथ क्यों भर आती हैं,

माँ की प्यार में जो मिठास है,
बाबूजी की प्यार में भी तो वही विश्वास है।

माँ थाली में परोसती है भोजन और प्यार,
बाबूजी पसीने से भरता है अन्न और घर का संसार।

माँ की निनिया गीत नींद लाती है,
बाबूजी की मुस्कान चैन दिलाती है।

माँ दुआ है तो बाबूजी छाया
एक बिना दूसरा अधूरा है साया।

ए ईश्वर तेरी क्या है माया,
एक जन्म देती है,
दूसरा जिंदगी सजाता है,
माँ-बाबूजी दो नाम नहीं
ईश्वर से कम धरती पर इनका काम नहीं,

जब बच्चा गिरता है
माँ दौड़ती है,
बाबूजी चुपचाप आगे बढ़ाता है उँगली।
दुनिया कहती है माँ महान है,
हम कहते हैं
माँ-बाबूजी दोनों भगवान हैं!

● अंजु प्रभा, वरिष्ठ कवियत्री

✯ अगर चेक बाउंस के केस का अभियुक्त केस लड़ने के दौरान मर जाता है तो चेक बाउंस के रकम की भुगतान की जिम्मेदारी क्या उनके परिवार के उत्तराधिकारियों की होगी?

चेक बाउंस के मामले में, यदि अभियुक्त की मृत्यु हो जाती है, तो चेक बाउंस की रकम की जिम्मेदारी उसके परिवार वालों पर नहीं होती है। भारतीय कानून के अनुसार, चेक बाउंस का मामला मुख्यत: उस व्यक्ति के खिलाफ होता है जिसने चेक जारी किया है। यदि चेक जारी करने वाला व्यक्ति मर जाता है, तो उसके विरुद्ध चल रहे आपराधिक मामले को बंद कर दिया जाता है। चेक बाउंस के मामले में दी गई रकम की वसूली करने के लिए, चेक जारी करने वाले की संपत्ति से वसूली की जा सकती है, लेकिन परिवार के सदस्यों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं होती है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि चेक जारी करने वाले की संपत्ति या संपत्ति के उत्तराधिकारी इस मामले में किसी प्रकार की जिम्मेदारी ले सकते हैं, यदि उस संपत्ति को चेक की राशि की वसूली के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए, चेक बाउंस के मामले में परिवार के सदस्य सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं होते हैं।

✯ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 311 के तहत आवेदन देने के बाद क्या जज उसी दिन गवाह की गवाही ले सकते हैं?

भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (CRPC) की धारा 311 का प्रावधान न्यायालय को यह अधिकार देता है कि वह अपने विवेक पर किसी भी समय, किसी भी गवाह को बुला सकता है या किसी भी गवाही को प्राप्त कर सकता है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में सही तथ्य सामने आ सकें। यदि आप धारा 311 के तहत आवेदन दायर करते हैं, तो जज इसे सुनने के बाद यह तय कर सकते हैं कि क्या गवाही ली जानी चाहिए या नहीं। यदि जज इसे उचित समझते हैं और इसे सुनने के लिए तत्पर होते हैं, तो वे उसी दिन गवाही भी ले सकते हैं। यह पूरी तरह से जज की विवेकाधीनता पर निर्भर करता है कि वे गवाही लेने का निर्णय कब लेते हैं। इसलिए, यदि आप आवेदन के साथ गवाही के लिए अनुरोध कर रहे हैं, तो जज उसके अनुसार निर्णय ले सकते हैं।

✯ पुलिस की क्या-क्या कानूनी कमजोरीयॉ होती हैं एवं पुलिस के द्वारा की गई गलतियाँ एवं अत्याचार के लिए क्या- क्या कानूनी प्रावधान है?

पुलिस की कानूनी कमजोरियाँ विभिन्न कारकों पर निर्भर करती हैं, जिनमें नीतियाँ, विधियाँ, और संगठनात्मक संरचना शामिल हैं। यहाँ कुछ सामान्य कानूनी कमजोरियाँ दी गई हैं :-

1. 'अविवेकपूर्ण गिरफ्तारी': कई बार पुलिस बिना पर्याप्त सबूत के लोगों को गिरफ्तार कर लेती है, जो कानून के खिलाफ होता है।

2. 'बेजा बल का उपयोग': पुलिस द्वारा अत्यधिक बल का इस्तेमाल करना, विशेषकर जब यह अनावश्यक हो, यह कानूनी समस्या बन सकता है।

3. 'गोपनीयता का उल्लंघन': पुलिस अक्सर नागरिकों की गोपनीयता का उल्लंघन करती है, जैसे बिना वारंट के तलाशी लेना।

4. 'भेदभावपूर्ण व्यवहार': जाति, धर्म, या रंग के आधार पर भेदभाव करना कानूनी दृष्टि से गलत है और इससे नागरिक अधिकारों का उल्लंघन होता है।

5. 'प्रशिक्षण की कमी': पुलिसकर्मियों को उचित प्रशिक्षण न मिलने के

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

कारण वे कानून के प्रति संवेदनशील नहीं होते और गलत निर्णय लेते हैं।

6. 'जवाबदेही की कमी': कई बार पुलिसकर्मी अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार नहीं होते, जिससे नागरिकों के अधिकारों का हनन होता है।

7. 'न्यायिक प्रक्रिया का उल्लंघन': पुलिस द्वारा आरोपी को उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन न करना, जैसे वकील तक पहुँचने का अधिकार न देना, यह भी एक कमजोरी है।

8. 'साक्ष्य की सही तरीके से संग्रहण': साक्ष्य को सही तरीके से संग्रहित न करना और उसे गलत तरीके से प्रस्तुत करना, जो न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है।

इन कमजोरियों को दूर करने के लिए सुधारात्मक उपायों की आवश्यकता होती है, ताकि पुलिसिंग प्रणाली अधिक प्रभावी और न्यायपूर्ण हो सके। पुलिस द्वारा की गई गलतियों या अत्याचारों के लिए विभिन्न कानूनी प्रावधान हैं। इनमें से कुछ मुख्य प्रावधान निम्नलिखित हैं :-

1. 'संविधान के तहत अधिकार': भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत किसी भी व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार है। यदि पुलिस इस अधिकार का उल्लंघन करती है, तो व्यक्ति न्यायालय में चुनौती दे सकता है।

2. IPC (भारतीय दंड संहिता) :- पुलिसकर्मियों के लिए भी IPC के तहत विभिन्न धाराएँ लागू होती हैं। जैसे कि :-

धारा 166 :- किसी सरकारी अधिकारी द्वारा कर्तव्य के निर्वहन में अवहेलना।

धारा 342 :- किसी व्यक्ति को गलत तरीके से हिरासत में रखना।

3. CRPC (दंड प्रक्रिया संहिता):- यदि पुलिसकर्मी ने अपने अधिकारियों का दुरुपयोग किया है, तो पीड़ित व्यक्ति ब्च्ब् की धाराओं के तहत शिकायत दर्ज कर सकता है।

4. अधिकारों का उल्लंघन:- यदि किसी व्यक्ति के अधिकारों का उल्लंघन किया जाता है, तो वह मानवाधिकार आयोग या संबंधित प्राधिकरण में शिकायत कर सकता है।

5. आंतरिक शिकायत तंत्र :- कई राज्यों में पुलिस विभाग के भीतर आंतरिक शिकायत तंत्र होते हैं, जहाँ पीड़ित व्यक्ति अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

6. न्यायालय में याचिका :- यदि किसी व्यक्ति को लगता है कि पुलिस ने उसके साथ अन्याय किया है, तो वह उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका (PIL) दायर कर सकता है।

इन प्रावधानों का उपयोग करके व्यक्ति पुलिस के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकता है।

हमारा सपना सुंदर नवादा, स्वच्छ नवादा
नगर परिषद नवादा के तमाम वार्ड पार्षदों
और नगर क्षेत्र के तमाम माता, बहनों, भाइयों,
अभिभावकों को
अगस्त
15
स्वतंत्रता दिवस
की शुभकामनाएं...
पिंकी कुमारी
मुख्य पार्षद
नगर परिषद, नवादा
संजय कुमार
पूर्व मुख्य पार्षद
नगर परिषद, नवादा

NAWADA VIDHI MAHAVIDYALAYA
NAWADA (BIHAR)
NAAC
An ISO Certified Institution 21001:2018
Recognized by BCI New Delhi, Permanently Affiliated to
Magadh University, Bodh-Gaya, Approved by Govt. of Bihar, Patna.
ADMISSION
NOTICE
2025-26
Application for admission in Part 1st B.A. LL.B (5 Years), B.B.A LL.B (5 Years), LL.B (3 Years) & LL.B (Hons) for the session 2025-26 are invited on few vacant & reserved seats as per the norms of BCI. New Delhi & Govt. Of Bihar (Patna) till 05-07-2025
Proposed Courses
LL.M, B.B.A, B.C.A & B.Lis
ONLINE (TUTORIALS) & OFFLINE CLASSES ARE GOING ON :
Running Courses
B.A. LL.B (5 Years), B.B.A LL.B (5 Years) LL.B & LL.B (Hons) (3 Years)
Bus facility available in Town service, equipped by CCTV & Wi-Fi facility.
Contact us on Email: nvmnawada@gmail.com, or visit our website: www.nawadavidhi.ac.in
Phone No-06324 212205, 212206, 295054, 295055,
Mob No : 9939447474, 7667204644, 8083880786, 9065457964, 8340686180
Dr. D.N. Mishra, Principal | Mob No: 9431224775

JEEVAN JYOTI PUBLIC SCHOOL
Affiliated 10+2 C.B.S.E., New Delhi
CAREER POINT TECHNO ACADEMY
WE PROVIDE Kota Quality Coaching Now at JEEVAN JYOTI PUBLIC SCHOOL, Nawada
Class : VIIIth to XIIth Starts
बच्चों के भविष्य हेतु एकमात्र प्रमाणिक एवं समर्पित संस्था
हमारी सुविधाएँ :-
❖ छोटे-छोटे बच्चों के लिए अत्याधुनिक किड्स क्लास की व्यवस्था।
❖ पूर्ण प्रशिक्षित एवं अनुभवी शिक्षकगण।
❖ अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित पुस्तकालय।
❖ आधुनिक एवं चारित्रिक निर्माण पर विशेष ध्यान।
❖ अंग्रेजी में सामूहिक वादविवाद एवं वार्तालाप की व्यवस्था।
❖ सीसीटीवी की निगरानी।
❖ सुसज्जित परिवहन सुविधाएं।
❖ उत्तम आवासीय सुविधाएं।
Rashmi Gupta
Director
R.P. Sahu
Managing Director
Foundation Course
For : JEE & Medical
Kota
Add : Navin Nagar, Nawada | 9431227067, 7870662824

शुद्ध चावल एवं मक्के के आटे से निर्मित नमकीन
Dhunky
NAMKEEN
Shree Shyamji Udyog
गजब स्वाद की ! गजब कहानी !
Rings
Veg Biryani
Light Box
fssai
Lic No. 10424110000004
Veg Biryani
masala pola
katori chaat
rings
snacks
Expanding our Namkeen family!
Dealers inquiries welcome, contact us today!
NEAR JAI PRAKASH EVENING INTER COLLEGE
JANDAHA ROAD HAJIPUR (VAISHALI)
MOB: 7782053204
MADE IN INDIA

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Dispersing Happiness

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008